नई दिल्ली । शुक्रवार, 19 जून, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पंचमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :164/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक

विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

नई दिल्ली संस्करण

vishwakesari.com

@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल फीफा वर्ल्ड कपः इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 4-2 से हराया... @ विचार इंडो पैसिफिक कमांड नाम से ट्रंप को क्या दिक्कत ... @ व्यापार सेंसेक्स 254 अंक उछलकर बंद...

'एक मोर्चे पर युद्ध की आग, दूसरे पर शांति की पहल'

रूस-युक्रेन के बीच जारी संघर्ष, अमेरिका-ईरान समझौते से कुटनीति को नई दिशा

रायपुर/नई दिल्ली। विश्व इस समय दो अलग-अलग वैश्विक तस्वीर की साक्षी बन रही है। एक तरफ रूस और युक्रेन के बीच फिर से युद्ध जारी हो गया है और बढ़ते तनाव के साथ और अधिक जटिल होते जा रहा है, जबकि दूसरी तरफ अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते ने लम्बे समय से चले आ रहे टकराव को कुटनीतिक बातचीत के रास्ते पर लाने की उम्मीद जगाई है। लिहाजा कहा जा सकता है कि एक तरफ युद्ध की विभीषिका है तो दूसरी तरफ संवाद और समझौते की पहल, इन दोनों घटनाक्रमों ने अंतर्राष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक सुरक्षा के समीकरणों को नई दिशा देने का संकेत दिया है।

अमेरिका-ईरान जंग खत्म, दोनों प्रेसिडेंट ने किए दस्तखत

एजेंसी ■ तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच जंग खत्म करने के लिए अंतरिम समझौते पर दस्तखत हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार रात को फ्रांस के वर्साय पैलेस में इससे जुड़े रूश्र पर साइन किए। इस दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मौजूद थे।

डील पर दस्तखत करने के बाद ट्रम्प वर्साय पैलेस से बाहर आए। इस दौरान किसी रिपोर्टर ने उनसे पीस डील को लेकर पूछा, तो उन्होंने चिल्लाते हुए कहा, 'डील साइन हो गई है।' ट्रम्प के बाद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने भी ईरान से इलेक्ट्रॉनिक दस्तखत किए। समझौते का ऐलान भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह 5:30 बजे किया गया। यह तत्काल प्रभाव से लागू हो गया। इस समझौते के तहत ईरान और लेबनान में मिलिट्री एक्शन खत्म किया जाएगा। होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोला जाएगा और अमेरिका की नौसैनिक नाकेबंदी खत्म की जाएगी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी गुरुवार को इस समझौते पर मध्यस्थ के तौर पर दस्तखत किए। उन्होंने ङ्ग पर पोस्ट कर इसे 'इस्लामाबाद समझौता' बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पीस डील पर दस्तखत करते हुए। उनके बगल में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और पीछे अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो खड़े हैं।पीस डील पर साइन करने के बाद ट्रम्प ने हाथों से ऊपर-नीचे का इशारा किया। इस दौरान मैक्रों ताली बजाते नजर आए। फ्रांस में ट्रम्प के पीस डील पर साइन करने के बाद ईरानी राष्ट्रपति पजशकियान ने इस पर इलेक्ट्रॉनिक तरीके से दस्तखत किए।

यूक्रेन का रूस पर ड्रोन अटैक

एजेंसी ■ मॉस्को/कीव

यूक्रेन ने गुरुवार को रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, रातभर में करीब 1,000 ड्रोन और चार क्रूज मिसाइलों को मार गिराया गया। इनमें करीब 200 ड्रोन राजधानी मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा, 'हम यह युद्ध नहीं चाहते थे, लेकिन अगर यूक्रेन जलेगा तो मॉस्को भी जलेगा।'

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक हमले में दक्षिणी रोस्तोव क्षेत्र का एक ऑयल डिपो धमाके से तबाह हो गया। यहां मौजूद एक व्यक्ति की मौत हो गई। मॉस्को की कपोतन्या ऑयल रिफाइनरी पर भी हमला हुआ। विस्फोट के बाद ऑयल डिपो टैंक का ढक्कन कई मीटर ऊपर उछल गया और आसमान में काले धुएं के गुबार छा गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पास के एक शॉपिंग सेंटर में भी आग लग गई।

जेलेंस्की बोले- हमने रूस के हमले का जवाब दिया

जेलेंस्की ने मॉस्को पर हमले को पिछले हफ्ते कीव पर रूस की कार्रवाई का जवाब बताया। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी सेना ने उन ठिकानों को निशाना बनाया, जो रूस के युद्ध अभियान को सहारा दे रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि अब समय आ गया है कि रूस युद्ध खत्म करने के लिए कूटनीतिक रास्ता अपनाए। उन्होंने यूक्रेन की विभिन्न सैन्य और खुफिया एजेंसियों की कार्रवाई की तारीफ भी की। हमले के समय रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन कजान में दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के नेताओं के साथ शिखर बैठक में मौजूद थे। उन्होंने यूक्रेन के इस हमले पर अभी तक कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ड्रोन का मलबा गिरने से कुछ रिहायशी और व्यावसायिक इमारतों को नुकसान पहुंचा। कई ऊंची इमारतों को खाली कराया गया। हमले के बाद मॉस्को के हवाई अड्डों पर कुछ समय के लिए उड़ानों पर रोक लगाई गई।

'छात्रों की गूंज' अभियान में राहुल गांधी ने छात्रों से मांगे सुझाव

एजेंसी ■ नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर एक नया अभियान शुरू किया है। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए युवाओं और छात्रों से 'छात्रों की गूंज' अभियान से जुड़ने की अपील की। राहुल गांधी ने 'एक्स' पोस्ट में उन छात्रों को संबोधित किया, जिन्होंने पेपर लीक, परीक्षाओं में धांधली या बढ़ती फीस जैसी समस्याओं का सामना किया है।

उन्होंने 'एक्स' पोस्ट के जरिए कहा कि यदि किसी छात्र के सपने इस व्यवस्था की वजह से टूटे हैं या उनके परिवार ने पढ़ाई के लिए अपनी जीवनभर की कमाई लगा दी है, तो 'छात्रों की गूंज' उनकी आवाज बनने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि छात्रों की मांगों को सरकार तक पहुंचाने का एक माध्यम है। राहुल गांधी के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य छात्रों के लिए सस्ती शिक्षा, निष्पक्ष परीक्षाएं और सम्मानजनक रोजगार सुनिश्चित करने की मांग को मजबूती देना है।

अपने 'एक्स' पोस्ट में राहुल गांधी ने छात्रों से इस अभियान में हिस्सा लेने की अपील करते हुए बताया कि इसमें जुड़ने में केवल 30 सेकंड का समय लगेगा।

भारत और यूरोप के टेक इकोसिस्टम को करीब लाने में फ्रांस निभा रहा ब्रिज की भूमिका : पीएम मोदी

एजेंसी ■ पेरिस/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को यूरोप के सबसे बड़े टेक इवेंट वीवाटेक के 10वें संस्करण को संबोधित करते हुए कहा कि इस साल 'इंडिया-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन' की शुरुआत के साथ, फ्रांस, भारत और यूरोप के टेक इको-सिस्टम को एक-दूसरे के करीब लाने में ब्रिज की भूमिका निभा रहा है।

संबोधन में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को वीवाटेक इवेंटी की सफलता की बधाई देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 2026 भारत और यूरोप दोनों के लिए एक विशेष वर्ष साबित हुआ है। इस साल की शुरुआत में हमने ऐतिहासिक भारत ईयू फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किया।

यह समझौता हमारे व्यापार और निवेश को बढ़ाएगा। साथ ही, यह टैलेंट, टेक्नोलॉजी और टूरिज्म के आदान-प्रदान के लिए कई रास्ते खोलेगा।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि 2021 में, जब मैंने वीवाटेक में आया था, तो दुनिया कोविड-19 की वजह से आई उथल-पुथल का सामना कर रही थी। आज, दुनिया दूसरी तरह की उथल-पुथल का सामना कर रही है और मैं वही बात फिर से दोहराता हूं जो मैंने तब वीवाटेक 2021 में कही थी, जहां पारंपरिक तरीके काम नहीं आते, वहां इनोवेशन मदद कर सकता है।

संबोधन में पीएम मोदी ने बताया कि पिछले दशक में भारत तेजी से बदला है और इस बदलाव के पीछे टेक्नोलॉजी का बड़ा हाथ है। दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल पहचान सिस्टम बनाने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म बनाने तक, हम वित्तीय समावेशन, शिक्षा, टेलीमेडिसिन, खेती और कई अन्य क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहे हैं।

उन्होंने डिजिटल पेमेंट का उदाहरण देते हुए कहा कि हमारे यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस की वजह से, आज दुनिया के आधे रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन भारत में होते हैं। अब आप फ्रांस में भी यूपीआई का इस्तेमाल कर सकते हैं जैसे कि एफिल टॉवर या पेरिस एयरपोर्ट पर।

हमारे पास ऐसे कई वर्ल्ड-क्लास डिजिटल पब्लिक गुड्स के उदाहरण हैं। डिजीलॉकर दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल डॉक्यूमेंट वॉलेट में से एक है। डिजीलॉकर के जरिए, 70 करोड़ यूजर्स कभी भी और कहीं भी ओरिजिनल सोर्स से असली डॉक्यूमेंट्स तक पहुंच सकते हैं। हमने डिजीलॉकर प्लेटफॉर्म पर 2,000 से ज्यादा स्टैंडर्ड डॉक्यूमेंट्स को शामिल किया है। अब हमें भारत में ड्राइविंग लाइसेंस या गाड़ी के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट जैसे फिजिकल डॉक्यूमेंट्स को स्टोर करने और उन्हें खोजने की जरूरत नहीं है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि दो लाख से अधिक स्टार्ट-अप्स के साथ, भारत दुनिया के सबसे जीवंत इको-सिस्टम में से एक है।

मुख्यमंत्री साय के निवास में देर रात मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक

प्रदेश में कानून और सुरक्षा पर हुई चर्चा

संवाददाता ■ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार की देर रात सभी मंत्रियों को 9 बजे मुख्यमंत्री निवास पर बुलाया । अचानक मिले बुलावे से कई मंत्री अपने कार्यक्रम रद्द कर रायपुर पहुचें और बैठक में शामिल हुए । चर्चा है कि ये बैठक कोरिया में हुई भाजपा नेता की हत्या और लॉ एंड ऑर्डर के मुद्दे को लेकर बुलाई गई ।

हालांकि, बैठक का आधिकारिक एजेंडा सार्वजनिक नहीं किया गया है। पिछले कई दिनों से मंत्रिमंडल में फेरबदल की भी चर्चा चल रही थी। ऐसे में मुख्यमंत्री की इस अचानक बुलाई गई बैठक को लेकर कई तरह के सियासी कयास लगाए जा रहे हैं।

बताया जा रहा है कि कुछ मंत्री दिनभर अपने प्रभार वाले जिलों और सरकारी कार्यक्रमों में व्यस्त थे, लेकिन देर शाम उन्हें तत्काल रायपुर पहुंचने के निर्देश मिले। निर्देश मिलते ही मंत्री राजेश अग्रवाल सरगुजा से रायपुर पहुंचे ।वहीं मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एमसीबी में आयोजित कार्यक्रम को बीच में छोड़कर रायपुर पहुंचे हैं।

झारखंड राज्यसभा चुनाव : एनडीए समर्थित परिमल नाथवानी को मिली जीत

झारखंड मुक्ति मोर्चा के उम्मीदवार बैजनाथ भी जीते

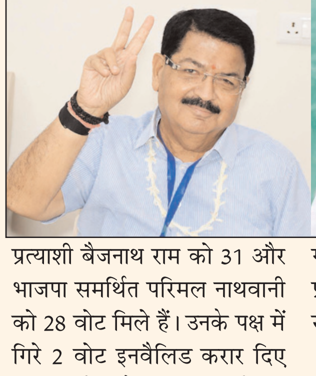

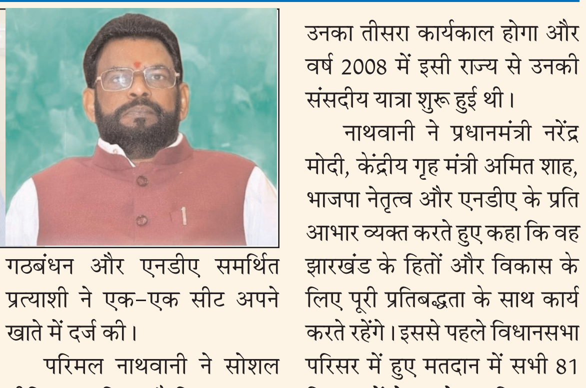

एजेंसी ■ रांची

झारखंड से राज्यसभा की दो सीटों के लिए हुए चुनाव के नतीजे सामने आ गए हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उम्मीदवार बैजनाथ राम और एनडीए समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी को जीत हासिल हुई है, वहीं कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार प्रणव झा को पराजय का सामना करना पड़ा।

आधिकारिक तौर पर परिणाम की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन परिमल नाथवानी ने सोशल मीडिया पर अपनी जीत की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित एनडीए और भाजपा का आभार जताया है।

मतगणना के अनुसार, झामुमो प्रत्याशी बैजनाथ राम को 31 और भाजपा समर्थित परिमल नाथवानी को 28 वोट मिले हैं। उनके पक्ष में गिरे 2 वोट इनवैलिड करार दिए गए। कांग्रेस के प्रणव झा को 21 वोट मिले हैं। उनके पक्ष में किया गया एक वोट कैंसिल किया गया है। इस तरह राज्यसभा की दोनों सीटों पर मुकाबला कर रहे इंडिया गठबंधन और एनडीए समर्थित प्रत्याशी ने एक-एक सीट अपने खाते में दर्ज की।

परिमल नाथवानी ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि राज्यसभा सदस्य के रूप में चौथी बार सेवा करने का अवसर मिलना उनके लिए गौरव और जिम्मेदारी का विषय है। उन्होंने कहा कि झारखंड से यह उनका तीसरा कार्यकाल होगा और वर्ष 2008 में इसी राज्य से उनकी संसदीय यात्रा शुरू हुई थी।

नाथवानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा नेतृत्व और एनडीए के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह झारखंड के हितों और विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे। इससे पहले विधानसभा परिसर में हुए मतदान में सभी 81 विधायकों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत सत्ता पक्ष और विपक्ष के सभी प्रमुख नेताओं ने मतदान किया। दिन का अंतिम वोट झामुमो नेता एवं मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने डाला। मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने के बाद देर शाम मतगणना शुरू हुई और परिणाम घोषित किए गए। राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक हलकों में खास दिलचस्पी थी।

इंडिया गठबंधन ने झामुमो के बैजनाथ राम और कांग्रेस के प्रणव झा को मैदान में उतारा था। जबकि एनडीए समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर परिमल नाथवानी चुनाव लड़ रहे थे। मतदान से पहले दोनों खेमों ने अपने-अपने विधायकों को एकजुट रखने के लिए बैठकें और रणनीतिक कवायद भी की थी।

अमेरिकी राजदूत गोर की केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात

आतंकवाद और नशीले पदार्थों समेत कई मुद्दों पर हुई चर्चा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने गुरुवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, नशीले पदार्थों और गैर कानूनी ड्रग्स से बचाने समेत सीमा सुरक्षा जैसे अन्य मुद्दों पर बातचीत की।

अमेरिकी राजदूत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'गृह मंत्री अमित शाह के साथ बहुत अच्छी मीटिंग हुई। आतंकवाद से लड़ने, अपने लोगों को नशीले पदार्थों और गैर-कानूनी ड्रग्स से बचाने, अपनी सीमा को सुरक्षित करने और दोनों देशों में मिलकर अपराधियों को सजा दिलाने के लिए मिलकर काम करने पर हमारी अच्छी चर्चा हुई। बता दें, फ्रांस में जी-7 सम्मेलन से इतर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की द्विपक्षीय बैठक के बाद गोर ने गृह मंत्री शाह से मुलाकात की है। गोर गुरुवार को फ्रांस से भारत लौटे हैं।

पीएम मोदी और ट्रंप की मुलाकात को लेकर अमेरिकी राजदूत ने लिखा, 'राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच एक बहुत ही फायदेमंद द्विपक्षीय मीटिंग हुई। दोनों नेताओं ने जी7 समिट के दौरान व्यापार क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक साझेदारी को गहरा करने पर अहम बातचीत की। बता दें, प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापार, ऊर्जा, रक्षा, तकनीक और दोनों देशों के नागरिकों के आपसी संबंधों में हो रही निरंतर प्रगति की समीक्षा की।

संक्षिप्त खबरें

पार्टियों को तोड़ने की राजनीति लोकतंत्र के लिए घातक : कांग्रेस एमएलसी भाई जगताप

विश्व केसरी

मुंबई। महाराष्ट्र में कथित 'ऑपरेशन टाइगर' को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस एमएलसी भाई जगताप ने गुरुवार को इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए आरोप लगाया कि देश में राजनीतिक दलों को कमजोर करने और तोड़ने की कोशिशें लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरनाक हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और सांसदों पर दबाव बनाए जाने, उन्हें डराने-धमकाने और राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल किए जाने जैसी बातें सामने आ रही हैं, जो चिंताजनक हैं। आईएएनएस से बातचीत के दौरान भाई जगताप ने कहा कि उन्हें ऑपरेशन टाइगर की पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि कुछ सांसदों को कथित तौर पर प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। ऐसी चर्चाएं हैं कि कुछ जनप्रतिनिधियों पर दबाव बनाया गया, उन्हें डराया-धमकाया गया और राजनीतिक व आर्थिक ताकत का इस्तेमाल कर उनके फैसलों को प्रभावित करने का प्रयास किया गया। जगताप ने कहा कि अगर किसी राजनीतिक दल को तोड़ने या खत्म करने के लिए इस तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए बेहद घातक साबित हो सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि देश में बहुमत वाली सरकार पर भी इस तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया में ऐसी खबरें भी सामने आई हैं कि कथित तौर पर एडवांस भुगतान किए जाने जैसी बातें कही जा रही हैं।

कोलकाता : आरजी कर मामले में सीबीआई के सामने हुए पेश हुए पूर्व टीएमसी विधायक

विश्व केसरी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पूर्व विधायक निर्मल घोष गुरुवार को आरजी कर दुष्कर्म और हत्या केस के सिलसिले में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) के दफ्तर पहुंचे। अगस्त 2024 में आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में एक जूनियर महिला डॉक्टर की दुष्कर्म और हत्या की जांच में सीबीआई फिर से एक्टिव हो गई है। बुधवार को अधिकारी पानीहाटी के उस श्मशान घाट गए, जहां मृतका का अंतिम संस्कार किया गया था। इस बार, जांच अधिकारियों ने पूछताछ के लिए इलाके के पूर्व विधायक को बुलाया। दरअसल, मृतक डॉक्टर की मां अब पानीहाटी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक हैं। उन्होंने हाल ही में राज्य विधानसभा चुनाव जीता है। यह शुरू से ही जांच पर सवाल उठाती रही हैं। आरोपों में सबूत मिटाना, लापरवाही और घटना को छिपाने की कोशिशें शामिल हैं। परिवार का आरोप है कि पीड़िता के शव का दूसरा पोस्टमार्टम नहीं होने दिया गया और उन्हें कोई भी कागजात सौंपे बिना जल्दबाजी में शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। इन आरोपों को देखते हुए, पीड़िता के परिवार ने तत्कालीन विधायक निर्मल घोष समेत तीन लोगों की गिरफ्तारी की मांग की। पिछले महीने, पीड़िता के माता-पिता ने इस मामले को लेकर सियालदह कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाल ही में, केंद्रीय अधिकारियों ने आरजी कर मामले में अपनी जांच तेज कर दी है।

जो जुड़ता है उसको भाजपा रोकती नहीं और जो टूटता है उसे टोकती नहीं: मुख्तार अब्बास नकवी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात, कांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के कोटा दौरे, विपक्षी सांसदों के भाजपा में शामिल होने के दावों और धार्मिक रीति-रिवाजों पर टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के कोटा दौरे पर भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, 'मैंने कोटा में भी वही चीज देखी। वहां लाइट-एंड-साउंड शो हो रहा था और प्रजेंटेशन के दौरान मैंने देखा कि वहां इलेक्ट्रॉनिक आतिशबाजी जैसी चीजें थीं।' 'जेन जी' के लिए हीरो बनने की इस चाहत और सोच के पीछे सिर्फ एक ही वजह है, अभी कॉकरोच और कांग्रेस के बीच इस बात की होड़ मची है कि कौन खुद को देश का सबसे बड़ा क्रांतिकारी साबित कर सकता है। इस मुकाबले में लाइट-एंड-साउंड शो दिखाई पड़ेगा और मनोरंजन की महफिल दिखाई देंगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करने पर मुख्तार अब्बास नकवी ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'जिन लोगों ने उनके प्रभाव और कद को कम करने की कोशिश की, वे खुद ही धूल में मिल गए। मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि जो तूफानों के बीच भी आगे बढ़ते रहते हैं, वही दुनिया बदलते हैं। संकट और संकट के दौर में भारत ने खुद को मजबूत अर्थव्यवस्था के साथ-साथ स्थायी और योग्य सरकार के नजरिया को दुनिया के सामने रखा है। इस बात को पूरी दुनिया भारत के नेतृत्व स्वीकार कर रहा है।

विकास और पारंपरिक मूल्यों का संतुलन ही सशक्त एवं समृद्ध समाज का आधार : राष्ट्रपति

विश्व केसरी

बैतूल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गुरवार को मध्य प्रदेश के बैतूल में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'अध्यात्मिक जागृति द्वारा आदिवासी समाज का सशक्तीकरण' महासम्मेलन में शामिल हुईं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि उपभोग की संस्कृति पर आधारित आज की तेज भागती दुनिया में समाज के हर वर्ग की अध्यात्मिक शुचिता बहुत महत्वपूर्ण हो गई है। इसी के बल पर दीर्घकालिक रूप से समता-परक आचरण-पद्धति और प्राकृतिक संपदाओं के प्रति संवेदनशील जीवन-शैली विकसित की जा सकती है। आज के तनाव और युद्ध से त्रस्त विश्व में इसकी आवश्यकता अतीत के किसी भी काल-खंड की तुलना में और अधिक हो गई है। ऐसे परिदृश्य में 'अध्यात्मिक जागृति द्वारा आदिवासी समाज का सशक्तीकरण' जैसे महासम्मेलनों का महत्व और भी बढ़ जाता है।

उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय की जीवनशैली सहज रूप से ही अध्यात्म की मूलभूत प्रेरणाओं के निकट होती है। प्राकृतिक सम्पदाओं से जुड़ाव उनकी वह सहज शक्ति है जो सर्व-मंगलकारी सोच और कार्यनीति को जीवन के हर आयाम में सामने लाती है। उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि इस दृष्टि से ब्रह्माकुमारी संस्थान देश के अनेक हिस्सों में जनजातीय समाज के साथ मिलकर लंबे समय से अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय जीवन दृष्टि के अनुसार कार्यरत प्रत्येक संस्था को इस बात का सदैव ध्यान रखना चाहिए कि समाज के किसी भी वर्ग का सशक्तिकरण केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं हो सकता। वास्तविक सशक्तीकरण तब होता है जब व्यक्ति आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और जागरूकता के बल पर सामाजिक दायित्वबोध के साथ अपने कार्यक्षेत्र में सक्रिय होता है। आध्यात्मिक जागृति व्यक्ति को उसकी आंतरिक शक्तियों का अनुभव कराती है और साथ ही, उसे सकारात्मक सोच और जीवन के उच्च उद्देश्यों से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि विकास और पारम्परिक मूल्यों, दोनों का संतुलन ही एक सशक्त एवं समृद्ध समाज का आधार है। सार्थक विकास वह है जो हमारी जड़ों और जीवन मूल्यों से पोषण भी ग्रहण करे तथा उन जड़ों को मजबूत भी बनाए। हम जब ऐसी समग्र दृष्टि से काम करेंगे तभी समाज में समसरता और समता की प्रबल धारा प्रवाहित होगी। तभी हम समावेशी विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर सकेंगे। राष्ट्रपति ने सभी से आग्रह किया कि सब मिलकर वर्ष 2047 तक एक ऐसे विकसित भारत के निर्माण के लिए अधिक प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें, जहां अध्यात्म, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और मानव-कल्याण हमारे समावेशी विकास की आधारशिला बनें।

जिज्ञासा से नवाचार तक बेटियों को नई उड़ान आईआईटी गांधीनगर पहुंचेंगी उत्तर प्रदेश की बालिकाएं

विश्व केसरी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार बालिकाओं को केवल विद्यालयी शिक्षा तक सीमित नहीं रख रही, बल्कि उन्हें देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों, वैज्ञानिक नवाचारों और आधुनिक अधिगम के अवसरों से भी जोड़ रही है।

इसी क्रम में, आईआईटी गांधीनगर, गुजरात द्वारा संचालित क्यूरियोसिटी प्रोग्राम 2026-27 के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन सेशन में उत्तर प्रदेश के दो कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का चयन किया गया है। यह उपलब्धि न केवल इन विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता का प्रमाण है, बल्कि योगी सरकार द्वारा बालिका शिक्षा को नए अवसरों और राष्ट्रीय मंचों से जोड़ने के प्रयासों की भी पुष्टि करती है।

विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, 13 जुलाई से 15 जुलाई तक आयोजित होने वाले इस विशेष ओरिएंटेशन कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कौड़िहार-1, प्रयागराज तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय लोनी (नगर पालिका), गाजियाबाद, की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम में चयनित प्रत्येक विद्यालय से दो छात्राएं और एक शिक्षिका भाग लेंगी। छात्राओं को देश के प्रमुख तकनीकी संस्थानों में सीखने और समझने का अवसर प्राप्त होगा।

सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को बालिका सशक्तिकरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रभावी केंद्रों के रूप में विकसित कर रही है। डिजिटल शिक्षण, नवाचार आधारित गतिविधियों, विज्ञान एवं गणित कार्यक्रमों तथा राष्ट्रीय संस्थानों से जुड़ाव जैसी पहलों का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश की बेटियां देश के प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुंच रही हैं। प्रयागराज और गाजियाबाद की छात्राओं का आईआईटी गांधीनगर में चयन इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश की बालिकाएं अब अवसरों की मुख्यधारा में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही हैं और भविष्य के वैज्ञानिक, शोधकर्ता तथा नवप्रवर्तक बनने की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं।

नोएडा में चोरी की बाइक के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-20 थाने की पुलिस ने चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन युवकों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल और एक अवैध चाकू बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 17 जून को सेक्टर-20 थाने की पुलिस ने स्थानीय खुफिया सूचना और गोपनीय सूचना के आधार पर सेक्टर-28 क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान पुलिस टीम ने तीन संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ और तलाशी के दौरान उनके कब्जे से ग्राम अट्टा क्षेत्र से चोरी की गई एक मोटरसाइकिल बरामद हुई।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अरबाज पुत्र इमरान, निवासी ग्राम छलेरा थाना सेक्टर-39, गौतमबुद्धनगर, उम्र 18 वर्ष; मयंक पुत्र दिगंबर सिंह, निवासी बरौला थाना सेक्टर-49, गौतमबुद्धनगर, उम्र 18 वर्ष; तथा मनीष पुत्र मदनलाल अनुरागी, निवासी सदरपुर सेक्टर-45, गौतमबुद्धनगर, उम्र 20 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस जांच के दौरान आरोपी मनीष के कब्जे से एक अवैध चाकू भी बरामद किया गया। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ चोरी और अवैध शस्त्र रखने से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है।

विधान परिषद चुनाव में क्रॉस वोटिंग की आशंकाओं को शिवकुमार ने किया खारिज

विश्व केसरी

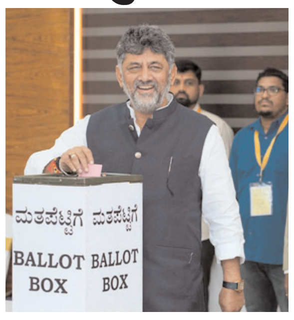

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने गुरुवार को विधान परिषद चुनाव में संभावित क्रॉस वोटिंग की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस ने इसके लिए कोई विशेष रणनीति नहीं बनाई है और उन्हें मतदान में हिस्सा लेने वाले विधायकों के विवेक पर पूरा भरोसा है।

बेंगलुरु स्थित विधान सौधा में मतदान करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में शिवकुमार ने कहा कि गुप्त मतदान प्रणाली होने के कारण क्रॉस वोटिंग को लेकर अभी से अटकलें लगाना उचित नहीं है।

उन्होंने कहा, 'हम क्रॉस वोटिंग में शामिल नहीं होना चाहते और न ही हमें इसके बारे में कोई जानकारी है। यह गुप्त मतदान वाला चुनाव है। शाम छह बजे तक इंतजार कीजिए, परिणाम सामने आ जाएगा। आखिर इसकी चिंता किसे है?'

मुख्यमंत्री ने कहा कि वोट सुनिश्चित करने के लिए किसी विशेष रणनीति की जरूरत नहीं है। उनके अनुसार सभी विधायक जनता के चुने हुए समझदार प्रतिनिधि हैं और उन्होंने अपनी प्राथमिकता तथा विवेक के आधार पर मतदान किया होगा। शिवकुमार ने बताया कि उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर उस समय तक मतदान नहीं कर पाए थे, लेकिन उनके जल्द पहुंचने की उम्मीद थी। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों से वह विधायकों के साथ बैठकें कर रहे थे, लेकिन इसका उद्देश्य राजनीतिक प्रबंधन नहीं बल्कि मतदान प्रक्रिया को सही तरीके से समझाना था।

उन्होंने कहा कि वरीयता आधारित मतदान प्रणाली काफी जटिल है और इस बार करीब 60 से 70 विधायक पहली बार चुने गए हैं। ऐसे में छोटी सी गलती भी मतपत्र को अमान्य बना सकती है। उन्होंने स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनावों का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रक्रिया संबंधी त्रुटियों के कारण वहां अक्सर बड़ी संख्या में मत अमान्य घोषित हो जाते हैं।

टेलीग्राम बैन पर दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला सुरक्षित, कहा- प्रोसीजर और इमरजेंसी पावर के इस्तेमाल की होगी समीक्षा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) से पहले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। टेलीग्राम की ओर से दाखिल याचिका पर जस्टिस तेजस कारिया की बेंच ने सुनवाई की। सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली रिव्यू कमेटी ने टेलीग्राम के अधिकारियों की बात सुनी है और उनकी दलीलों को रिकॉर्ड पर लिया गया है।

टेलीग्राम की ओर से अदालत में कहा गया कि कानून इस तरह के भेद का प्रावधान नहीं करता। इस पर कोर्ट ने कहा, 'टेलीग्राम की दलील सीधी है कि यदि आधार ही खत्म हो जाता है, तो उसके आधार पर पारित आदेश भी नहीं टिक सकता। हम अंतिम आदेश पर भी विचार करेंगे, इसलिए दोनों पहलुओं पर बहस करना बेहतर होगा।' टेलीग्राम ने केंद्र सरकार के आदेश को कानूनी खामियों से ग्रस्त बताते हुए कहा कि समिति ने सर्वसम्मति से अंतिम निर्देश की पुष्टि करने की सिफारिश की थी।

आंतरिक सुरक्षा और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए आरआरयू और पश्चिम बंगाल पुलिस के बीच समझौता

विश्व केसरी

कोलकाता। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) और पश्चिम बंगाल पुलिस ने आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में पेशेवर प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और परिचालन दक्षता को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

कोलकाता में आयोजित कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी, आरआरयू के प्रो-वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) कल्पेश वांद्रा, आरआरयू की डीन (अकादमिक) डॉ. जसबीर कौर ठडानी और पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सिद्ध नाथ गुप्ता की उपस्थिति में इस समझौते को औपचारिक रूप दिया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग और विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। इस समझौते का उद्देश्य बदलती सुरक्षा चुनौतियों के अनुरूप पुलिसकर्मियों के कौशल उन्नयन (अपस्किलिंग) और पुनः कौशल विकास (रीस्किलिंग) के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम, शैक्षणिक संसाधन और संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि पुलिस व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए निरंतर पेशेवर विकास और संस्थागत सहयोग बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आंतरिक सुरक्षा खतरों की बदलती प्रकृति को देखते हुए क्षमता निर्माण के लिए एक सुव्यवस्थित और दूरदर्शी रणनीति अपनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी से पुलिसकर्मियों को उन्नत शैक्षणिक संसाधनों, विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल और संस्थागत ढांचे का लाभ मिलेगा। साथ ही तकनीक आधारित पुलिसिंग को बढ़ावा देकर कार्यकुशलता, जवाबदेही और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता में सुधार होगा। आरआरयू के प्रो-वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) कल्पेश वांद्रा ने कहा कि राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में विश्वविद्यालय पुलिसिंग, आंतरिक सुरक्षा और आपराधिक न्याय व्यवस्था के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि आरआरयू देश के 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस इकाइयों के साथ सहयोग स्थापित कर चुका है और विभिन्न स्तरों पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम चला रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय के ट्री+सीआई फ्रेमवर्क (प्रशिक्षण, अनुसंधान, शिक्षा, विस्तार, परामर्श और नवाचार) का उल्लेख करते हुए कहा कि यही इसकी शैक्षणिक और पेशेवर गतिविधियों का आधार है।

रांची में संघ कार्यालय पर हमला : मुख्य आरोपी हवालात से भागा, मुठभेड़ में गोली लगने के बाद फिर गिरफ्तार

विश्व केसरी

रांची। रांची के निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के झारखंड प्रांत कार्यालय पर पेट्रोल बम से हमले के मामले ने गुरुवार को नया मोड़ ले लिया। हमले के आरोप में गिरफ्तार मुख्य आरोपी पुलिस हिरासत से फरार हो गया और बाद में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मुठभेड़ में घायल हमलावर का नाम सैफ बताया है।

पुलिस के अनुसार, आरएसएस कार्यालय पर पेट्रोल बम फेंकने के मामले में गिरफ्तार आरोपी को कोतवाली थाना परिसर के हवालात में रखा गया था। गुरुवार दोपहर वह पुलिस कस्टडी से फरार हो गया। इसके बाद पुलिस की टीमों ने उसका पीछा किया। मांडर क्षेत्र में आरोपी को घेरने की कोशिश के दौरान उसने कथित तौर पर एक पुलिसकर्मी का हथियार छीन लिया और फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी घायल हो गया। उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। चुटिया थाना क्षेत्र के निवारणपुर स्थित आरएसएस कार्यालय पर देर रात पेट्रोल बम से हमला किया गया था। सीसीटीवी फुटेज में दो युवक कार्यालय परिसर की ओर बम फेंकते दिखाई दिए थे। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और कार्यालय को भी बड़ा नुकसान नहीं पहुंचा था।

इस मामले में आरएसएस के झारखंड प्रांत प्रमुख नरसिंह कुमार की शिकायत पर चुटिया थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। एफआईआर में कहा गया है कि पेट्रोल बम फेंककर कार्यालय को निशाना बनाया गया और इससे वहां मौजूद लोगों की जान को खतरा उत्पन्न हुआ। शिकायत में इसे एक गंभीर साजिश बताते हुए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत कार्रवाई की मांग की गई थी।

महाराष्ट्र पुलिस की बड़ी सफलता, डकैती गिरोह के तीन आरोपियों पर कार्रवाई, लाखों का सामान बरामद

विश्व केसरी

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले के दौंड के गांवों में हुई कई डकैतियों की जांच के लिए पांच टीमें बनाई गई हैं। एसपी संदीप सिंह गिल ने बताया कि 10 जून को दौंड पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट मिली कि एक ही रात में अलग-अलग गांवों में पांच डकैती की घटनाओं को अंजाम दिया गया।

इन घटनाओं में अपराधी हथियार से लैस होकर आए, जहां उन्होंने लोगों के साथ मारपीट करने की और रुपए-गहने की डकैती की। डकैतों ने लोगों से मोटरसाइकिल, मोबाइल और अन्य कीमती सामानों की भी लूट की। एसपी संदीप सिंह गिल ने बताया कि अपराधियों ने पांचवीं डकैती की घटना अहिल्यानगर में जाकर की। घटना की जानकारी मिलने के बाद इन डकैती के खिलाफ कार्रवाई के लिए 5 टीमों का गठन किया गया, जिन्होंने महज तीन दिनों के अंदर डकैती कांड में शामिल 4 अभियुक्तों की पहचान की और 3 लोगों को पकड़ लिया, जिसमें एक नाबालिग है। वहीं, पुलिस अन्य अपराधियों की तलाश में लगातार जांच में जुटी है।

एसपी गिल ने अपराधियों की पहचान बताते हुए कहा कि गिरफ्तार आरोपियों में अहिल्यानगर का रहने वाला गणेश मंगेश काले (22 वर्ष), विशाल (21 वर्ष) और किशोर भोसले (19 वर्ष) शामिल हैं। जबकि, एक किशोर (16 वर्ष) को भी पकड़ा गया है। उन्होंने बताया कि छापेमारी के दौरान सभी के पास से पुलिस ने 17 तोला सोना, 350 ग्राम चांदी, मोबाइल, मोटरसाइकिल आदि मिलाकर 25 से 30 लाख के सामान बरामद किए हैं। एसपी ने आगे बताया कि इन अपराधियों के खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

मानवता को शांति, अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं भगवान महावीर के विचार : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

अहिंसा, करुणा, सत्य और आत्मसंयम के संदेश की आज पूरे विश्व को आवश्यकता : सीएम साय

विश्व केसरी

रायपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं मुख्यमंत्री शिवष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित आचार्य पदारोहण एवं सहस्त्रावधान तपस्या महोत्सव में शामिल हुए। दोनों अतिथियों ने जैन मुनियों का आशीर्वाद प्राप्त कर आचार्य पद पर प्रतिष्ठित हो रहे पूज्य विनयकुशल मुनि महाराज को नमन किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आचार्य पद केवल एक पद नहीं, बल्कि तप, त्याग, ज्ञान और समाज को दिशा देने वाली साधना का सर्वोच्च प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर और जैन दर्शन के सिद्धांत आज भी मानवता को शांति, आत्मसंयम, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं। वर्तमान समय में जब विश्व तनाव और संघर्षों से जूझ रहा है, तब जैन दर्शन की शिक्षाएं और अधिक प्रासंगिक हो गई हैं।

बिरला ने कहा कि पूज्य विनयकुशल मुनि महाराज का आचार्य पदारोहण संपूर्ण जैन समाज के लिए गौरव का क्षण है। वहीं शतावधानी हंसभद्र मुनि महाराज ने अपनी विलक्षण स्मरणशक्ति, ज्ञान और साधना के बल पर देशभर में विशेष पहचान बनाई है। उनके तप और साधना से समाज को नई दिशा मिल रही है।

उन्होंने कहा कि भौतिक संसाधन केवल सुविधाएं प्रदान कर सकते हैं, लेकिन जीवन का वास्तविक सुख आत्मनियंत्रण, आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक साधना से प्राप्त होता है। जैन संतों का तपस्वी जीवन समाज को प्रेरणा देता है और मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने सभी जैन संतों, साध्वियों और श्रद्धालुओं को नमन करते हुए महोत्सव के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर पहली बार आयोजित हो रहा यह आचार्य पदारोहण महोत्सव प्रदेश के लिए गौरव और सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि श्रद्धा, साधना और संस्कृति का यह विराट आयोजन पूरे प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक अवसर बन गया है। मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न राज्यों से आए संत-साध्वियों, श्रद्धालुओं एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज छत्तीसगढ़ धन्य हुआ है और इस आयोजन से पूरे प्रदेश में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूज्य विनयकुशल मुनि महाराज का आचार्य पद पर पदारोहण उनके ज्ञान, तप, संयम, साधना और समाज के प्रति समर्पित जीवन का सम्मान है। उन्होंने 14 वर्षीय बाल मुनि शतावधानी हंसभद्रमुनि जी महाराज को भी नमन करते हुए कहा कि इतनी कम आयु में उनकी अद्भुत स्मरणशक्ति, एकाग्रता और ज्ञान-साधना सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। एक साथ हजार प्रश्नों को स्मरण रखना और उनका क्रमवार उत्तर देना असाधारण उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज रायपुर का यह इंडोर स्टेडियम ज्ञान, साधना और अध्यात्म का तीर्थस्थल प्रतीत हो रहा है। जैन संतों ने सदैव अहिंसा, करुणा, सत्य और आत्मसंयम का संदेश दिया है, जिसकी आज पूरे विश्व को आवश्यकता है।

बिना उड़न दस्ता पं. रविवि की चल रही परीक्षाएं

कुलपति का दावा नकल रोकने के लिए एक स्क्वाड गठित

विश्व केसरी

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालय में सेमेस्टर की परीक्षाएं तमाम संकाय की चल रही है। इन परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए इस बार उड़न दस्ता दल का गठन नहीं किया गया है, ऐसा सूत्र बताते हैं, जबकि कुलपति पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय डॉ सच्चिदानंद शुक्ला का दावा है कि विश्वविद्यालय स्तर की परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए एक स्क्वाड गठित किया गया है। उनका कहना है कि छत्तीसगढ़ के अंदर नकल की प्रवृत्ति नहीं है। यही वजह है कि अधिक संख्या में मामले सामने नहीं आते हैं।

उन्होंने बताया कि संख्याओं को देखते हुए एक स्क्वाड परीक्षा में मजबूती रखने के लिए गठित का सुनिश्चित किया गया है, जो विभिन्न परीक्षा केंद्र में दौरेकर निरीक्षण की कार्रवाई कर रहा है। दूसरी तरफ सूत्रधार का कहना है कि निरंतर रायपुर जिले के सभी परीक्षा केंद्र में नकल के प्रकरण निरंतर सामने आ रहे हैं विश्वविद्यालय में परीक्षा के बंडल के साथ आने वाले यूएफएम के प्रकरणों को देखा जाए तो यह स्पष्ट है कि नकल की चर्चाएं चल रही हैं। हालांकि विश्वविद्यालय के कुलपति मानने से इनकार करते हैं। उन्होंने बताया कि सेमेस्टर की परीक्षाओं के अंदर संबद्ध महाविद्यालय में लगभग 60000 परीक्षार्थी विभिन्न संकायों में प्रतिदिन परीक्षा में शामिल हो रहे हैं, लेकिन चीटिंग की सूचनाओं किसी भी केंद्र से नहीं सामने आए पाई है। विश्वविद्यालय के एक गोपनीय सूत्र ने बताया है कि विश्वविद्यालय परीक्षा के बंडल में यूएफएम के बंडल भी शामिल होते हैं। इसका मतलब है कि नकल चल रही है। वहीं 60000 परीक्षार्थी के पीछे एक स्क्वाड भी चुनौती भरा व्यवस्था का सवाल है, जो विश्वविद्यालय के कुलपति की नजर में ठीक-ठाक लगता है अब बात कर लेते हैं।

परीक्षा केंद्र मे प्रबंधन के द्वारा इंटरनल स्क्वाड बनाया गया है, जो नकल रोकने के लिए बनाया गया है। साफ है कि विश्वविद्यालय प्रबंधन के साथ प्राचार्य की हुई बैठक में यह तय हुआ कि परीक्षा केंद्र ही नकल रोकने के लिए तैयारी रखेंगे विश्वविद्यालय के सूत्रधार के मुताबिक पूर्व में नकल रोकने के लिए विश्वविद्यालय स्तर की परीक्षा में चार स्क्वाड बनाए जाते रहे तो इस बार परिस्थिति में क्या बदलाव आए हैं, जो एक स्क्वाड बनाया गया। सूत्रधार का कहना है कि फंड को लेकर नकल रोधी दस्ते का गठन नहीं किया गया है, ताकि खर्च को रोका जा सके। ऐसे में नकल तो चल रही है और इंटरनल स्क्वाड मामले को दबाने में लगे हुए हैं या फिर यह कहे कि परीक्षा केंद्र में मनमानी हो रही है, जिसकी भनक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर शुक्ला को नहीं लग पा रही है । आकस्मिक चेकिंग से कई सारे मामले खुल सकते हैं राजधानी रायपुर और उनके आसपास के परीक्षा केंद्र में व्यवस्था जांच की जाए तो स्थिति स्पष्ट हो जाएगी । फिलहाल यह एक बड़ा सवाल है कि विश्वविद्यालय स्तर की परीक्षा में बिना नकल रोधी दस्ते के संचालन हो रहा है।

भूपेश बघेल चैट विवाद

फर्जी स्क्रीनशॉट फैलाने पर 2 यूट्यूबर पर एफआईआर

भिलाई। महादेव सट्टा ऐप से जुड़े भूपेश बघेल के नाम पर वायरल फर्जी इंस्टाग्राम चैट मामले में पुलिस ने दो यूट्यूबर्स पर केस दर्ज कर लिया है। बुधवार को बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता भिलाई-3 थाने पहुंचे और सख्त कार्रवाई की मांग की। दरअसल सोशल मीडिया पर एक स्क्रीनशॉट वायरल हुआ। दावा था कि महादेव बेटिंग ऐप संचालक सौरभ चंद्राकर के कथित इंस्टा अकाउंट और भूपेश बघेल के नाम वाले यूजर नेम के बीच बात हुई है। चैट में लिखा था — 'नंबर भेजो अपना, बात करना चाहते हैं।' इसे आधार बनाकर कुछ यूट्यूब चैनलों ने खबरें चला दीं। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने इसे पूरी तरह फर्जी बताया। अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया पर लिखा कि सुबह से फोटोशॉप की गई फर्जी तस्वीरों से भ्रम फैलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उस यूजरनेम से उनकी कोई बातचीत नहीं हुई।

पत्रकारों की हाउसिंग सोसायटी में कथित वित्तीय अनियमितताओं का विवाद गहराया

उपाध्यक्ष सुनीता तिवारी के इस्तीफे से मचा हड़कंप, एफआईआर की तैयारी

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी पत्रकार गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित में कथित वित्तीय अनियमितताओं और प्रशासनिक विवाद लगातार गहराता जा रहा है।

समिति की उपाध्यक्ष सुनीता तिवारी के इस्तीफे ने पूरे घटनाक्रम को नया मोड़ दे दिया है। अपने इस्तीफे में उन्होंने समिति के अध्यक्ष प्रेम पाठक की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं, जिसके बाद समिति के सदस्यों के बीच पारदर्शिता और वित्तीय जवाबदेही को लेकर बहस तेज हो गई है।

समिति के कई सदस्यों का आरोप है कि अध्यक्ष प्रेम पाठक ने अपने पूरे कार्यकाल के दौरान न केवल सामान्य सदस्यों बल्कि निदेशक मंडल (Board of Directors) को भी समिति के बैंक खातों का लेन-देन, बैंक स्टेटमेंट, आय-व्यय का विस्तृत विवरण तथा अन्य वित्तीय अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए। सदस्यों का कहना है कि बैंक खातों से संबंधित जानकारी बार-बार मांगे जाने के बावजूद उन्हें साझा नहीं किया गया। यही मुद्दा उपाध्यक्ष सुनीता तिवारी ने भी अपने इस्तीफे में प्रमुखता से उठाया है। उन्होंने अपने पत्र में वित्तीय पारदर्शिता के अभाव और बैंकिंग संबंधी सूचनाएं उपलब्ध नहीं कराए जाने पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई है।

सदस्यों का यह भी आरोप है कि बैंक संचालन से जुड़े कुछ निर्णय निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप नहीं लिए गए। विशेष रूप से बैंक हस्ताक्षरकर्ता (Bank Signatory) में कथित बदलाव को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि उपाध्यक्ष की जानकारी और सहमति के बिना उन्हें बैंक हस्ताक्षरकर्ता के पद से हटाकर किसी अन्य व्यक्ति को हस्ताक्षरकर्ता बना दिया गया, जबकि इसके लिए निदेशक मंडल का विधिवत प्रस्ताव आवश्यक होता है। सदस्यों का यह भी आरोप है कि अध्यक्ष प्रेम पाठक ने अपने चार वर्ष से अधिक के कार्यकाल में एक भी सामान्य सभा (General Body Meeting) आयोजित नहीं की। उनका कहना है कि इस संबंध में कई बार जवाब मांगा गया, लेकिन अध्यक्ष की ओर से कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया।

हाल ही में समिति के कई वरिष्ठ पत्रकार सदस्यों ने बैठक कर अध्यक्ष प्रेम पाठक की कार्यशैली पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए एक लिखित प्रस्ताव जारी किया। प्रस्ताव में समिति के सभी वित्तीय अभिलेख सार्वजनिक करने, विशेष ऑडिट तथा आवश्यकता पड़ने पर फॉरेंसिक ऑडिट कराने की मांग की गई है।

समिति के अधिकांश सदस्य उपाध्यक्ष सुनीता तिवारी के इस्तीफे को अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज मान रहे हैं। उनका कहना है कि इस्तीफे में लगाए गए आरोपों के बाद मामला अब पुलिस में एफआईआर दर्ज होने की दिशा में बढ़ता दिखाई दे रहा है। सुनीता तिवारी अपनी ईमानदार छवि और बेबाक तरीके से तथ्य रखने के लिए जानी जाती हैं।

समिति के कुछ वरिष्ठ सदस्यों का यह भी दावा है कि अध्यक्ष प्रेम पाठक लंबे समय तक सक्रिय पत्रकार के रूप में नहीं जाने जाते रहे। उनका आरोप है कि अध्यक्ष पद के लिए उनका चुनाव बंद कमरे में आयोजित बैठक में किया गया था, जिसकी जानकारी अधिकांश सदस्यों को कई दिनों बाद मिली। हालांकि, इन दावों और अन्य आरोपों पर अध्यक्ष प्रेम पाठक की ओर से सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। आरोपों की सत्यता का अंतिम निर्धारण सक्षम जांच और कानूनी प्रक्रिया के बाद ही होगा।

अधूरी नाली निर्माण से बढ़ी परेशानी, बरसात से पहले काम पूरा करने की मांग

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। भनपुरी स्थित रामेश्वर नगर में नाली निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार स्थानीय रहवासियों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। क्षेत्र में नाली निर्माण के लिए खुदाई तो कर दी गई है, लेकिन कार्य अधूरा होने के कारण गंदा पानी जमा हो रहा है और आसपास कचरा फैलने लगा है। मानसून की दस्तक से पहले निर्माण कार्य पूरा नहीं होने पर रहवासियों ने जलभराव और बीमारियों के खतरे को लेकर चिंता जताई है।

मौके पर नाली के दोनों ओर खुदाई से निकली मिट्टी का ढेर लगा हुआ है। कई जगहों पर पानी जमा होने से दुर्गंध फैल रही है और मच्छरों का प्रकोप बढ़ने लगा है। कुछ घरों तक पहुंचने के लिए लोगों को अस्थायी लकड़ी के पटियों का सहारा लेना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई सप्ताह पहले काम शुरू किया गया था, लेकिन अब तक निर्माण पूरा नहीं हो सका है।

नगर निगम द्वारा हर वर्ष मानसून पूर्व जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने और नालियों की सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया जाता है, ताकि बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति से बचा जा सके। इसके बावजूद रामेश्वर नगर में अधूरा निर्माण कार्य लोगों की चिंता बढ़ा रहा है।

रहवासियों ने जताई नाराजगी

स्थानीय निवासी किशनदास ने कहा, नाली निर्माण का काम शुरू हुए काफी समय हो गया, लेकिन अभी तक पूरा नहीं हुआ है। बरसात शुरू होते ही यहां पानी भरने की समस्या गंभीर हो सकती है। प्रशासन को तत्काल काम पूरा कराना चाहिए।

रीना प्रसाद ने बताया- घर के सामने गंदा पानी जमा है। बदबू और मच्छरों के कारण रहना मुश्किल हो रहा है। छोटे बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है।

मीना राजभर ने कहा- बारिश के दिनों में यह स्थिति और खराब हो जाएगी। यदि नाली समय पर नहीं बनी तो पूरे मोहल्ले में जलभराव की समस्या खड़ी हो सकती है।

उमेंद सोनी ने बताया - काम की गति बेहद धीमी है। कई बार संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन अभी तक निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया है। लोगों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है।

नगर निगम के संबंधित जोन अधिकारी ने बताया कि रामेश्वर नगर में नाली निर्माण कार्य प्रगति पर है। कुछ तकनीकी कारणों और निर्माण संबंधी बाधाओं के चलते कार्य में देरी हुई है। ठेकेदार को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं तथा बारिश के मुख्य दौर से पहले निर्माण कार्य पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार अधूरी नालियां और खुदाई वाले क्षेत्र बारिश के दौरान जलभराव, संक्रमण और सड़क क्षति का कारण बन सकते हैं। स्थानीय रहवासियों ने नगर निगम से मांग की है कि मानसून शुरू होने से पहले निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए, ताकि क्षेत्र में जल निकासी की समस्या और संभावित स्वास्थ्य संकट से बचा जा सके।

रहेजा ग्रुप के अल्ट्रा-लग्ज़री प्रोजेक्ट का भव्य शुभारंभ

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के रियल एस्टेट जगत में एक अभूतपूर्व अध्याय जुड़ने जा रहा है। दशकों से भरोसे और क्वालिटी के साथ एक्सीलेंस और एलिगेंस का पर्याय बन चुके 'रहेजा ग्रुप' ने अपने सबसे महत्वकांक्षी और अल्ट्रा-लग्ज़री प्रोजेक्ट 'रहेजा अवाना' की घोषणा कर दी है। इसी कड़ी में, इस बेमिसाल प्रोजेक्ट के बहुप्रतीक्षित 'एक्सपीरियंस सेंटर' का कल भव्य शुभारंभ होने जा रहा है। कचना मेन रोड पर स्थित इस एक्सपीरियंस सेंटर के दरवाज़े कल से उन पारखी लोगों के लिए खुल जाएंगे, जो सुकून भरी लग्ज़री यानि 'साइलेंट लग्ज़री' की कद्र करते हैं।

एक्सपीरियंस सेंटर: लग्ज़री के हर पहलू की झलक

रहेजा अवाना का नया 'एक्सपीरियंस सेंटर' कोई साधारण सेल्स ऑफिस नहीं है, बल्कि इसे एक मास्टरपीस आर्टिफेक्ट की तरह गढ़ा गया है। यह सेंटर ग्राहकों को प्रोजेक्ट की भव्यता का एक ऐसा स्पष्ट और जीवंत अनुभव देगा, जो शब्दों से परे है। आर्किटेक्चरल डिस्प्ले यहाँ कदम रखते ही आप मॉडर्न स्पेस प्लानिंग और आर्किटेक्चरल लेआउट की बारीकियों को महसूस कर सकेंगे।

इमर्सिव विज़न यह सिर्फ एक मॉडल नहीं है, बल्कि इस बात का अहसास है कि 'साइलेंट लग्ज़री' में आपके सपनों का घर होने पर कैसा महसूस करेंगे।

सेंट्रल इंडिया में पहली बार एंडी फिशर (सिंगापुर) का जादुई आर्किटेक्चर

'रहेजा अवाना' को जो बात पूरे मध्य भारत में सबसे अलग और खास बनाती है, वह है इसका वर्ल्ड-क्लास डिज़ाइन। इस मास्टरपीस को एशिया के सबसे प्रतिष्ठित और दिग्गज लग्ज़री आर्किटेक्ट्स में से एक, सिंगापुर के एंडी फिशर ने डिज़ाइन किया है।

मेट्रो शहरों से आगे की सोच: अब तक एंडी फिशर जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के आर्किटेक्ट्स की सेवाएं केवल मुंबई, दिल्ली या बेंगलुरु जैसे महानगरों के एलीट प्रोजेक्ट्स तक ही सीमित थीं।

सड़क पर डंप निर्माण सामग्री बनी परेशानी का कारण, राहगीरों ने उठाए सवाल

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। राजधानी रायपुर में भवन निर्माण कार्यों के लिए लाई जा रही निर्माण सामग्री अब आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। शहर के कई इलाकों में सड़क किनारे और सार्वजनिक मार्गों पर गिट्टी, रेत तथा अन्य निर्माण सामग्री को रख दिया जा रहा है। इससे न केवल यातायात प्रभावित हो रहा है, बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ गई है। सड़क के एक बड़े हिस्से पर गिट्टी का ढेर दिखाई दे रहा है, जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि भवन निर्माण कार्य निजी जमीन पर किया जा रहा है, लेकिन निर्माण सामग्री सार्वजनिक सड़क पर रखी जा रही है। इससे सड़क की चौड़ाई कम हो जाती है और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। पैदल चलने वाले लोगों के लिए भी सुरक्षित रास्ता नहीं बचता।

भनपुरी स्थित गंगानगर निवासी नीलकंठ सिन्हा ने कहा कि सड़क पर इस तरह निर्माण सामग्री रखना पूरी तरह गलत है। सड़क आम लोगों के उपयोग के लिए होती है, लेकिन कुछ लोग अपनी सुविधा के लिए उसे गोदाम की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है और प्रशासन को ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। वार्ड क्रमांक 4 के जगमोहन साहू का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से यह समस्या बनी हुई है। कई बार वाहन चालकों को गिट्टी और रेत के ढेर के कारण रास्ता बदलना पड़ता है। रात के समय यह स्थिति और अधिक खतरनाक हो जाती है। नगर निगम को नियमित निरीक्षण कर ऐसे मामलों पर सख्ती बरतनी चाहिए।

वहीं साईं राम चौक निवासी डॉ. मिलनराम निषाद ने कहा कि सार्वजनिक मार्ग पर निर्माण सामग्री रखना केवल यातायात की समस्या नहीं है, बल्कि यह जनसुरक्षा का विषय भी है। बरसात के दौरान गिट्टी और मुरूम सड़क पर फैल जाती है, जिससे फिसलन बढ़ जाती है और हादसों की संभावना रहती है। प्रशासन को नियमों का पालन सुनिश्चित कराना चाहिए।

नगर निगम के नियमों के अनुसार सार्वजनिक सड़क, नाली या शासकीय भूमि पर बिना अनुमति निर्माण सामग्री रखना प्रतिबंधित है। इसके बावजूद शहर के कई क्षेत्रों में नियमों की अनदेखी देखने को मिल रही है।

इस संबंध में जोन एक कमिश्नर ने बताया कि सड़क या सार्वजनिक स्थान पर भवन निर्माण सामग्री रखना नियमों के विरुद्ध है। शिकायत मिलने पर निगम की टीम मौके का निरीक्षण करती है। यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो सामग्री हटाने के साथ संबंधित व्यक्ति पर जुर्माने की कार्रवाई भी की जाती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि केवल कार्रवाई की चेतावनी देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। नियमित निगरानी और सख्त कार्रवाई से ही सड़कों को अतिक्रमण और निर्माण सामग्री के कब्जे से मुक्त कराया जा सकता है। फिलहाल सड़क पर डंप निर्माण सामग्री लोगों की परेशानी और प्रशासनिक उदासीनता दोनों की तस्वीर पेश कर रही है।

नीट 21 जून : जिले के केंद्रों की बारीकी से जांच कर रहे कलेक्टर

विश्व केसरी

रायपुर। 21 जून को आयोजित होने वाली नीट परीक्षा की तैयारियों और सुरक्षा को लेकर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह बुधवार से जिले के नीट परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर सभी अमूलचूल सुविधाओं का जायजा ले रहें हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने बीपी पुजारी शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल, राजा तालाब स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय मोवा और शहीद स्मारक स्वामी आत्मानंद विद्यालय का निरीक्षण किया।बीपी पुजारी शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल, राजा तालाब में कलेक्टर ने फ्रिस्किंग शेड के भीतर कराने के निर्देश दिए जिससे कि परीक्षार्थियों को धूप या बारिश से दिक्कत न हो, पुलिस द्वारा एडमिट कार्ड व आईडी जांच के बाद प्रवेश देने तथा बालिकाओं की फ्रिस्किंग अलग एनक्लोजर में कराने के सख्त निर्देश भी दिए।

संपादकीय

19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस जागरूकता और सर्तकता से ही निदान संभव

प्रो. मनोज कुमार

सोलह साल की छात्रा सुनीता खेलना चाहती है लेकिन जल्दी थक जाने से उसका मन उदास रहता है। इसके बावजूद वह निराश नहीं है और डॉक्टर की सलाह मानकर फिलहाल पढ़ाई पर ध्यान दे रही है। वहीं 24 साल की संगीता का कहना था कि शादी के बाद मुझे पता चला कि मुझे सिकलसेल है। पहले तो डर लग गया था, लेकिन धीरे-धीरे मैंने इसे समझना शुरू किया। गर्भावस्था के समय ज्यादा सावधानी रखनी पड़ी। परिवार का सहयोग मिला तो जीवन थोड़ा आसान हो गया। परेशान तो 18 के साल का रमेश भी है और उसे लगता था कि ऐसा क्या हुआ कि उसका किसी काम में मन नहीं लगता। शरीर में असहनीय दर्द होने लगा लेकिन डॉक्टर के परामर्श के बाद समय पर दवा लेने और लगातार पानी पीने से वह बेहतर महसूस कर रहा है। ये वो सारे लोग हैं जिन्हें सिकलसेल रोग ने घेर रखा है। (सभी परिवर्तित नाम) बचपन से लेकर उम्रदराज होते लोगों में यह बीमारी पायी जाती है। यह ऐसी अदृश्य और गंभीर आनुवंशिक चुनौती है, जिसके बारे में आज भी समाज में जागरूकता की भारी कमी है। अक्सर लोग इसे सामान्य एनीमिया (खून की कमी) समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि यह एक जटिल वंशानुगत रक्त विकार है। 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस के रूप में यूनाइटेड नेशन ने 2008 में मान्यता दी थी। इसका उद्देश्य सिकल सेल रोग को एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में पहचान दिलाना और इसके प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस सिकल सेल रोग के बारे में लोगों को जागरूक करने, समय पर जांच और उपचार को बढ़ावा देने तथा रोग से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

यह बीमारी न केवल मरीज को शारीरिक और मानसिक रूप से तोड़ती है, बल्कि उनके परिवारों और पूरे समाज के आर्थिक-सामाजिक ढांचे को भी गहराई से प्रभावित करती है। भारत जैसे देश में, जहाँ की एक बड़ी आबादी आज भी ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में रहती है, इस बीमारी का सही समय पर निदान और प्रबंधन एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बन चुका है। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिकलसेल के खिलाफ अभियान की शुरूआत की थी। तय किया गया है कि आने वाले 2047 तक देश को सिकलसेल रोग मुक्त बनाया जाएगा।

यहां जान लेना जरूरी है कि सिकल सेल रोग आखिर है क्या? इस बारे में डॉक्टरों के अनुसार शरीर में रक्त का प्रवाह लाल रक्त कोशिकाओं के माध्यम से होता है। सामान्य स्थिति में ये कोशिकाएं गोल, चिकनी और लचीली होती हैं, जो ऑक्सीजन को फेफड़ों से शरीर के सभी अंगों तक आसानी से पहुँचाती हैं। गोल आकार के कारण ये खून की अत्यंत पतली नसों में भी बिना किसी रुकावट के तैरती रहती हैं। इसके विपरीत, सिकल सेल रोग से पीड़ित व्यक्ति के शरीर में ये कोशिकाएं कडक़, चिपचिपी और हँसिए के आकार की हो जाती हैं। आकार में आए इस दोषपूर्ण बदलाव के कारण शरीर में मुख्य रूप से दो बड़ी समस्याएं उत्पन्न होती हैं-रक्त प्रवाह में अवरोध, हँसिए के आकार की कडक़ कोशिकाएं लचीली नहीं होतीं। जब ये छोटी रक्त वाहिकाओं से गुजरती हैं, तो आपस में उलझकर नस को ब्लॉक कर देती हैं। इससे शरीर के अंगों तक ऑक्सीजन और पोषण नहीं पहुँच पाता, जिससे असहनीय दर्द का दौरा पड़ता है। इसे चिकित्सकीय भाषा में 'सिकल सेल क्राइसिस' (स्द्बष्द्मद्यद्ग ष्टद्गद्यद्य ष्टह्म्द्बह्यद्बह्य) कहा जाता है। क्रोनिक एनीमिया (खून की कमी) एक सामान्य गोल लाल रक्त कोशिका का जीवनकाल लगभग 120 दिनों का होता है। वहीं, सिकल सेल वाली दोषपूर्ण कोशिकाएं इतनी कमजोर होती हैं कि वे मात्र 10 से 20 दिनों में ही टूटकर नष्ट हो जाती हैं। बोन मैरो (अस्थि मज्जा) इतनी तेजी से नई कोशिकाओं का निर्माण नहीं कर पाता, जिसके परिणामस्वरूप मरीज के शरीर में हमेशा खून की भारी कमी बनी रहती है।

बीमारी के प्रमुख लक्षण और प्रभावसिकल सेल के लक्षण बचपन में ही (लगभग 5 से 6 महीने की उम्र में) दिखाई देने लगते हैं। इसके पीड़ित को तीव्र और असहनीय दर्द इस बीमारी का सबसे भयानक रूप है। नसों में रुकावट के कारण हड्डियों, सीने, पीठ, हाथ और पैरों में अचानक तेज दर्द उठता है जो कई दिनों तक रह सकता है। रक्त प्रवाह बाधित होने से बच्चों के हाथों और पैरों की उंगलियों में दर्दनाक सूजन आ जाती है। सिकल सेल रोग शरीर की तिल्ली को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता का मुख्य हिस्सा है। इस कारण मरीजों को निमोनिया और अन्य जानलेवा संक्रमण जल्दी पकड़ते हैं। निरंतर खून की कमी से मरीज हमेशा थका हुआ रहता है। लाल कोशिकाओं के तेजी से नष्ट होने के कारण आँखों में पीलापन (पीलिया) आ जाता है। पीड़ित बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास भी सामान्य बच्चों की तुलना में धीमा होता है। यह भी कि सिकल सेल रोग केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं है, बल्कि यह प्रभावित परिवारों को गहरे आर्थिक संकट में धकेल देता है।

Indo Pacific Command नाम से ट्रंप को क्या दिक्कत थी? क्या अब बदल गयी है अमेरिका की Asia Policy?

नीरज कुमार दुबे

अमेरिका ने एक बार फिर अपने सबसे महत्वपूर्ण सामरिक सैन्य कमान का नाम बदल दिया है। आठ वर्ष पहले डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी पैसिफिक कमांड का नाम बदलकर इंडो-पैसिफिक कमांड किया था। तब यह कदम चीन के उभार के खिलाफ भारत को अमेरिकी रणनीति के केंद्र में लाने की घोषणा के रूप में देखा गया था। अब उसी कमान से 'इंडो' शब्द हटाकर उसे फिर से पैसिफिक कमांड बना देना वैश्विक कूटनीति में नए संकेत पैदा कर रहा है। यह बदलाव ऐसे समय हुआ है जब भारत-अमेरिका संबंधों में व्यापार, रूस, पाकिस्तान और पश्चिम एशिया को लेकर तनाव दिखाई दे रहा है।

अब बालों की चिंता नहीं, दोबारा घने बालों की ओर बढ़ें

अमेरिकी रक्षा विभाग का कहना है कि केवल नाम बदला है, मिशन नहीं। उसका दावा है कि कमान का कार्यक्षेत्र अब भी भारत की पश्चिमी सीमा तक फैला रहेगा और क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ 'मुक्त और खुला क्षेत्र' बनाए रखने की प्रतिबद्धता में कोई कमी नहीं आएगी। लेकिन सामरिक दुनिया में नाम केवल नाम नहीं होते। वे प्राथमिकताओं, शक्ति संतुलन और भविष्य की दिशा के संकेत भी देते हैं। यही कारण है कि इस बदलाव ने नई बहस छेड़ दी है।

दरअसल, वर्ष 2018 में जब तत्कालीन अमेरिकी रक्षा मंत्री जेम्स मैटिस ने 'इंडो-पैसिफिक' अवधारणा को आगे बढ़ाया था, तब उसका सीधा संदेश यह था कि हिंद महासागर और प्रशांत महासागर अब एक साझा रणनीतिक क्षेत्र हैं। चीन की बढ़ती समुद्री ताकत, दक्षिण चीन सागर में उसका आक्रामक रवैया, बेल्ट एंड रोड परियोजना के जरिये एशिया-अफ्रीका तक उसका विस्तार और हिंद महासागर में उसकी बढ़ती मौजूदगी ने अमेरिका को नई सामरिक रचना बनाने पर मजबूर किया था। इसी सोच से क्वॉड समूह को भी नई ऊर्जा मिली, जिसमें भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं।

अब जब 'इंडो' शब्द हटाया गया है, तो सवाल उठ रहा है कि क्या अमेरिका अपनी प्राथमिकताएं बदल रहा है? क्या ट्रंप प्रशासन चीन के साथ सीधे टकराव के बजाय समझौते का रास्ता तलाश रहा है? क्या अमेरिका अब एशिया में अपने दायित्व कम करना चाहता है? क्या भारत अब अमेरिकी रणनीति का केंद्रीय स्तंभ नहीं रहा? यही वह प्रश्न हैं जिन पर दुनिया भर के सामरिक विशेषज्ञ चर्चा कर रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम का समय भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ट्रंप की मुलाकात से ठीक पहले सामने आया। कभी दोनों नेताओं की दोस्ती विशाल जनसभाओं और गर्मजोशी भरे आलिंगन की प्रतीक मानी जाती थी, लेकिन इस बार माहौल अलग था। व्यापारिक शुल्कों को लेकर विवाद, रूस से भारत की ऊर्जा खरीद पर अमेरिकी नाराजगी, भारतीय पेशेवरों के लिए वीजा संबंधी दिक्कतें, पाकिस्तान के साथ अमेरिका की नई नजदीकियां और पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों से भारतीय नाविकों की मौत जैसे मुद्दों ने भारत और अमेरिका के रिश्तों में खटास पैदा की है।

विशेष रूप से पाकिस्तान को अमेरिकी समर्थन को लेकर भारत की चिंता बढ़ी है। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर के बाद ट्रंप ने कई बार दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया। भारत ने इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट कहा कि युद्धविराम दोनों सेनाओं के बीच सीधे संवाद से हुआ था, किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से नहीं। इसके बावजूद अमेरिका का यह रुख नई दिल्ली के लिए असहजता का कारण बना हुआ है।

हालांकि अमेरिकी प्रशासन के समर्थक यह तर्क दे रहे हैं कि इंडो पैसिफिक कमांड संबंधी बदलाव को जरूरत से ज्यादा नहीं देखना चाहिए। उनका कहना है कि अमेरिका अभी भी चीन के खिलाफ अपनी सैन्य तैयारी बढ़ा रहा है। अमेरिकी कमांडर सैमुअल पपारो ने चीन के विरुद्ध सैन्य प्रतिरोध मजबूत करने के लिए विशाल रक्षा बजट की मांग की है।

अमेरिका और भारत के बीच रक्षा तकनीक, खुफिया साझेदारी और संयुक्त सैन्य अभ्यास भी लगातार जारी हैं। इसलिए केवल नाम बदलने से रणनीति बदल गई है, ऐसा निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी।

फिर भी यह तर्क पूरी तरह आश्वस्त नहीं करता। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में प्रतीकों की अपनी शक्ति होती है। जब अमेरिका ने 'इंडो' शब्द जोड़ा था, तब उसने दुनिया को यह संदेश दिया था कि भारत अब एशियाई शक्ति संतुलन का अनिवार्य हिस्सा है। अब उसी शब्द को हटाना स्वाभाविक रूप से यह आभास देता है कि अमेरिका की सोच में बदलाव आया है। यही कारण है कि कई भारतीय रणनीतिक विशेषज्ञ इसे भारत के लिए चेतावनी के रूप में देख रहे हैं।

हालांकि इस पूरे विवाद के बीच एक बड़ी सच्चाई यह भी है कि दुनिया की कोई भी महाशक्ति केवल नाम बदलकर भूगोल और वास्तविकता को नहीं बदल सकती। कागजों पर सीमाएं और नाम बदले जा सकते हैं, लेकिन समुद्रों, सभ्यताओं और इतिहास की वास्तविक शक्ति को मिटाना संभव नहीं होता। अमेरिका चाहे इंडो शब्द हटा दे या कोई और देश किसी क्षेत्र को नए नाम से पुकारने लगे, इससे भारत की सामरिक स्थिति कमजोर नहीं हो जाती। हिंद महासागर आज भी भारत की प्राकृतिक सामरिक परिधि है और एशिया की शक्ति संरचना में भारत की भूमिका स्थायी वास्तविकता है। सच यही है कि भारत और हिंद का जो दायरा हजारों वर्षों की सभ्यता, व्यापार, समुद्री संपर्क और भू-राजनीतिक प्रभाव से बना है, उसे समेटना किसी भी शक्ति के लिए संभव नहीं है। नाम बदले जा सकते हैं, लेकिन भारत की केंद्रीय उपस्थिति को समाप्त नहीं किया जा सकता।

फिर भी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि क्या 'इंडो' शब्द हटने से भारत के हितों पर वास्तविक असर पड़ेगा? इसका उत्तर सीधा भी है और जटिल भी। तात्कालिक रूप से देखें तो भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग, सामरिक साझेदारी और आर्थिक संबंधों पर इसका कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं दिखता। भारत अब भी हिंद महासागर की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति है और चीन को संतुलित करने में उसकी भूमिका अपरिहार्य बनी हुई है। अमेरिका भी यह समझता है कि भारत के बिना एशिया में चीन को चुनौती देना संभव नहीं। इसलिए केवल नाम बदल जाने से भारत की सामरिक उपयोगिता समाप्त नहीं हो जाती।

लेकिन दीर्घकालिक दृष्टि से देखें तो यह बदलाव मानसिक और कूटनीतिक संकेत अवश्य देता है। यदि अमेरिका धीरे-धीरे 'इंडो-पैसिफिक' अवधारणा से दूरी बनाता है, क्वॉड की सक्रियता घटती है और चीन के साथ समझौते की नीति अपनाई जाती है, तो भारत को अपनी रणनीति नए सिरे से गढ़नी होगी। इसका अर्थ यह होगा कि नई दिल्ली को आत्मनिर्भर सामरिक ढांचे, बहुध्रुवीय कूटनीति और क्षेत्रीय साझेदारियों पर अधिक जोर देना पड़ेगा।

असल में यह पूरा घटनाक्रम भारत के लिए एक बड़ा संदेश है। विश्व राजनीति में स्थायी मित्रता नहीं होती, केवल स्थायी हित होते हैं। अमेरिका अपने हितों के अनुसार रणनीति बदल सकता है। इसलिए भारत को भी भावनात्मक कूटनीति से आगे बढ़कर कठोर यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाना होगा।

यह बात सही है कि 'इंडो' शब्द हटने से भारत की शक्ति कम नहीं होती, लेकिन यह अवश्य याद दिलाता है कि वैश्विक मंच पर सम्मान केवल प्रतीकों से नहीं, बल्कि अपनी वास्तविक सामरिक और आर्थिक ताकत से मिलता

हरित पुनरुद्धार की ओर बढ़ते भारत के कदम

महेन्द्र तिवारी

पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत ने भूमि बहाली के क्षेत्र में एक ऐसी अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है जिसने पूरी दुनिया के सामने सफलता का एक नया मार्ग प्रशस्त किया है। भारत ने अपने निरंतर और सुनियोजित प्रयासों से 21.76 मिलियन हेक्टेयर बंजर और खराब हो चुकी भूमि को फिर से हरा-भरा और उपजाऊ बनाने में सफलता प्राप्त की है। इस विशाल आंकड़े की गंभीरता और इसके भौगोलिक विस्तार को इस तरह समझा जा सकता है कि यह क्षेत्रफल लगभग पूरे यूनाइटेड किंगडम अर्थात ब्रिटेन के कुल भौगोलिक आकार के बराबर है। इतने बड़े पैमाने पर सूखी, ऊसर और जीवनहीन हो चुकी ज़मीन को पुनर्जीवित करना केवल एक प्रशासनिक सफलता नहीं है बल्कि यह प्रकृति के प्रति देश की गहरी प्रतिबद्धता और दूरगामी नीतियों का जीवंत परिणाम है। इस ऐतिहासिक कदम ने न केवल भारत की पारिस्थितिक सुरक्षा को मजबूत किया है बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति देश की साख को बहुत ऊंचा किया है। भूमि का इस तरह से पुनरुद्धार करना आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की नींव रखने जैसा है जो सतत विकास के वैश्विक लक्ष्यों को पूरा करने में सहायक सिद्ध होगा।

इस पूरी मुहिम की वैश्विक कड़ियों को जोड़कर देखना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि भारत के ये प्रयास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे बड़े अभियानों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। इसी संदर्भ में बॉन चुनौती का नाम प्रमुखता से उभर कर सामने आता है। बॉन चुनौती वास्तव में वनों की कटाई को रोकने और मरुस्थलीकरण के कारण बंजर हो चुकी भूमि को फिर से उपजाऊ और हरा-भरा बनाने का एक बहुत बड़ा वैश्विक संकल्प है। इस महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत वर्ष 2011 में जर्मनी की सरकार और इंटरनेशनल यूनियन फॉर Conservation ऑफ नेचर द्वारा संयुक्त रूप से की गई थी। जब इसे वैश्विक स्तर पर शुरू किया गया था तब इसका प्राथमिक लक्ष्य रखा गया था कि वर्ष 2020 तक पूरी दुनिया में 150 मिलियन हेक्टेयर खराब हो चुकी भूमि को बहाल किया जाएगा। इसके बाद इस लक्ष्य को और अधिक विस्तारित करते हुए वर्ष 2030 तक 350 मिलियन हेक्टेयर भूमि को पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया गया। भारत ने इस वैश्विक चुनौती को सहर्ष स्वीकार किया और अपनी घरेलू प्राथमिकताओं को इसके साथ इस तरह जोड़ा कि आज देश इस दिशा में मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है।

भारत की इस पर्यावरणीय यात्रा में एक और बड़ा मोड़ तब आया जब देश ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी जिम्मेदारियों को और अधिक विस्तार देने का निर्णय लिया। वर्ष 2019 में भारत की राजधानी नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय के चौदहवें सत्र का आयोजन किया गया था जिसे कॉप 14 के नाम से भी जाना जाता है। इस वैश्विक सम्मेलन में दुनिया भर के पर्यावरणविदों और नीति निर्माताओं की उपस्थिति में भारत ने अपने पुराने लक्ष्यों में बड़ा संशोधन किया। भारत ने वैश्विक मंच पर यह संकल्प लिया कि वह वर्ष 2030 तक 26 मिलियन हेक्टेयर बंजर और निम्नीकृत भूमि को पूरी तरह से बहाल करेगा। वर्तमान समय में हासिल किया गया 21.76 मिलियन हेक्टेयर का यह आंकड़ा इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि भारत अपने लक्ष्य की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा है और वह इस अत्यंत महत्वाकांक्षी लक्ष्य को निर्धारित समय सीमा से बहुत पहले ही प्राप्त करने की मजबूत स्थिति में पहुंच चुका है।

बोध कथा

ज्ञान रुपी दिपक

'परम मित्रों', एक बार एक आदमी बड़े ही धार्मिक भाव से रोज संध्या को दीपक जला कर अपने घर के आगे रखने लगा। लेकिन पड़ोस के लोग उसके दिए को उठा कर ले जाते या कुछ लोग तो उसे बुझा भी देते थे। उसके अपने ही उसे कहने लगे कि क्या तू ज्यादा प्रकाश करना जानता है? हमने भी अंधेरे बहुत देखे हैं, हमें तो किसी ने प्रकाश नहीं दिखाया आज तक। तुम अपने आपको ज्यादा साधन संपन्न समझते हो क्या

लेकिन दीपक जलाने वाला अपने उसी नियम से रोजाना दीपक जलाता रहा। ना तो वह प्रकाश करने की कोई घोषणा करता था और ना ही अपने दीपक का कोई प्रचार करता था। क्योंकि उसे यह मंजूर नहीं था कि उसके ही घर के सामने कोई भी अंधेरे में ठोकर खाए। इसलिए वह निरंतर ही प्रकाश का दीया प्रकाशित करता रहा। आखिर धीरे-धीरे लोगों को बात समझ में आनी शुरु हो गई। अंधेरे रास्ते पर राहगीरों को दूर से ही प्रकाश में दिखाई पड़ने लगा।

वही प्रकाश राहगीरों को कहने लगा कि आ जाओ, यह रास्ता सुगम है। यहां प्रकाश है, यहां अंधेरा नहीं है; रास्ते की ठोकरें साफ नजर आती हैं। जब राहगीर प्रकाश के पास आते, तो वह कहता कि देख कर चलना वहां सामने पत्थर है। इधर पीछे की गली कहीं भी नहीं जाती है, वहां पीछे गली समाप्त हो जाती है। यहां से आगे कोई रास्ता नहीं है। धीरे-धीरे प्रकाश में साफ ही नजर आने लगा कि मार्ग किधर है और किधर नहीं है।

तीर तेवर — सागर कुमार

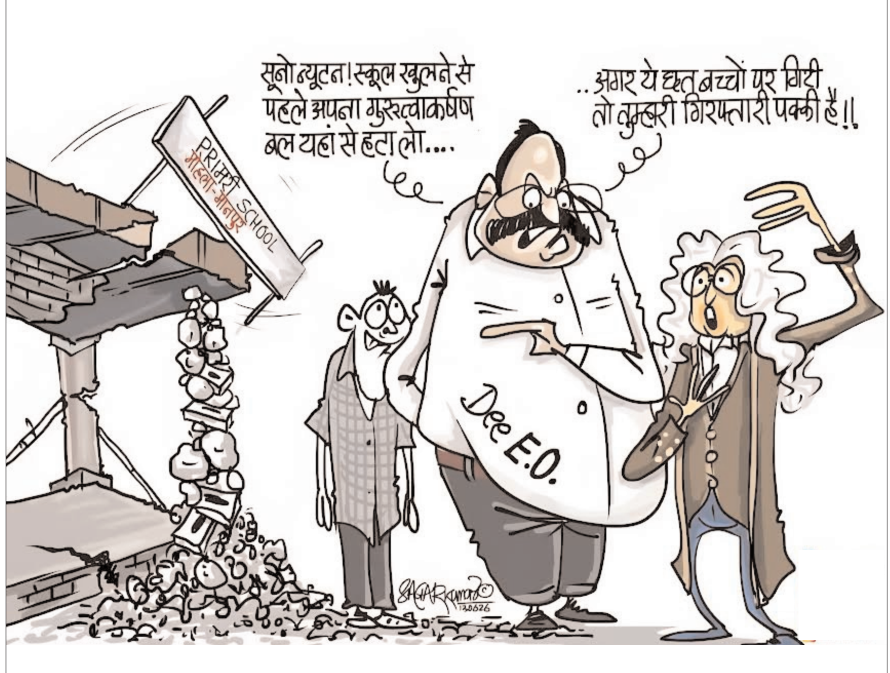

व्यंग्य केसरी

राम जी की मर्जी

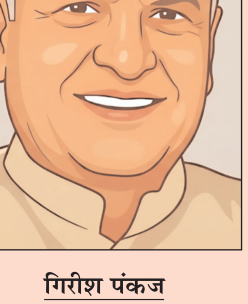

गिरीश पंकज

हमारे देश में जब अपनी नाकामी छुपानी हो, परीक्षा में फेल होना हो, या पड़ोस की दीवार पर गाड़ी ठोकनी हो,तो सबसे आसान और सर्वमान्य बहाना होता है, 'भगवान की यही मर्जी थी।' लेकिन कल रात हमारे मोहल्ले के मंदिर में अध्यात्म का एक ऐसा अनूठा अध्याय लिखा गया, जिसने साक्षात ब्रह्मज्ञान को भी शर्माने पर मजबूर कर दिया। हुआ यूं कि कल्लू प्रसाद रात के दो बजे भगवान के चरणों में अर्पित 'चढ़ावे की पेटी' का ताला तोड़ने का पवित्र कार्य कर रहे थे। सिक्कों की खनक और नोटों की सरसराहट से उनकी आत्मा तृप्त ही होने वाली थी कि तभी मंदिर के चौकीदार और कुछ भक्तों ने उन्हें 'रंगे हाथों' दबोच लिया।

पिटाई का पहला चरण पूरा होने के बाद, जब पुलिस को बुलाने की बात हुई, तो कल्लू ने अपनी पीठ सहलाते हुए जो थ्योरी दी, उसे सुनकर साक्षात वेदव्यास भी अपनी कलम छोड़ देते। ?उसने बड़ी मासूमियत से आसमान की तरफ देखा, एक गहरी सांस ली और बोला: 'अरे भाई, तुम लोग खामखां मुझ पर गुस्सा कर रहे हो। इसमें मेरा क्या कसूर शायद राम जी की यही मर्जी थी! वरना हम काहे चोरी करते हम तो ठहरे परम भक्त, प्रभु की इच्छा के बिना तो एक पत्ता भी नहीं हिलता, फिर इतनी भारी तिजोरी मेरी क्या मजाल जो हिल जाए!'

उसके इस 'परम ज्ञान' को सुनकर वहां मौजूद भीड़ दो मिनट के लिए स्तब्ध रह गई। सब सोचने लगे कि कहीं अनजाने में हम किसी सिद्ध पुरुष को तो नहीं पीट रहे? अगर चोर की इस 'मासूम' फिलॉसफी को सच मान लिया जाए, तो दुनिया कितनी आसान हो जाएगी. बैंक लुटेरे कहेंगे, 'कैशियर साहब, बुरा मत मानिए। लक्ष्मी जी की यही इच्छा थी कि आज वो सरकारी लॉकर छोड़कर मेरे फटे झोले में विश्राम करें।'

जेबकतरे बोलेंगे: 'भाई साहब, आपकी जेब से जो पर्स निकला है, वो असल में मेरी नियति थी। राम जी ने पहले से ही लिख रखा था कि आपकी गाढ़ी कमाई पर आज मेरा हक होगा।'

भ्रष्ट नेता फरमाएंगे: 'ये घोटाला मैंने नहीं किया, ये तो 'विधाता का विधान' था। जनता का पैसा मेरे स्विस बैंक में जाना पहले से तय था।'

कल्लू के इस तर्क ने 'कर्म' और 'भाग्य' की बहस को एक नई ऊंचाई दे दी। उसने साबित कर दिया कि वह चोर नहीं, बल्कि ईश्वर का एक 'डाकिया' था, जो सिर्फ मंदिर से चढ़ावे को ट्रांसफर करने आया था।

वहां खड़े हेड कांस्टेबल साहब आगे बढ़े। उन्होंने अपनी भारी-भरकम लाठी निकाली और कल्लू की पीठ पर दो सटासट जमाए। जब कल्लू कराहते हुए बोला, 'अरे साहब, मार क्यों रहे हो तो कांस्टेबल साहब ने भी बड़ी मासूमियत से आसमान की तरफ देखा और बोले, 'भाई, इसमें मेरा क्या कसूर? शायद राम जी की यही मर्जी थी कि आज तुम्हारी इस अधर्मी पीठ पर मेरी ये लाठी बरसे।

इतिहास

18 जून का दिन भारतीय और विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं के लिए दर्ज है। 1815 में नेपोलियन बोनापार्ट को 'वाटरलू की लड़ाई' में करारी हार का सामना करना पड़ा था?1940 में फ्रांस पर जर्मन कब्जे के दौरान जनरल चार्ल्स डी गॉल ने फ्रांसीसी प्रतिरोध का आह्वान किया?इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं18 जून को घटी महत्वपूर्ण घटनाएं1815: वाटरलू की लड़ाई में फ्रांस के सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट की हार हुई, जिसके बाद उन्हें सेंट हेलेना द्वीप निर्वासित कर दिया गया?1940: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, जनरल चार्ल्स डी गॉल ने लंदन से रेडियो के माध्यम से फ्रांसीसी नागरिकों को नाजी कब्जे के खिलाफ लड़ने का ऐतिहासिक आह्वान किया?1948: कोलंबिया रिकॉर्ड्स द्वारा पहला एलपी (Long Playing) विनाइल रिकॉर्ड पेश किया गया, जिसने संगीत उद्योग को एक नई दिशा दी?1979: सोवियत संघ के लियोनिद ब्रेजनेव और अमेरिका के जिमी कार्टर ने परमाणु हथियार नियंत्रण से जुड़ी 'SALT II' संधि पर हस्ताक्षर किए।

संक्षिप्त खबरें

प्रिंसिपल और लेक्चरर के बीच धक्का-मुक्की, छात्रों के सामने तमाशा

विश्व केसरी■

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में नए शिक्षा सत्र के पहले ही दिन एक सरकारी स्कूल रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। पाली स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नए सत्र के आगाज पर ही प्राचार्य मनोज सराफ और भौतिकी (फिजिक्स) के व्याख्याता प्रखर पांडेय के बीच जमकर विवाद हुआ। यह पूरी घटना स्कूल परिसर में मौजूद छात्र-छात्राओं के सामने हुई, जिससे वहां मौजूद बच्चे भी सन्न रह गए। दोनों के बीच तीखी बहस इस कदर बढ़ी कि गाली-गलौज के बाद बात धक्का-मुक्की तक पहुंच गई, जिसके बाद स्कूल के दूसरे शिक्षकों ने किसी तरह बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला। इस हाई-प्रोफाइल विवाद की गूंज फौरन प्रशासनिक गलियारों तक पहुंची, जिसके बाद जिला प्रशासन ने त्वरित एक्शन लिया है। पाली एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घटना की पड़ताल की और वहां मौजूद शिक्षकों व कर्मचारियों के अधिकारिक बयान दर्ज किए।

बिजली संकट और महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का हल्लाबोल

विश्व केसरी■

जांजगीर। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिला मुख्यालय पर बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर मोर्चा खोला। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल की अगुवाई में एकजुट हुए पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने केरा रोड स्थित विद्युत विभाग के कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान उग्र प्रदर्शन करते हुए कार्यकर्ताओं ने न सिर्फ सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की, बल्कि पुतला दहन कर अपना आक्रोश भी जताया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों ने अनोखा विरोध दर्ज कराते हुए बिजली विभाग के अधिकारियों को प्रतीकात्मक रूप से चूड़ियां भी भेंट कीं। इस विरोध प्रदर्शन का मुख्य कारण प्रदेश में लगातार बढ़ रही बिजली दरें, अघोषित बिजली कटौती और चौतरफा मार कर रही महंगाई है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस के साथ-साथ रोजमर्रा की जरूरी चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं, जिससे आम जनता पहले से ही त्रस्त है। ऐसे दौर में बिजली की कीमतों में 30 से 50 पैसे प्रति यूनिट तक की हालिया बढ़ोतरी ने मध्यम वर्ग, गरीबों, किसानों और मजदूरों की कमर तोड़कर रख दी है। प्रदर्शनकारियों ने 'डबल इंजन सरकार, जनता पर महंगाई की मार' और 'जनविरोधी नीति नहीं चलेगी' जैसे गगनभेदी नारे लगाकर विरोध जताया।

खनन माफियाओं के बीच रक्तपात की बढ़ रही घटनाएं, शासन मौन, जिम्मेदारी कब होगी तय

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ को देश के सबसे समृद्ध खनिज राज्यों में गिना जाता है। यहां कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट, चूना पत्थर और रेत जैसे संसाधनों की भरमार है। यही संपदा प्रदेश के विकास और निवेश का आधार भी बन रही है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में एक चिंताजनक प्रवृत्ति भी सामने आई है। खनिज और प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े विवाद अब केवल कारोबारी प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं रह गए हैं बल्कि कई मामलों में हिंसा और जानलेवा संघर्ष का रूप ले रहे हैं। पिछले दिनों जांजगीर-चांपा जिले के करही गांव में कश्यप परिवार पर हुई गोलीबारी की घटना इसी चिंता को और गहरा करती है। अप्रैल 2026 में कांग्रेस नेता और रेत कारोबार से जुड़े सम्मेलाल कश्यप के घर में घुसकर हमलावरों ने उनके पुत्र आयुष कश्यप की हत्या कर दी और एक अन्य सदस्य को गंभीर रूप से घायल कर दिया। यह हमला किसी सड़क या सार्वजनिक स्थल पर नहीं बल्कि घर के भीतर हुआ था जिसने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया। पुलिस जांच अपने रास्ते पर है और मामले के अलग-अलग पहलुओं की पड़ताल हो रही है। लेकिन यह तथ्य भी चर्चा में रहा कि परिवार का संबंध रेत कारोबार से था। ऐसे में यह घटना केवल एक आपराधिक मामला नहीं बल्कि उस बढ़ते तनाव की तरफ भी इशारा करती है जो प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े आर्थिक हितों के इर्द-गिर्द बन रहा है।

इसी तरह कोरिया जिले में रेत उत्खनन और उससे जुड़े विवाद में भाजपा नेता भरत सिंह गहरवार और उनके करीबी वीरू सिंह गहरवार की हत्या ने पूरे प्रदेश का ध्यान खींचा। एक अन्य व्यक्ति की

वाहन में जलकर मौत हुई और कई लोग घायल हुए। यह घटना भी संसाधनों और वर्चस्व की लड़ाई के खतरनाक रूप को सामने लाती है। यदि इन घटनाओं को अलग-अलग अपराध मानकर छोड़ दिया जाए तो शायद तस्वीर अधूरी रह जाएगी। लेकिन जब रेत, खनिज, उत्खनन, परिवहन और संसाधनों के नियंत्रण से जुड़े मामलों में बार-बार हिंसक टकराव दिखाई देने लगें तब समाज को व्यापक रूप में सोचने की जरूरत होती है। रेत आज केवल निर्माण सामग्री नहीं रह गई है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण और निर्माण कार्यों के कारण इसकी आर्थिक कीमत बढ़ी है। जहां पैसा बढ़ता है वहां प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती है। प्रतिस्पर्धा जब नियमों और कानून के दायरे में रहे तो विकास का माध्यम बनती है लेकिन जब यह वर्चस्व और शक्ति प्रदर्शन की लड़ाई में बदलने लगे तो परिणाम समाज के लिए घातक होते हैं। चिंता की बात यह नहीं कि कारोबार हो रहा है। चिंता इस बात की है कि कहीं कारोबार के साथ हिंसा की संस्कृति भी तो नहीं बढ़ रही। गांवों में गुटबाजी स्थानीय प्रभाव की लड़ाई आर्थिक हितों का टकराव और राजनीतिक संरक्षण की चर्चाएं अक्सर ऐसे मामलों के बाद सामने आती हैं। इससे आम नागरिक के मन में असुरक्षा की भावना पैदा होती है। छत्तीसगढ़ आज निवेश और औद्योगिक विकास के नए दौर में प्रवेश कर रहा है।

बड़े उद्योग आ रहे हैं खनिज क्षेत्रों में गतिविधियां बढ़ रही हैं और संसाधनों का आर्थिक महत्व लगातार बढ़ रहा है। ऐसे समय में यह सुनिश्चित करना और भी जरूरी हो जाता है कि संसाधनों की दौड़ कानून के दायरे में रहे न कि बंदूक और हिंसा के साये में। जांजगीर का कश्यप गोलीकांड और कोरिया की हत्याएं केवल पुलिस केस नहीं हैं। ये घटनाएं चेतावनी देती हैं कि यदि संसाधनों से जुड़े विवादों का समय रहते संस्थागत और कानूनी समाधान नहीं खोजा गया तो खनिज संपदा से समृद्ध प्रदेश में सामाजिक तनाव और संघर्ष की घटनाएं बढ़ सकती हैं।

> ● पिछले दिनों जांजगीर में हुई गोलीबारी और अभी हाल ही में कोरिया में हुई घटना आपसी रंजिश मामला है। रेत खदान नियमानुसार ही आबंटित किया जाता है। विभाग ने प्रदेश में अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए गरियाबन्द, धमतरी, जांजगीर-चांपा सहित कई जिलों में कार्यवाही की है। वहीं शासन- प्रशासन अवैध खनन के रोक लिए मुस्तैद है। **-सौरभ सिंह,** अध्यक्ष-छग खनिज विकास निगम

मनरेगा का पेमेंट रोककर एसडीओ ने 30 हजार रिश्वत ली, जशपुर में एसीबी ने रंगे हाथों पकड़ा

विश्व केसरी■

छत्तीसगढ़ के जशपुरनगर में एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (आरईएस) विभाग के प्रभारी एसडीओ संजय दिवाकर को रंगे हाथों धर दबोचा। आरोपी अधिकारी को उनके मधुबन टोली स्थित निजी आवास से उस वक्त गिरफ्तार किया गया, जब वे एक शिकायतकर्ता से 30 हजार रुपए की रिश्वत ले रहे थे।

एसीबी ने मौके से ही घूस की पूरी रकम बरामद कर ली है। इस अचानक हुई छापेमारी से पूरे इलाके के प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है।

दरअसल, यह पूरा मामला मनोरा विकासखंड के ग्राम पंचायत कपरोल का है, जहाँ विकास कार्यों के भुगतान के बदले अधिकारी द्वारा लगातार मोटी रकम की मांग की जा रही थी। ग्राम पंचायत के पूर्व उप सरपंच रीतूराम यादव ने

साल 2022-23 के दौरान मनरेगा योजना के तहत एक गेबियन संरचना का निर्माण करवाया था। कार्य संपन्न होने के काफी समय बाद भी विभाग द्वारा इसका मूल्यांकन और भुगतान जानबूझकर अटका कर रखा गया था। शिकायतकर्ता के मुताबिक, काम के एवज में प्रभारी एसडीओ संजय दिवाकर ने शुरुआत में 70 हजार रुपए बतौर रिश्वत मांगे थे। पैसे न मिलने पर फाइल को करीब छह महीने तक दबाकर रखा गया। बाद में सौदा 50 हजार रुपए में तय हुआ, जिसके भुगतान के बाद काम का मूल्यांकन तो कर दिया गया, लेकिन पैसों की भूख यहीं शांत नहीं हुई। इसके बाद फाइनल भुगतान और सत्यापन (वेरिफिकेशन) जारी करने के नाम पर अधिकारी ने फिर से 30 हजार रुपए की अतिरिक्त डिमांड रख दी।बार-बार की इस प्रताड़ना और अवैध मांग से तंग आकर पूर्व उप सरपंच ने इस बार सीधे एंटी करप्शन ब्यूरो की शरण ली।

एसीबी ने शिकायत की प्रारंभिक जांच की और मामला सही पाए जाने पर आरोपी को पकड़ने के लिए एक सुनियोजित जाल बिछाया। तय रणनीति के तहत जैसे ही शिकायतकर्ता रिश्वत की रकम लेकर एसडीओ के घर पहुंचा और आरोपी ने पैसे हाथ में लिए, वैसे ही घात लगाकर बैठी एसीबी की टीम ने उन्हें दबोच लिया।

सुरक्षाबल के दस्ते को सर्चिंग में हाथ लगे हथियार

विश्व केसरी■

नारायणपुर। नक्सलमुक्त होने के बाद सुरक्षा बलों का सर्चिंग अभियान जारी है इसी अभियान के तहत सुरक्षा बल का दस्ता नारायणपुर जिले के मसपुर-गुडरापाल जंगल क्षेत्र में पहुंचा। जहां जवानों को जंगल के भीतर एक संदिग्ध स्थान दिखाई दिया। क्षेत्र की घेराबंदी कर सावधानीपूर्वक तलाशी लेने पर नक्सालियों के द्वारा रखे गए बीजीएल लॉन्चर, बीजीएल गन, 12 बोर राइफल और गोला-बारूद सहित अन्य सामग्री बरामद की।

प्राप्त समाचारों के अनुसार, जिले में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस एवं बीएसएफ 133वीं वाहिनी की 'ई' कंपनी द्वारा कैंप मसपुर के आसपास के जंगल क्षेत्रों में विशेष सर्च अभियान चलाया गया। सर्च अभियान के दौरान सुरक्षा बलों की टीम मसपुर-गुडरापाल जंगल क्षेत्र में एक संदिगध स्थान दिखाई दिया। इसके बाद क्षेत्र की घेराबंदी कर तलाशी ली गई।

तलाशी लेने पर वहां से नक्सलियों द्वारा छिपाकर कर रखे बीजीएल लॉन्चर, बीजीएल गन, 12 बोर राइफल और गोला-बारूद सहित अन्य सामग्री बरामद की गई। बरामद सामग्री:देसी बीजीएल लॉन्चर - 1 नग,बीजीएल गन- 7 नग,12 बोर राइफल द- 1 नग,12 बोर राउंड- 37 नग,वायर- 15 मीटर,पोच- 5 नग। प्रारंभिक जांच में यह प्रतीत होता है कि, इस सामग्री को पूर्व में जंगल क्षेत्र में छिपाकर रखा गया था। सुरक्षा बलों की सतर्कता और निरंतर चलाए जा रहे सर्च अभियान के परिणामस्वरूप हथियार, गोला-बारूद और अन्य सामग्री बरामद करने में सफलता प्राप्त हुई है।

जशपुर में किसानों को खाद-बीज की खेती पर रोक प्रशासन की निगरानी से कालाबाजारी पर रोक

विश्व केसरी■

जशपुर। कृषि सीजन के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की कृषि अर्थव्यवस्था न हो, इसके लिए जशपुर जिले में खाद, बीज एवं ऋण की पर्याप्त व्यवस्था की जानकारी दी गई है। कृषि एवं कृषि विभाग के समन्वित उद्यम से जिले के आदिम जाति सेवा संघ में कृषि उद्यमों का भंडार स्थापित किया गया है। साथ ही कालाबाजारी, जमखोरी और पुराने जमाने की अवैध वस्तुओं पर रोक के लिए प्रशासन द्वारा निगरानी में रखा जा रहा है।

उप कृषि मंत्री एम.आर. भगत ने बताया कि किसानों को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में पदों के मानक का वितरण किया जा रहा है। किसानों को मानक मानक उपयोग, हरी खाद और जैविक विकल्पों पर सलाह दी जा रही है, जिससे भूमि की उर्वरता बनी रहे और उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो सके। रिवोल्यूशना गांव-गांव सहायक किसानों को वैज्ञानिक खेती और स्वास्थ्य प्रबंधन संबंधी जानकारी भी दे रही है।

किसानों की सुविधा पर ध्यान देते हुए जिले में साझेदारों की संख्या 24 से 44 कर दी गई है। इससे किसानों को खाद एवं बीज प्राप्त करने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती है और समय तथा परिवहन व्यय दोनों में कमी आती है। वर्तमान जिले में 44 सहयोगियों में 9,285 टन मक्के के विभिन्न प्रकार के रासायनिक अंशों का भण्डारण किया गया है। इनमें से 3,681 टोकन टन का वितरण किसानों को भुगतान किया जा चुका है। इसी प्रकार 6,836 भव्य धान बीज का भंडारण किया गया है, जिसमें से 1,872 शाही बीज किसानों तक भुगतान किया जा चुका है। आगामी मांग को देखते हुए खाद एवं बीज का भंडार कॉन्स्टेबल स्केल जा रहा है।

कृषि ऋण वितरण के क्षेत्र में भी जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। संस्था के माध्यम से अब तक 10,187 किसानों पर कुल 37 करोड़ 79 लाख 12 हजार रुपये का कृषि ऋण उपलब्ध हो गया है। 31 करोड़ 33 लाख 08 हजार रुपये की रिपोर्ट और 6 करोड़ 46 लाख 04 हजार रुपये की वस्तु ऋण के रूप में चुकाई गई है। इस सहायता से किसानों को समय पर कृषि निवेश और खेती की लागत में मदद मिल रही है।

बाल विवाह रोकथाम और महिला सुरक्षा के लिए गांव-गांव पहुंच रही जागरूकता मुहिम

विश्व केसरी■

सूरजपुर। प्रदेश में बाल विवाह रोकथाम, महिला सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण को लेकर चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत सूरजपुर जिले के रामानुजनगर विकासखंड स्थित ग्राम पंचायत मकरबंधा में व्यापक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में ग्रामीणों को बाल संरक्षण, महिला अधिकारों, साइबर सुरक्षा तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल ने ग्रामीणों से बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने बाल

विवाह के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी दी। साथ ही बच्चों को गुड टच-बैड टच तथा लैंगिक अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया।

शिविर में बताया गया कि बच्चों से संबंधित आपात स्थितियों में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिलाओं के लिए हेल्पलाइन 181 तथा आपातकालीन सहायता के लिए 112 नंबर का उपयोग किया जा सकता है। महिला संरक्षण अधिकारी इंदिरा चौबे ने घरेलू हिंसा अधिनियम और सखी वन स्टॉप सेंटर की सुविधाओं की जानकारी दी। वहीं महिला सशक्तिकरण केंद्र की जेंडर विशेषज्ञ सलोनी कुजूर और वित्तीय साक्षरता एवं समन्वयक विशेषज्ञ फरजाना ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, भ्रूण हत्या रोकथाम, लैंगिक समानता, महिला उत्पीड़न की रोकथाम, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, सुकन्या समृद्धि योजना तथा साइबर अपराध से बचाव और साइबर हेल्पलाइन 1930 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं से संबंधित ब्रोशर वितरित किए गए और उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही नशा मुक्ति, बालिका शिक्षा और जागरूक एवं संस्कारयुक्त समाज के निर्माण का संदेश भी दिया गया।

शिविर में सरपंच आरती सिंह, सचिव रामदुलार सिंह, जिला पंचायत ऑडिटर प्रदीप सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। आयोजन को ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक जागरूकता बढ़ाने और महिलाओं व बच्चों के अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

अबूझमाड़ की बेटी खुशबू नाग ने जीता गोल्ड

विश्व केसरी■

नारायणपुर। भारत मंडपम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय 'द्व।स्त्र शेरू क्लासिक 2026' में छत्तीसगढ़ की खुशबू नाग ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने वीमेन फिजिक इंटरनेशनल कैटेगरी में न सिर्फ गोल्ड मेडल हासिल किया, बल्कि कड़े वैश्विक मुकाबले के बीच ओवरऑल चैंपियन का खिताब भी अपने नाम कर लिया।

अबूझमाड़ जैसे सुदूर और बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे क्षेत्र से निकलकर अंतरराष्ट्रीय पटल पर देश का नाम चमकाने वाली खुशबू की इस कामयाबी ने बस्तर समेत पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया है। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में दुनिया भर के नामी एथलीटों ने हिस्सा लिया था, जहां खुशबू ने अपनी

बेहतरीन फिटनेस, कड़ी तैयारी और गजब के आत्मविश्वास से निर्णायकों को खासा प्रभावित किया। उनकी इस ऐतिहासिक जीत के बाद नारायणपुर पहुंचने पर स्थानीय नागरिकों, खेल प्रेमियों और सामाजिक संगठनों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। बस्तर संभाग में इस समय जश्न का माहौल है और लोग इसे क्षेत्र के खेल इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय मान रहे हैं। खुशबू का यह सफर अब देश के युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा बन चुका है, जिसने यह साबित कर दिया कि अगर इरादे मजबूत हों, तो सीमित संसाधनों के बीच भी वैश्विक मंच पर परचम लहराया जा सकता है।

धार्मिक आयोजन में काम करने वालें को मिला 6 करोड़ का टेंडर

विश्व केसरी■

अम्बिकापुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को लेकर अंबिकापुर में बड़ी अनियमितता सामने आई है। जहां सरकारी आयोजन के लिए 6 करोड़ रुपये का काम बिना किसी टेंडर प्रक्रिया के चहेते ठेकेदार को दे दिया गया हैं। यह सीधे-सीधे प्रशासनिक पारदर्शिता और वित्तीय नियमों से खिलवाड़ हैं।

सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि 16 जून को राज्य सरकार द्वारा योग दिवस आयोजन के निर्देश जारी किए गए, 17 जून को बजट स्वीकृत हुआ और उसी रात लगभग 11 बजे कलेक्टर कार्यालय से आधिकारिक आदेश जारी कर क्क्ष्ष्ठ के कार्यपालन अभियंता वीरेंद्र चौधरी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया। लेकिन जब मौके पर पड़ताल की गई, तब तक आयोजन स्थल पर विशालकाय डोम टेंट लगभग तैयार अवस्था में नजर आया। यह भी जानकारी सामने आई है कि प्रदेश सरकार द्वारा आयुष विभाग को 6 करोड़ की राशि भी दी जा चुकी है। ऐसे में सवाल यह है कि जब आदेश ही जारी नहीं हुआ था, तब करोड़ों रुपये का काम किसके निर्देश पर शुरू कर दिया। लगभग 1 लाख वर्ग फीट क्षेत्र में वॉटरप्रूफ जर्मन डोम टेंट लगाया जा रहा है, जिसकी लागत करोड़ो रुपये बताई जा रही है। सरकारी नियमों के अनुसार इतनी बड़ी राशि के कार्य के लिए ई-टेंडरिंग अनिवार्य होती है, लेकिन यहां किसी सार्वजनिक निविदा प्रक्रिया की जानकारी सामने नहीं आई है।

अंबिकापुर में वेंडर नहीं मिले या खेल कुछ और है?

आरोप यह भी है कि अंबिकापुर और सरगुजा संभाग में बड़े आयोजन करने वाले कई अनुभवी वेंडर्स मौजूद हैं, इसके बावजूद काम स्थानीय व्यवसायियों को न देकर बिलासपुर के एक वेंडर को सौंप दिया गया। इससे स्थानीय व्यापारियों में भारी नाराजगी है।

मंत्री के करीबी को फायदा?

बताया जा रहा है कि जिस वेंडर को यह काम दिया गया है, वह पहले एक मंत्री के निजी धार्मिक कार्यक्रमों में भी पंडाल लगाने का काम कर चुका है। उन्हें मंत्री के यहां सफल आयोजन कराने का इनाम दिया गया।

कांकेर एसपी ने ली पुलिस अधिकारियों की समीक्षा बैठक

कांकेर। जिले के पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा ने गुरूवार को पुलिस कार्यालय कांकेर में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना एवं चौकी प्रभारियों की समीक्षा बैठक लेकर कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, सामुदायिक पुलिसिंग और पुलिस कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जिले में अपराधों की रोकथाम, जनता के साथ बेहतर समन्वय तथा पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। बेहतर कार्य करने वाले 12 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कॉप ऑफ द मंथ सम्मान से सम्मानित किया गया। कांकेर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा अपराध संबंधी सूचना की जानकारी पुलिस हेल्पलाइन नंबर 94791-55125 पर दें।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार पांचवे दिन तेजी जारी, सेंसेक्स 254 अंक उछलकर बंद

विश्व केसरी ■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के सत्र में लगातार पांचवे दिन तेजी के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 254.36 अंक या 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,409.98 और निफ्टी 82.30 अंक या 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,168.00 पर था।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 255.90 अंक या 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 62,379.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 82.40 अंक या 0.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,705.60 पर बंद हुआ।

बाजार में तेजी का नेतृत्व हेल्थकेयर और रियल्टी ने किया। सूचकांकों में निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी रियल्टी टॉप गेनर थे।

निफ्टी पीएसई, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मीडिया, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सर्विसेज गेनर्स थे।

वहीं, निफ्टी आईटी, निफ्टी मेटल और निफ्टी ऑयलएंडगैस लाल निशान में बंद हुए।

सेंसेक्स पैक में इंडिगो, ट्रेंट, बीईएल, एनटीपीसी, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, एचयूएल, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, सन फार्मा, एमएंडएम और आईटीसी गेनर्स थे। इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, टीसीएस, एलएंडटी, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन और भारती एयरटेल लूजर्स थे।

बाजार के जानकारों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार ने सत्र में एक सीमित दायरे में सकारात्मक रुख के कारोबार किया, क्योंकि अमेरिका-ईरान शांति समझौते को लेकर शुरुआती उत्साह यूएस फेड के सख्त बयानों से कुछ कम हो गया है। ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई का दबाव बढ़ सकता है, जिससे केंद्रीय बैंक साल के आखिरी हिस्से में ब्याज दरें बढ़ाने पर विचार कर सकते हैं; ऐसे में निवेशक सतर्क रुख अपना सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट और भारतीय बॉन्ड यील्ड में नरमी से वित्त वर्ष 27 की दूसरी छमाही में महंगाई से जुड़ी चिंताएं कम हो सकती हैं, लेकिन बाजार अभी शांति समझौते पर और स्पष्टता का इंतजार कर रहा है।

अमेरिकी फेड के फैसले के बाद कीमती धातुओं में बड़ी गिरावट, सिल्वर 2.5 प्रतिशत से ज्यादा फिसला

विश्व केसरी ■

मुंबई । अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर होने और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर को अपरिवर्तित रखने के बाद गुरुवार के कारोबारी सत्र में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली।

गुरुवार के कारोबारी सत्र में एमसीएक्स सिल्वर जुलाई फ्यूचर्स अपने पिछले बंद 2,51,807 रुपए से 2.5 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर दिन के 2,44,495 रुपए प्रति किलोग्राम के दिन के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया, जबकि आज यह चांदी 2,48,000 पर खुला था।

खबर लिखे जाने तक (सुबह करीब 11.43 बजे) जुलाई डिलीवरी वाली चांदी 7,057 रुपए यानी 2.80 प्रतिशत गिरकर 2,44,750 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती नजर आई।

वहीं, एमसीएक्स पर अगस्त डिलीवरी वाले सोने के वायदा भाव खबर लिखे जाने तक 2,378 रुपए यानी 1.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,51,501 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता नजर आया।

दिन के कारोबार में यह सोना अपने पिछले बंद 1,53,879 से 1.64 प्रतिशत गिरकर 1,51,348 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

वैश्विक बाजार में, अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम शांति समझौते पर हस्ताक्षर होने के कारण सोने-चांदी की कीमतों में वृद्धि हुई, हालांकि फेडरल रिजर्व ने साल के अंत में ब्याज दरों में बढ़ोतरी का संकेत दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फ्रांस में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान वर्साय पैलेस में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ भोजन करते हुए शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। ईरान की ओर से राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने हस्ताक्षर किए।

इस समझौते से वैश्विक ऊर्जा संकट में कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, जिसने मुद्रास्फीति की चिंताओं और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की अटकलों को जन्म दिया है। समझौते के बावजूद, यह अनिश्चितता बनी हुई है कि ईंधन की कीमतें कितनी जल्दी कम हो सकती हैं।

केंद्र ने ईपीएफ पर वित्त वर्ष 26 के लिए 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर को दी मंजूरी, 7 करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर को होगा फायदा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जमा पर वित्त वर्ष 26 के लिए 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर को मंजूरी दे दी है। इससे कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में योगदान देने वाले 7 करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर्स को फायदा होगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईपीएफओ की निर्णय लेने वाली इकाई सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्ट (सीबीटी) द्वारा 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर को वित्त मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है।

ईपीएफ पर ब्याज दर इस महीने के आखिर में क्रेडिट हो सकती है।

केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता वाली सीबीटी ने 2 मार्च, 2026 को वित्त वर्ष 2026 के लिए ईपीएफ पर ब्याज दर को 8.25 प्रतिशत पर बनाए रखने का फैसला किया था।

यह लगातार तीसरा साल है जब रिटायरमेंट फंड बॉडी ने अपने सब्सक्राइबर्स के लिए ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया है।

सीबीटी के फैसले के बाद, मंजूरी के लिए प्रस्ताव वित्त मंत्रालय को भेजा गया था, क्योंकि सरकार ईपीएफ जमा राशि की गारंटी देती है।

मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद, अब ईपीएफओ सदस्यों के खातों में ब्याज जमा करने की प्रक्रिया शुरू कर सकता है।

यह खबर ऐसे समय पर सामने आई है, जब सरकारी संस्था ??अपने आने वाले ईपीएफओ ??3.0 प्लेटफॉर्म के तहत बड़े डिजिटल सुधार लागू करने की तैयारी कर रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईपीएफओ एक ऐसी सुविधा शुरू करेगी जिससे सब्सक्राइबर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ऐप्स और ईपीएफ से जुड़े खाते के एटीएम के जरिए प्रोविडेंट फंड का पैसा निकाल सकेंगे।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के साथ मिलकर तैयार की जा रही इस नई सुविधा को जल्द ही लॉन्च किए जाने की संभावना है। इस सिस्टम की टेस्टिंग पूरी हो चुकी है और इसके शुरू होने के बारे में जल्द ही आधिकारिक घोषणा की उम्मीद है।

प्रस्तावित सिस्टम के तहत, सब्सक्राइबर यूपीआई-इनेबल्ड प्लेटफॉर्म और एमटीएम एक्सेस का इस्तेमाल करके अपने ईपीएफ बैलेंस का 75 प्रतिशत तक हिस्सा सीधे अपने बैंक अकाउंट में तुरंत निकाल सकेंगे।

अमेरिकी फेड के रुख से अच्छी कंपनियों में निवेश का मौका: विशेषज्ञ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा लगातार चौथी बैठक में ब्याज दरों को स्थिर रखने का फैसला बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहा। हालांकि, फेड के नए आर्थिक अनुमानों से यह संकेत मिला है कि ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रह सकती हैं। ऐसा विशेषज्ञों ने गुरुवार को कहा।

विशेषज्ञों के अनुसार, फेड के नीति निर्माताओं में मतभेद अभी भी बने हुए हैं। लगभग आधे सदस्य इस साल कम से कम एक और बार ब्याज दर बढ़ाने के पक्ष में हैं। साथ ही, महंगाई के बढ़े हुए अनुमान और आर्थिक वृद्धि दर (जीडीपी) के कमजोर अनुमान यह दिखाते हैं कि फेड की प्राथमिकता अभी भी महंगाई पर नियंत्रण रखना है, भले ही इससे आर्थिक विकास की रफ्तार कुछ धीमी पड़ जाए।

एक्सिस डायरेक्ट के रिसर्च प्रमुख राजेश पलविया ने कहा कि वैश्विक शेयर बाजारों के लिए फेड का संदेश कुछ हद तक सख्त (हॉकिश) है, क्योंकि ब्याज दरों में जल्द कटौती की उम्मीदें अब और आगे खिसक गई हैं।

उन्होंने कहा, 'भारतीय शेयर बाजार के लिए निवेश का बुनियादी आधार अभी भी मजबूत बना हुआ है। मजबूत घरेलू आर्थिक संकेतक, कंपनियों के अच्छे नतीजे, एसआईपी के जरिए लगातार निवेश और सरकार द्वारा बढ़ाया जा रहा पूंजीगत खर्च भारतीय बाजार को समर्थन दे रहे हैं।'

पलविया के अनुसार, निकट अवधि में बाजार की दिशा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश और रुपए की चाल से प्रभावित हो सकती है, क्योंकि वैश्विक स्तर पर नकदी की उपलब्धता अभी भी सीमित बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि फेड के रुख से यदि बाजार में अस्थिरता आती है, तो इसे मध्यम और लंबी अवधि के नजरिए से मजबूत और गुणवत्तापूर्ण कंपनियों में निवेश का अवसर माना जाना चाहिए।फेड की दो दिवसीय बैठक के समापन पर, जो नए चेयरमैन केविन वॉर्श के नेतृत्व में पहली बैठक थी, केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों को 3.50 प्रतिशत से 3.75 प्रतिशत के दायरे में ही बनाए रखने का फैसला किया।

फेड के फैसले के बाद बुधवार को अमेरिकी शेयर बाजारों में गिरावट देखी गई, जबकि सरकारी बॉन्ड की प्रतिफल दरों (यील्ड) में तेज बढ़ोतरी हुई।

फेड ने ब्याज दरों को स्थिर रखा, लेकिन यह संकेत दिया कि महंगाई को नियंत्रित करने के लिए इस साल बाद में एक चौथाई प्रतिशत की और बढ़ोतरी की जरूरत पड़ सकती है।

इसका असर प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयरों पर भी दिखा। माइक्रोसॉफ्ट, मेटा प्लेटफॉर्म्स, अल्फाबेट और अमेजन जैसे बड़े तकनीकी शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं, एचडीएफसी सिक्योरिटीज के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट नंदीश शाह ने कहा कि फेड के कारण आई गिरावट के बाद अमेरिकी शेयर वायदा बाजार में फिर से तेजी देखी जा रही है।

टाटा मोटर्स ने कमर्शियल वाहनों के दाम 2.5 प्रतिशत तक बढ़ाए, 1 जुलाई से लागू होंगी नई कीमतें

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स (टीएमसीवी) ने अपने कमर्शियल वाहनों की कीमतों में 2.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है और नई कीमतें 1 जुलाई से लागू होंगी। यह जानकारी गुरुवार को कंपनी की ओर से दी गई।

एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने कहा कि इस बढ़ोतरी की वजह कमोडिटी की कीमतों में बढ़ोतरी होना और लागत का बढ़ना है। यह बढ़ोतरी अलग-अलग मॉडल पर विभिन्न होगी और 2.5 प्रतिशत तक सीमित होगी।

इस बढ़ोतरी से टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स भी उन कंपनियों में शामिल हो गई है, जिन्होंने मध्य पूर्व संकट के चलते कच्चे माल और लागत में बढ़ोतरी के कारण कीमतों में इजाफा किया है। इससे पहले, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल (टीएमपीवी) ने 12 जून को अपनी ईंधन (पेट्रोल, डीजल और सीएनजी) और इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतों में 1.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया। नई कीमतें एक जुलाई से लागू होंगी।

कंपनी की ओर से जारी की गई एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया कि कीमतों में बढ़ोतरी की वजह इनपुट लागत में बढ़ोतरी होना था।

टीएमपीवी ने कहा कि वह लागत में हुई बढ़ोतरी का एक बड़ा हिस्सा खुद वहन कर रही है, जबकि हालिया कीमत संशोधन के जरिए बढ़ोतरी का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डाल रही है।

कंपनी ने कहा कि कीमत में बढ़ोतरी अलग-अलग मॉडल और वैरिएंट के हिसाब से अलग-अलग होगी। वहीं, मध्य पूर्व तनाव के चलते मारुति सुजुकी और हुंडई मोटर इंडिया जैसी कंपनियां गाड़ियों की कीमतों में बढ़ोतरी कर चुकी हैं।

इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में, टीएमसीवी के मुनाफे में सालाना आधार पर 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई जबकि आय 22 प्रतिशत बढ़कर 24,452 करोड़ रुपए हो गया। इस दौरान कंपनी का एबिटा मार्जिन 13.90 प्रतिशत रहा है। कंपनी ने प्रति शेयर 4 रुपए का डिविडेंड भी घोषित किया।

एनएसई का आईपीओ एसबीआई और एलआईसी के लिए खोल सकता है बड़े मुनाफे का रास्ता, कई सरकारी वित्तीय संस्थानों को भारी लाभ

विश्व केसरी ■

मुंबई । रिपोर्ट्स के अनुसार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्रस्तावित प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) सहित कई सरकारी वित्तीय संस्थानों को भारी लाभ होने की उम्मीद है। साथ ही, यह जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के पास मौजूद हिस्सेदारी के वास्तविक मूल्य को भी सामने ला सकता है।

एनएसई द्वारा दाखिल ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार, एसबीआई ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के तहत 2.475 करोड़ शेयर बेचने की योजना बना रहा है।

यदि आईपीओ का मूल्य लगभग 2,000 रुपए प्रति शेयर तय होता है, तो एसबीआई की यह हिस्सेदारी करीब 5,000 करोड़ रुपए की हो सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, एसबीआई ने ये शेयर औसतन सिर्फ 0.80 रुपए प्रति शेयर की लागत पर खरीदे थे।

एनएसई के शुरुआती निवेशकों में शामिल कई अन्य सरकारी संस्थान भी इस आईपीओ से बड़ा लाभ कमाने की स्थिति में हैं।

एलआईसी, जो एनएसई की सबसे बड़ी शेयरधारक है और उसके पास 10.72 प्रतिशत हिस्सेदारी है, इस आईपीओ में शेयर बेचने वालों की सूची में शामिल नहीं है। फिर भी उसकी हिस्सेदारी का मूल्य निवेशकों का ध्यान आकर्षित कर सकता है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने एनएसई के शेयर औसतन 0.54 रुपए प्रति शेयर की लागत पर खरीदे थे। अनुमानित आईपीओ मूल्य के आधार पर वह करीब 2,197 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेच सकता है।

वहीं, स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड भी लगभग 2,178 करोड़ रुपए की हिस्सेदारी बेच सकता है, जबकि उसने अपने शेयर औसतन केवल 0.46 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर खरीदे थे।

द न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी और नेशनल इंश्योरेंस कंपनी ने एनएसई के शेयर औसतन 0.32 रुपए प्रति शेयर की लागत पर खरीदे थे।

अनुमानित आईपीओ मूल्य के अनुसार, न्यू इंडिया एश्योरेंस की पेशकश की जा रही हिस्सेदारी का मूल्य करीब 2,100 करोड़ रुपए होगा, जबकि नेशनल इंश्योरेंस कंपनी की हिस्सेदारी लगभग 1,200 करोड़ रुपए की हो सकती है।

केंद्रीय बजट 2026 के सुधारों से कूरियर सेक्टर को मिलेगा बड़ा बढ़ावा, ई-कॉमर्स निर्यातकों को होगा फायदा: उद्योग जगत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में यूनियन बजट 2026 में एक्सप्रेस (कूरियर) सेक्टर के लिए घोषित नीतिगत सुधारों पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान उद्योग जगत, सीमा शुल्क विभाग और व्यापार विशेषज्ञों ने भाग लिया और बजट में घोषित नई व्यवस्थाओं और उनके संभावित प्रभावों पर विस्तार से बात की।

इस दौरान, न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस (एफआईईओ) के महानिदेशक और सीईओ अजय सहाय ने कहा कि बजट 2026 में कूरियर आयात-निर्यात नियमों में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पहले ई-कॉमर्स के जरिए कूरियर और डाक माध्यम से होने वाले निर्यात पर 10 लाख रुपए की मूल्य सीमा लागू थी, लेकिन अब सरकार ने इस सीमा को समाप्त कर दिया है।

उन्होंने कहा कि इस फैसले से भारतीय निर्यातकों को काफी फायदा होगा, खासकर उन कंपनियों को जो उच्च मूल्य वाले उत्पादों का निर्यात करती हैं।

इससे भारतीय उत्पादों की वैश्विक बाजारों तक पहुंच और अधिक मजबूत होगी।

वहीं, ईआईसीआई के सीईओ विजय कुमार ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि बजट में घोषित सुधारों का मुख्य उद्देश्य कारोबार को आसान बनाना है। उन्होंने बताया कि उच्च मूल्य वाले उत्पादों के निर्यात पर लगी सीमा हटाने से निर्यातकों को कूरियर माध्यम से बड़े मूल्य की शिपमेंट भेजने में सुविधा मिलेगी।

इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय गंतव्य पर अस्वीकार होने वाली खेपों (रिटर्न-टू-ओरिजिन - आरटीओ) को वापस लाने की प्रक्रिया को भी सरल बनाया गया है। उनका मानना है कि ये सुधार व्यापार जगत के सामने आने वाली कई चुनौतियों को कम करेंगे और निर्यात गतिविधियों को नई गति देंगे।

गर्मी से राहत और माता के दर्शन, अंबाला से कटरा-जम्मू की ओर बढ़े कदम, जानिए क्या है किराया और समय

गर्मी के मौसम में देखा जा रहा है कि जम्मू कश्मीर और कटरा मां वैष्णो देवी दर्शन के लिए ज्यादातर लोग सफर कर रहे हैं. कोई माता के दरबार में हाजिरी लगाने की इच्छा लेकर निकल रहा है, तो कोई परिवार के साथ कुछ दिन ठंडी वादियों में सुकून के पल बिताने के लिए यात्रा पर जा रहा है.

अंबाला: तपती धूप, 40 डिग्री सेल्सियस से पार पहुंच चुका तापमान और गर्म हवाओं के थपेड़ों के बीच लोगों को अब सुकून की तलाश पहाड़ों और आस्था के द्वार तक ले जा रही है. हरियाणा के अंबाला से इन दिनों बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक श्री माता वैष्णो देवी दरबार कटरा और जम्मू की ओर रुख कर रहे हैं.

बता दें कि कोई माता के दरबार में हाजिरी लगाने की इच्छा लेकर निकल रहा है, तो कोई परिवार के साथ कुछ दिन ठंडी वादियों में सुकून के पल बिताने के लिए यात्रा पर जा रहा है. ऐसे में भीषण गर्मी के इस मौसम में अंबाला छावनी बस स्टैंड पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ इस बदलते रुझान की गवाही दे रही है. सुबह से लेकर देर रात तक कटरा और जम्मू जाने वाली बसों में यात्रियों की अच्छी खासी संख्या देखने को मिल रही है.

धार्मिक यात्रा के लिए जम्मू कश्मीर जा रहे लोग

स्कूलों की छुट्टियां शुरू होने के बाद से ही परिवार अपने बच्चों के साथ धार्मिक यात्रा को पर्यटन से जोड़ते हुए जम्मू-कश्मीर को प्राथमिकता दे रहे हैं. वहीं कटरा की पहाड़ियों की हरियाली, ठंडी हवाएं और माता वैष्णो देवी के दरबार की आस्था लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है.

श्री माता वैष्णो देवी दरबार की ओर अधिक यात्रा

वहीं इस बारे में लोकल 18 को ज्यादा जानकारी देते हुए अंबाला छावनी बस स्टैंड के स्टैंड इंचार्ज बहादुर सिंह ने बताया कि गर्मी के इस मौसम में कटरा और जम्मू जाने वाले यात्रियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है. उन्होंने बताया कि श्री माता वैष्णो देवी दरबार में दर्शन के लिए श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं, जिसके चलते इस रूट पर हरियाणा रोडवेज की रोजाना 12 बसें नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं.

उन्होंने बताया कि ये बसें दिल्ली से चलकर अंबाला होते हुए लुधियाना, फगवाड़ा, जालंधर, पठानकोट और जम्मू के रास्ते कटरा पहुंचती हैं. वहीं अंबाला से कटरा तक का किराया 665 रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि जम्मू तक का किराया लगभग 600 रुपये है. यात्रियों को टिकट के लिए किसी प्रकार की एडवांस बुकिंग की आवश्यकता नहीं होती और बस में बैठने के बाद कंडक्टर की ओर से टिकट जारी किया जाता है.

इतनी सीटों की व्यवस्था

बहादुर सिंह ने बताया कि प्रत्येक बस में 52 सीटों की व्यवस्था की गई है और महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों की सुविधा भी उपलब्ध है. जबकि वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों को नियमानुसार किराए में विशेष छूट दी जाती है।

दुनिया के 5 देश जहां फैला है सड़कों का सबसे बड़ा नेटवर्क, जानें किस नंबर पर है भारत?

किसी भी देश के विकास में सड़क नेटवर्क अहम भूमिका निभाता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि किस देश में दुनिया का सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क है? आइए जानते हैं.

किसी भी देश के विकास में सड़क नेटवर्क अहम भूमिका निभाते हैं. सड़कें न सिर्फ़ लोगों को जोड़ती हैं और एक जगह से दूसरी जगह आने-जाने में मदद करती हैं, बल्कि व्यापार, उद्योग और पर्यटन को भी बढ़ावा देती हैं. दुनिया भर में ऐसे कई देश हैं जहां सड़क नेटवर्क लाखों किलोमीटर तक फैले हुए हैं. आइए जानते हैं सबसे बड़े सड़क नेटवर्क वाले 5 देशों पर और देखते हैं कि इस लिस्ट में भारत कहां है...

अमेरिका : अमेरिका में दुनिया का सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क माना जाता है. यहां सड़कों की कुल लंबाई 6.8 मिलियन किलोमीटर से ज़्यादा है. अपने बड़े हाईवे सिस्टम और इंफ्रास्ट्रक्चर की वजह से, अमेरिका को ट्रांसपोर्टेशन सेक्टर में लीडर माना जाता है.

भारत: भारत के पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क है. देश में सड़कों की कुल लंबाई 6.6 मिलियन किलोमीटर से ज़्यादा बताई जाती है. इस नेटवर्क में नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे और ग्रामीण सड़कें शामिल हैं. हाल के सालों में, एक्सप्रेसवे और हाईवे के विकास ने इस इंफ्रास्ट्रक्चर को और मज़बूत किया है.

चीन: चीन का सड़क नेटवर्क भी तेज़ी से बढ़ रहा है, जिसकी कुल लंबाई 5.2 मिलियन किलोमीटर से ज़्यादा है. यह देश अपने आधुनिक एक्सप्रेसवे और बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए दुनिया भर में मशहूर है.

ब्राज़ील: दक्षिण अमेरिका का सबसे बड़ा देश, ब्राज़ील, सड़क नेटवर्क के आकार के मामले में चौथे नंबर पर है. लाखों किलोमीटर तक फैली सड़कें देश के अलग-अलग हिस्सों को जोड़ती हैं, हालांकि कई इलाकों में अभी भी सड़कों का निर्माण और विकास चल रहा है.

भारत की उपलब्धि क्यों अहम है?: भारत का सड़क नेटवर्क देश के विशाल भौगोलिक विस्तार और बड़ी आबादी को जोड़ने में अहम भूमिका निभाता है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, भारतमाला परियोजना और नए एक्सप्रेसवे के निर्माण जैसी पहलों ने भारत को सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है.(Disclaimer : इस खबर में दी गई जानकारी और सलाह विशेषज्ञों से हुई बातचीत पर आधारित है. ये सामान्य जानकारी है, व्यक्तिगत सलाह नहीं।

इसलिए किसी भी सलाह को अपनाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें. किसी भी नुकसान के लिए न्यूज-18 जिम्मेदार नहीं रहेगा।

प्यार में बार-बार मिल रहा है धोखा? कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये 5 भूलें, जानें बचने के आसान टिप्स

प्यार में एक बार धोखा मिले तो किस्मत, लेकिन अगर बार-बार मिलने लगे... तो कहीं न कहीं हमारी अपनी कुछ गलतियां और पैटर्न्स जिम्मेदार होते हैं. अगर आप भी इसी दर्द से गुजर रहे हैं और समझना चाहते हैं कि आखिर हर बार गलत इंसान ही लाइफ में क्यों आ जाता है, तो ये 5 टिप्स आपके बहुत काम आएंगे. जानिए कैसे पहचानें रेड फ्लैग्स और खुद को इस टॉक्सिक चक्रव्यूह से बचाएं.

प्यार में बार-बार धोखा मिलना किसी भी इंसान को अंदर से तोड़कर रख देता है. जब एक ही तरह का कड़वा अनुभव बार-बार होने लगे, तो मन में यह सवाल उठना लाजमी है कि 'आखिर हर बार मेरे साथ ही ऐसा क्यों होता है?' रिलेशनशिप एक्सपर्ट्स और मनोवैज्ञानिकों (Psychologists) का मानना है कि बार-बार धोखा मिलने के पीछे सिर्फ सामने वाले की गलती नहीं होती, बल्कि अनजाने में हमारी अपनी भी कुछ ऐसी आदतें या भूलें होती हैं, जो गलत इंसान को हमारे करीब आने का मौका देती हैं. अगर आप भी इस दर्द से गुजर रहे हैं, तो चलिए एक्सपर्ट्स के सोर्स और रिलेशनशिप गाइडलाइंस के आधार पर समझते हैं कि वो कौन सी गलतियां हैं जिन्हें सुधारकर आप इस चक्रव्यूह से बाहर निकल सकते हैं.

क्यों मिलता है बार-बार धोखा?

मनोविज्ञान के अनुसार, हम अक्सर अनजाने में उन पैटर्न्स को दोहराते हैं जिनसे हम वाकिफ होते हैं. यहाँ 5 मुख्य कारण और टिप्स दिए गए हैं जो आपको इस स्थिति से बचा सकते हैं:

रेड फ्लैग्स (Red Flags) को नजरअंदाज करना

शुरुआत में जब पार्टनर का व्यवहार अजीब होता है या वो झूठ बोलता है, तो लोग अक्सर उसे 'अरे, छोटी सी बात है' या 'वह बदल जाएगा/जाएगी' कहकर टाल देते हैं.

चेतावनी के संकेतों को पहचानें. एक्सपर्ट्स कहते हैं कि जो इंसान शुरुआत में आपके प्रति सम्मान नहीं दिखा रहा या जिसके शब्दों और एक्शन में तालमेल नहीं है, वह आगे चलकर आपको धोखा दे सकता है. पहली बार में ही सीमाएं (Boundaries) तय करें.

खुद से ज्यादा सामने वाले को अहमियत देना (People Pleasing)

अपने पार्टनर को खुश रखने के चक्कर में अपनी खुशियों, आत्मसम्मान और इच्छाओं का गला घोंट देना. जब आप खुद को 'कम' आंकने लगते हैं, तो सामने वाला आपको टेकन फॉर ग्रांटेड (Taken for granted) लेने लगता है.

सेल्फ-लव (स्द्मद्यद्ध-स्थ्1द्र) को प्राथमिकता दें. एक स्वस्थ रिश्ते की बुनियाद बराबरी पर टिकी होती है. जब आप खुद से प्यार और अपना सम्मान करेंगे, तभी सामने वाला भी आपकी वैल्यू समझेगा.

अकेलेपन के डर से जल्दबाजी में फैसला लेना

कई बार लोग अकेले रहने के डर से या पुराने ब्रेकअप के दर्द (Rebound Relationship) को मिटाने के लिए बिना सोचे-समझे नए रिश्ते में कूद जाते हैं. वे इंसान को नहीं, बल्कि सिर्फ एक 'साथ' को चुनते हैं।

रिश्ते में आने की जल्दी न करें. किसी को भी अपना दिल देने से पहले उसे अच्छी तरह जानने-समझने के लिए पूरा वक्त लें. इमोशनल डिपेंडेंसी (भावनात्मक निर्भरता) से बचें।

एसी के साथ पंखा चलाना चाहिए या नहीं? जानिए क्या है सही तरीका, बिजली बिल कम करने और ज्यादा ठंडक पाने का फॉर्मूला

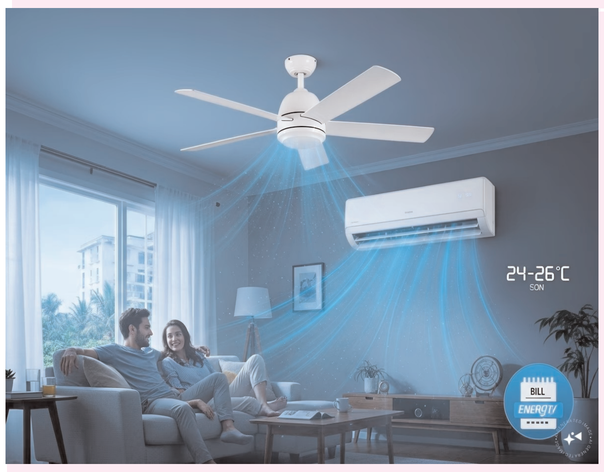

एसी के साथ सीलिंग-फ़ैन चलाने से ठंडी हवा पूरे कमरे में बेहतर तरीके से फैलती है. इससे ठंडा ज्यादा आरामदायक महसूस होती है और एसी पर दबाव कम पड़ सकता है. सही तापमान सेटिंग अपनाकर बिजली की बचत भी की जा सकती है.

गर्मी शुरू होते ही घर में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाली चीज अगर कोई है, तो वो एसी है, लेकिन कई लोग एक बात को लेकर हमेशा कन्फ्यूज रहते हैं कि एसी चलाते वक्त सीलिंग-फ़ैन ऑन रखना चाहिए या नहीं? कुछ लोगों को लगता है कि इससे बिजली ज्यादा खर्च होती है, जबकि कुछ लोग इसे बेहतर ठंडा करने का राज मानते हैं. असल में सही तरीका पता हो, तो एसी और पंखे का कॉम्बिनेशन आपके कमरे को जल्दी ठंडा करने के साथ बिजली की बचत भी कर सकता है. कई बार एसी लगातार चलने के बाद भी कमरे के कुछ हिस्सों में गर्मी महसूस होती रहती है.

इसकी वजह खराब एयर सर्कुलेशन होती है. ऐसे में सीलिंग-फ़ैन या स्टैंड पंखा ठंडी हवा को पूरे कमरे में फैलाने में मदद करता है, अगर आप भी हर महीने बढ़ते बिजली बिल और कम ठंडा से परेशान हैं, तो यह आसान टिप आपके काफी काम आ सकती है. सही तापमान सेटिंग और पंखे उपयोग करने का तरीका अपनाकर आप ज्यादा आरामदायक ठंडा अनुभव पा सकते हैं.

एसी के साथ पंखा चलाना सही है या नहीं?

हां, एसी के साथ पंखा चलाना बिल्कुल सही माना जाता है. सीलिंग-फ़ैन हवा को तेजी से सर्कुलेट करता है, जिससे एसी की ठंडी हवा कमरे के हर कोने तक पहुंचती है. जब सिर्फ एसी चलता है, तो कई बार ठंडी हवा एक जगह तक सीमित रह जाती है. वहीं पंखा उस हवा को पूरे कमरे में बराबर फैलाने का काम करता है. इससे कमरा जल्दी ठंडा महसूस होता है और एसी पर ज्यादा दबाव भी नहीं पड़ता. कैसे काम करता है एसी और पंखा का कॉम्बिनेशन? एसी हवा को ठंडा करता है, जबकि पंखा उस हवा को फैलाने का काम करता है. यही वजह है कि दोनों साथ चलाने पर ठंडा ज्यादा बेहतर महसूस होती है.

इसके कुछ बड़े फायदे हैं

कमरे में हर जगह बराबर ठंडक महसूस होती है. एसी का तापमान 24-26एष्ट पर रखने पर भी अच्छा आराम मिलता है. बिजली की खपत कम हो सकती है. उमस और चिपचिपाहट कम महसूस होती है. एसी को लगातार हाई ठंडा पर चलाने की जरूरत नहीं पड़ती.

क्या इससे बिजली बिल बढ़ता है?

यह सबसे बड़ा सवाल होता है. सच यह है कि सीलिंग-फ़ैन बहुत कम बिजली खर्च करता है. दूसरी तरफ एसी ज्यादा बिजली लेता है. जब पंखा हवा को तेजी से फैलाता है, तो एसी को ज्यादा देर तक एक्स्ट्रा ठंडा देने की जरूरत नहीं पड़ती. ऐसे में आप एसी का तापमान थोड़ा बढ़ाकर भी आराम महसूस कर सकते हैं. यही तरीका बिजली बचाने में मदद करता है.

सही ठंडा के लिए अपनाएं ये आसान टिप्स

अगर आप एसी और पंखा का पूरा फायदा लेना चाहते हैं, तो कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

सुनील ग्रोवर ने योग को बताया जीवन का सबसे लाभदायक निवेश, आयुष मंत्रालय ने शेयर किया वीडियो

विश्व योग दिवस 2026 के आयोजन में अब केवल सात दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में आयुष मंत्रालय देशभर के लोगों को योग के प्रति जागरूक करने और उन्हें नियमित रूप से योग अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। इसी कड़ी में मंत्रालय ने अभिनेता और कॉमेडियन सुनील ग्रोवर का एक प्रेरणादायक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें ग्रोवर योग को जीवन का सबसे लाभदायक निवेश बताते नजर आए।

इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'हेल्दी एजिंग के लिए योग' रखी गई है। इसका उद्देश्य लोगों को यह संदेश देना है कि बढ़ती उम्र में भी स्वस्थ और सक्रिय जीवन जीने के लिए योग बेहद महत्वपूर्ण है। मंत्रालय लगातार विभिन्न क्षेत्रों की प्रसिद्ध हस्तियों के वीडियो पोस्ट कर लोगों तक योग का संदेश पहुंचा रहा है।

आयुष मंत्रालय द्वारा साझा किए गए वीडियो में सुनील ग्रोवर बेहद सरल और मजाकिया अंदाज में योग के महत्व को समझाते नजर आए। वीडियो में वह कहते हैं, मेरे पास एक बहुत अच्छा बिजनेस आइडिया है। उन्होंने कहा, 'आपने सुना होगा कि हेल्थ इज वेल्थ। इसलिए योग कीजिए। साल के 365 दिन योग कीजिए और स्वस्थ रहिए। जब आप स्वस्थ होंगे तो धन भी कमा सकेंगे और जीवन का आनंद भी उठा सकेंगे।'

मंत्रालय ने वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि जब देश का पसंदीदा मनोरंजन कलाकार कोई वेलनेस टिप देता है तो वह निश्चित रूप से लोगों को प्रेरित करती है। मंत्रालय ने योग को ऐसा निवेश बताया है, जिसका लाभ पूरे जीवन मिलता है। संदेश में कहा गया कि यदि स्वास्थ्य ही असली संपत्ति है, तो प्रतिदिन योग करना एक उच्च लाभ देने वाला निवेश है। यह निवेश मानसिक शांति, शारीरिक मजबूती और बेहतर जीवनशैली के रूप में सकारात्मक परिणाम देता है।

आयुष मंत्रालय का मानना है कि योग केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवनशैली है, जो शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने में मदद करती है।

विश्व योग दिवस 2026 के अवसर पर मंत्रालय लोगों से नियमित योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील कर रहा है।

गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर वर्ष 21 जून को मनाया जाता है। इस अवसर पर देश और दुनिया में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

सनबर्न का कारण क्या है? जानें अल्ट्रावॉयलेट किरणों से त्वचा को कैसे बचाएं

सूर्य पृथ्वी पर जीवन का मुख्य स्त्रोत है, जो प्रकाश और ऊर्जा प्रदान करता है। लेकिन, इसकी कुछ किरणें त्वचा के लिए हानिकारक भी हो सकती हैं। गर्मियों में तेज धूप में ज्यादा देर रहने से त्वचा लाल हो जाना, जलन, सूजन और दर्द जैसी समस्या हो जाती है, जिसे सनबर्न कहते हैं। सवाल यह है कि आखिर सूर्य की किरणें त्वचा को क्यों जलाती हैं?

सूर्य से निकलने वाली रोशनी विभिन्न प्रकार की किरणों से मिलकर बनी होती है। इनमें इन्फ्रारेड किरणें गर्मी देती हैं, विजिबल लाइट हमें दिखाई देती है, लेकिन सबसे

खतरनाक होती हैं अल्ट्रावॉयलेट (यूवी) किरणें। ये किरणें हमारी आंखों से दिखाई नहीं देतीं, लेकिन इनमें बहुत अधिक ऊर्जा होती है। जब ये किरणें त्वचा पर पड़ती हैं तो त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती हैं। कोशिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। शरीर इस क्षति पर प्रतिक्रिया स्वरूप सूजन और दर्द पैदा करता है, जो सनबर्न के रूप में सामने आता है।

खास बात यह है कि यूवी किरणें सिर्फ सीधी धूप में ही नहीं, बल्कि पानी, बर्फ, रेत या कंक्रीट से टकराकर वापस लौट सकती हैं। बादलों के पार भी ये किरणें आसानी से पहुंच जाती हैं। इसलिए छाते के नीचे बैठे रहने या बादल वाले दिन भी सनबर्न का खतरा बना रहता है। लंबे समय तक यूवी किरणों के संपर्क में रहने से त्वचा का कैंसर तक हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, सनबर्न से बचाव के लिए कुछ सरल उपाय अपनाए जा सकते हैं। सुबह 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक धूप में कम निकलें। पूरे शरीर को ढकने वाले हल्के रंग के कपड़े पहनें। चौड़ी किनारे वाली टोपी और सनग्लासेस का इस्तेमाल करें। एसपीएफ 30 या इससे ज्यादा वाला सनस्क्रीन पूरे शरीर पर लगाएं और हर 3-4 घंटे में दोबारा लगाएं। भरपूर पानी पीकर शरीर को हाइड्रेट रखें।

सनबर्न होने पर तुरंत ठंडे पानी से प्रभावित जगह को सेंकें। मॉइश्चराइजर लगाएं और अगर जलन ज्यादा हो तो डॉक्टर से सलाह लें। सूर्य विटामिन डी देता है।

AI से बनी फर्जी तस्वीरों पर भड़कीं प्रीति जिंटा

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ पहुंचीं बॉम्बे हाई कोर्ट

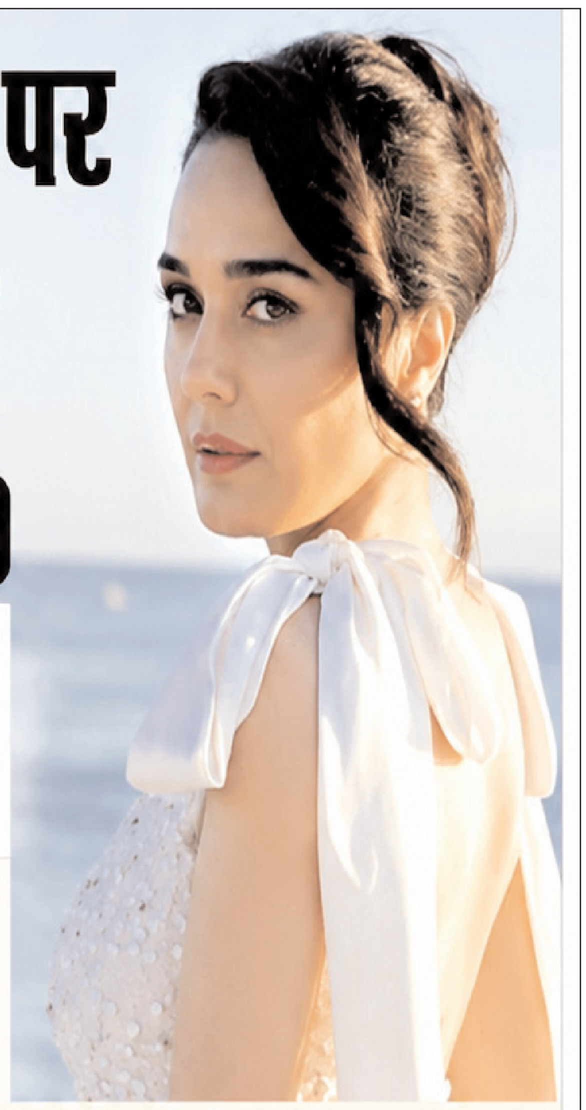

मुंबई। डिजिटल दुनिया के बढ़ते दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के गलत इस्तेमाल के मुद्दे को लेकर अब अभिनेत्री प्रीति जिंटा बॉम्बे हाई कोर्ट पहुंची हैं। उन्होंने मेटा और गूगल जैसी बड़ी ऑनलाइन कंपनियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं कि उनकी अनुमति के बिना एआई की मदद से उनकी नकली तस्वीरें और कंटेंट बनाए गए और उन्हें इंटरनेट पर फैलाया गया, जिससे उनकी छवि को नुकसान पहुंचा है।

प्रीति जिंटा ने अपनी याचिका में कहा है कि उनके नाम और पहचान का गलत इस्तेमाल किया गया है, जिससे उनकी पर्सनैलिटी राइट्स के अधिकारों का उल्लंघन हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया है कि इन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर एआई से बना कंटेंट बड़े स्तर पर फैलाया गया, जिसे लोग असली मान सकते हैं और इससे गलतफहमी पैदा होती है।

अभिनेत्री ने कहा कि कॉपीराइट कानून 1957 के तहत उनके नैतिक अधिकारों का भी उल्लंघन हुआ है। उनकी छवि और पहचान का उपयोग बिना अनुमति के किया गया, जो कानूनन गलत है। इस मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट के जस्टिस अभय आहूजा की बेंच ने उनकी याचिका पर विचार करते हुए उन्हें आगे मुकदमा दायर करने की अनुमति दे दी है।

अदालत ने कहा की कि इस मामले में शामिल ऑनलाइन कंपनियों के ऑफिस कई अलग-अलग शहरों और देशों में मौजूद हैं। इसलिए मामले का कुछ हिस्सा अदालत के अधिकार क्षेत्र से बाहर भी जा सकता है।

AI कंटेट से फैंल रही गलतफहमियां

याचिका में आरोप लगाया गया है कि AI से बना कंटेंट दई स्तर पर फैलाया गया, जिसे लोग असली मान सकते हैं और इससे गलतफहमी पैदा होती है।

कॉपीराइट कानून का हवाला

अभिनेत्री ने कहा कि कॉपीराइट कानून 1957 के तहत उनके नैतिक अधिकारों का भी उल्लंघन हुआ है। उनकी छवि श्व उपयोग बिना अनुमति के किया गया, जो कानूनन गलत है।

हाई कोर्ट ने दी अनुमति

बॉम्बे हाई कोर्ट के जस्टिस अभिय आहुजा की बेंच ने याचिका पर विचार करते हुए उन्हें आगे मुकदमा दायर क-रने की अनुमति दे दी है।

अधिकार क्षेत्र पर टिपण्णी

कोर्ट ने कहा कि ऑनलाइन कंपनियों के ऑफिस कई शहरों और देशों में हैं, इसलिए मामले का कुकु हिस्सा अदालत के अधिकार क्षेत्र से बाहर भी जा सकता है, लेकिफ फिर भी कोर्ट पुरा फिसला करेगा।

पहचान और अधिकारों का उल्लंघन

प्रीति जिंटा ने कहा कि उनके नाम और पहचान का गलत इस्तेमाल किया गया है, जिससे उनकी पर्सनैलिटी राइट्स के अधिकारों का उल्लंघन हुआ है।

> मेरी छबि और पहचान का बिना अनुमति इस्तेमाल किया गया। घह न क्व केवल मेरे अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि मेरे प्रशंसकों को भी गुमराह करता है।
>
> – प्रीति जिंटा

बेटी सारा के लिए राज अर्जुन का भावुक पोस्ट, बोले- तुम्हारे आने से मेरी जिंदगी बदल गई

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। एक्ट्रेस सारा अर्जुन के जन्मदिन पर उनके पिता, एक्टर राज अर्जुन ने उनके लिए एक इमोशनल नोट लिखकर बधाई दी। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए इस दिल को छू लेने वाले मैसेज में उन्होंने बताया है कि कैसे सारा के आने से उनकी जिंदगी बदल गई और उसमें खुशी और मतलब भर गया। राज अर्जुन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर अपनी बेटी के साथ कुछ खास तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, 'सारा, मेरी बच्ची... आज तुम्हारी सालगिरह है। जब भी तुम्हारा नाम लिखने बैठता हूं, हर बार कोई नज़्म-सी बनने लगती है। शायद इसलिए कि कुछ नाम सिर्फ नाम नहीं होते, वे एक एहसास होते हैं, एक दुआ, एक सुकून, एक पूरा आसमान।'

उन्होंने आगे कहा, 'तुम्हारे आने से पहले भी जिंदगी चल रही थी। दिन गुजरते थे, रातें कट जाती थीं। सब कुछ था... बस जैसे किसी घर में चराग तो जलता हो, मगर रौशनी न ठहरती हो। फिर तुम आईं और मेरी उम्र के बिखरे हुए लम्हों में रौनक उतरने लगी। तुम्हारे होने का सुकून वैसा है, जैसे लंबी थकान के बाद किसी पेड़ की छांव और दुआ के बाद दिल पर उतरती हुई खामोशी।'

राज अर्जुन ने कहा, 'लोग अक्सर पूछते हैं कि जिंदगी ने क्या दिया? मैं हर बार कोई जवाब नहीं देता। क्योंकि कुछ जवाब अल्फाज में नहीं दिए जाते। बस उन्हें देखा जाता है। महसूस किया जाता है। मेरे लिए वो जवाब तुम हो। और सच तो ये है कि मैं तुम्हारे लिए कोई दुआ नहीं करता। कुछ रिश्ते दुआ से आगे निकल जाते हैं। उनके लिए सिर्फ सिर झुकाकर शुक्र अदा किया जाता है। रब का भी, वक्त का भी और उस रहमत का भी जो एक दिन मेरी गोद में उतर आई थी कि उसने मेरी जिंदगी के सफ़्हों पर तुम्हारा नाम लिख दिया।'

उन्होंने आगे कहा, 'सालगिरह मुबारक, मेरी जान। तुम हो तो मेरी सुबहों में रोशनी है। तुम हो तो मेरी शामों में सुकून है। तुम हो तो मेरी दुआओं में यकीन है और तुम हो तो मेरी दुनिया है।'

सारा अर्जुन की बात करें तो, वह इंडियन एंटरटेनमेंट की सबसे जानी-मानी चाइल्ड आर्टिस्ट में से एक रही हैं। उन्होंने बहुत कम उम्र में अपना करियर शुरू किया और फिल्मों में सफल बदलाव लाने से पहले कई टेलीविजन कमर्शियल में काम किया। पिछले कुछ सालों में, उन्होंने कई भाषाओं में कई मशहूर प्रोजेक्ट्स में काम किया है।

'द इंडिया स्टोरी' का पोस्टर जारी: काजल अग्रवाल वकील तो श्रेयस तलपड़े बने बेबस पिता, खाने में मिलावट पर आधारित है फिल्म

विश्व केसरी ■

मुंबई। 'द इंडिया स्टोरी' के निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर जारी कर दिया है, जिसने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। इस फिल्म में काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशक चेतन डीके ने बताया कि यह कहानी समाज की एक ऐसी गंभीर समस्या पर आधारित है, जिस पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता, लेकिन यह हर इंसान की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करती है।

फिल्म के पोस्टर में काजल अग्रवाल एक सख्त वकील के रूप में दिखाई दे रही हैं, जबकि श्रेयस तलपड़े एक बेबस पिता की भूमिका में नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपनी गोद में एक छोटी बच्ची को उठाया हुआ है। वहीं बैकग्राउंड में बॉम्बे हाई कोर्ट की छवि दिखाई गई है। इसके अलावा, विटनेस बॉक्स में एक पेस्टिसाइड का सिलेंडर रखा हुआ दिख रहा है। यह पोस्टर 'खाने में मिलावट' जैसे बड़े मुद्दे को दर्शाता है। यह समस्या रोजाना आम लोगों की सेहत और जीवन पर बड़ा असर डालती है।

निर्देशक चेतन डीके ने कहा, ''यह फिल्म हर उस भारतीय की कहानी है, जिसके परिवार ने कभी न कभी खाने में मिलावट की समस्या का सामना किया है। यह एक ऐसी समस्या है जो बहुत आम होने के बावजूद अक्सर नजरअंदाज कर दी जाती है, जबकि इसका असर खतरनाक हो सकता है।''

उन्होंने आगे कहा, 'फिल्म बनाने का मकसद इस छुपी हुई सच्चाई को लोगों तक पहुंचाना है ताकि समाज में जागरूकता बढ़े।

कभी किराया देने के लिए जूझ रहे थे भारतीय सिनेमा के धाकड़ विलेन आशीष विद्यार्थी, सोशल मीडिया पर नई पारी में भी छाए

विश्व केसरी ■

मुंबई। सिनेमा के पर्दे पर दशकों तक खलनायक की दमदार भूमिकाओं के लिए पहचान बनाने वाले अभिनेता आशीष विद्यार्थी आज सोशल मीडिया पर भी बेहद लोकप्रिय हैं। 19 जून 1962 को केरल के थालास्सेरी में जन्मे आशीष विद्यार्थी अपने पॉडकास्ट 'फिफ्टी प्लस जिंदगी' में अक्सर कहते हैं कि उम्र केवल एक संख्या है और यह किसी व्यक्ति की रचनात्मकता को सीमित नहीं कर सकती।

आशीष को यह वैचारिक गहराई अपने माता-पिता से विरासत में मिली। उनके पिता गोविंद विद्यार्थी (टी.के. गोविंदन) स्वतंत्रता सेनानी और कम्युनिस्ट कार्यकर्ता थे। उन्होंने धर्मनिरपेक्ष शहीद गणेश शंकर विद्यार्थी के सम्मान में अपने नाम के साथ 'विद्यार्थी' उपनाम अपनाया था। बाद में उन्होंने संगीत नाटक अकादमी में लुप्तप्राय लोक कलाओं के संरक्षण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं, उनकी मां रेबा विद्यार्थी कथक की प्रतिष्ठित प्रशिक्षिक थीं। इसी वैचारिक और सांस्कृतिक वातावरण ने आशीष के भीतर कला और समाज के प्रति गहरा सम्मान विकसित किया।

हिंदू कॉलेज से इतिहास की पढ़ाई करने के बाद आशीष ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) का रुख किया। इसके बाद वे मनोज बाजपेयी और एन.के. शर्मा के साथ थिएटर ग्रुप 'एक्ट वन'से जुड़े। थिएटर के इसी दौर ने उनके अभिनय कौशल और प्रभावशाली आवाज को नई पहचान दी।

साल 1994 में रिलीज हुई गोविंद निहलानी की फिल्म 'द्रोहकाल' उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुई। फिल्म में कमांडर भद्रा की भूमिका के लिए उन्हें 1995 में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। हालांकि, उस समय वे मुंबई में आर्थिक संघर्ष का भी सामना कर रहे थे। इसके बाद उन्होंने 'इस रात की सुबह नहीं (1996)' में रमनभाई और 'वास्तव (1999)' में विट्ठल काण्या बनकर बॉलीवुड में विलेन के रूप में अपनी मजबूत पहचान बनाई।

साल 2000 के दशक की शुरुआत में आशीष ने दक्षिण भारतीय सिनेमा की ओर रुख किया। तमिल फिल्म 'दिल' (2001) के भ्रष्ट पुलिस अधिकारी डीएसपी शंकर और ब्लॉकबस्टर फिल्म घिल्ली (2004) के सख्त पिता शिवसुब्रमण्यम के किरदारों ने उन्हें रातों-रात दक्षिण में लोकप्रिय बना दिया। इसके बाद तेलुगु फिल्म 'अथानोक्काडे' (2005) के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ खलनायक का फिल्मफेयर मिला।

अभिनेता पलाश दत्ता ने बयां किया दर्द, बोले- 'पेमेंट न मिलने से मानसिक रूप से टूटने लगा था'

विश्व केसरी ■

मुंबई। फिल्म और टीवी इंडस्ट्री की चमक-दमक के पीछे कलाकारों की कई ऐसी परेशानियां भी छिपी होती हैं, जिनके बारे में अक्सर लोग नहीं जान पाते। इसी क्रम में अभिनेता और कास्टिंग डायरेक्टर पलाश दत्ता ने अपनी आपबीती साझा की है। उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा आ गया था, जब लंबे समय तक पेमेंट न मिलने से उनके मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ने लगा था।

मीडिया से बात करते हुए पलाश दत्ता ने कहा, ''एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा अपने काम को पूरी जिम्मेदारी के साथ करते रहा हूं। काम के सिलसिले में एक जगह से दूसरी जगह जाना, पर्सनल लाइफ के सुनहरे पलों का त्याग करना और हर प्रोफेशनल कमिटमेंट्स को निभाना मेरे काम का हमेशा हिस्सा रहा है। लेकिन जब काम पूरा करने के बाद भी पेमेंट में लगातार देरी होती है, तो यह स्थिति बेहद निराशाजनक हो जाती है। इस तरह की परिस्थितियां किसी भी कलाकार को भावनात्मक रूप से थका देती हैं और उसे यह महसूस कराती हैं कि उसकी मेहनत की कद्र नहीं की जा रही है।''

उन्होंने कहा, ''मैंने संबंधित लोगों को यह जानकारी दी थी कि मेरे पिता का निधन हो गया है और मैं जीवन के मुश्किल दौर से गुजर रहा हूं। ऐसे समय में मुझे पेमेंट की सख्त जरूरत है।

शेफाली की पहली पुण्यतिथि पर भावुक हुए पराग त्यागी, पत्नी की याद में शुरू की 21 दिन की साधना

विश्व केसरी ■

मुंबई। हिंदू पंचांग के अनुसार, अभिनेता पराग त्यागी ने अपनी पत्नी और अभिनेत्री शेफाली जरीवाला की पहली पुण्यतिथि पर भावुक पोस्ट किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि आज भी वह अपनी पत्नी को दिल की गहराइयों से याद करते हैं। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए वीडियो में पराग त्यागी कहते हैं, ''आज हिंदू पंचांग के हिसाब से परी (शेफाली) को अपना शरीर छोड़े एक साल हो गया है। आज से मैंने ब्रह्म मुहूर्त में 21 दिन की नई साधना शुरू की है। मैंने अब तक जितनी भी साधनाएं की हैं, उनका एक ही संकल्प रहा है कि उनसे जो भी पुण्य, रोशनी या फल मिले, वह सबसे पहले परी को मिले।''

पराग त्यागी ने वीडियो में आगे कहा, ''इस साधना का भी यही संकल्प है कि इसका फल भी मेरी पत्नी को मिले। सब सोचते हैं कि प्रेम शरीर से आता है, लेकिन मेरा मानना ??है कि प्रेम शरीर से नहीं, आत्मा से होता है। और आत्मा के साथ कभी भी रिश्ता नहीं टूटता। इसीलिए वह आज भी हमारे साथ है। मैं उसको महसूस करता हूं, और मुझे यकीन है कि आप सब भी इसे महसूस करते होंगे। जैसे आप पहले परी से प्यार करते थे, वैसे ही उससे प्यार करते रहें और उनके लिए प्रार्थना करते रहें।''

पिछले एक साल में पराग त्यागी ने कई बार अपनी पत्नी की याद में सामाजिक कार्य भी किए हैं। वे समय-समय पर दान और सेवा से जुड़े कार्यक्रमों में हिस्सा लेते रहे हैं।

अगर शेफाली जरीवाला और अभिनेता पराग त्यागी की लव स्टोरी की बात करें, तो दोनों की पहली मुलाकात एक पार्टी में हुई, जहां उनके कुछ कॉमन दोस्त भी मौजूद थे और उन्होंने ही दोनों को मिलवाया था। उस समय दोनों एक-दूसरे को नहीं जानते थे, लेकिन धीरे-धीरे बात शुरू हुई और दोस्ती हो गई। शेफाली ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह आमतौर पर पार्टियों में कम जाती थीं, लेकिन उस दिन दोस्तों के कहने पर गई थीं, और वहीं उनकी जिंदगी में पराग की एंट्री हुई। इसके बाद दोनों अक्सर मिलने लगे। पहले बातचीत हुई, फिर दोनों ने साथ में कॉफी पी, उसके बाद डिनर और फिर लॉन्ग ड्राइव तक बातें बढ़ गईं। इसी दौरान दोनों ने एक-दूसरे को समझा। समय के साथ दोनों एक-दूसरे को बेहद पसंद करने लगे और साथ जीवन बिताने का फैसला किया। फिर परिवार की मंजूरी से साल 2014 में शादी कर ली। लेकिन अचानक 27 जून को शेफाली जरीवाल इस दुनिया को अलविदा कहकर चली गईं। 42 साल की उम्र में उनका निधन कार्डियक अरेस्ट से हो गया।

पेरिस में पीएम मोदी के स्वागत पर भारतीय समुदाय ने जताई खुशी, फ्रांस में पहले हिंदू मंदिर निर्माण पर किया गर्व

विश्व केसरी

पेरिस। पेरिस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करने के बाद भारतीय समुदाय के लोगों ने अपने अनुभव साझा किए और खुशी का इजहार किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करके हम लोगों को बहुत गर्व का एहसास हुआ है।

वैभवी पारिक ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करके हम लोगों को बहुत गर्व का एहसास हुआ है।' उन्होंने कहा कि दूसरी गर्व की बात यह है कि पेरिस में हिंदू मंदिर बन रहा है, जिसका उद्घाटन सितंबर 2026 में होगा। मंदिर उद्घाटन के लिए हम सभी का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि इस मंदिर की खास बात ये है कि यह 'मेड इन इंडिया' है।

प्रवासी भारतीय प्रतीक ने कहा, 'यह फ्रांस का पहला हिंदू मंदिर होगा, जिसका उद्घाटन सितंबर में किया जाएगा। हमारे गुरुजी मोहनस्वामी महाराज के मार्गदर्शन में यह मंदिर बन रहा है। इसकी विशेषता यह है कि फ्रांस में भारत के पत्थर से यह मंदिर बन रहा है। मंदिर निर्माण के लिए भारत से ही पत्थर मंगाए गए हैं। सितंबर में 15 दिन का महोत्सव होगा। इसमें हम सभी भारतीयों को आमंत्रित करते हैं और उनका स्वागत करते हैं।

बता दें कि फ्रांस के एवियन में जी-7 समिट में सफल बैठकों के बाद प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार सुबह पेरिस पहुंचे। वहां भारतीय समुदाय ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें भारत और फ्रांस को एक-दूसरे के करीब लाने में भारतीय समुदाय के प्रयासों पर गर्व है। उन्होंने कहा कि भारत-फ्रांस की साझेदारी हमारी दुनिया की तरक्की के लिए बहुत जरूरी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में वे भारतीय नागरिकों से मुलाकात करते हुए दिखाई दिए। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'कुछ ही देर पहले पेरिस पहुंचा, जहां भारतीय समुदाय ने मेरा गर्मजोशी से स्वागत किया। भारत और फ्रांस को करीब लाने की उनकी कोशिशों पर मुझे गर्व है।

बर्गेनस्टॉक में आज होगी अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता : स्विस विदेश मंत्रालय

विश्व केसरी

ज्यूरिख। फ्रांस में पीस डील पर हस्ताक्षर हो जाने के बाद आगे की बातचीत स्विट्जरलैंड में होगी। स्विस विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।

स्विस सरकार के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच प्रारंभिक वार्ता शुक्रवार को स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक स्थित पर्वतीय रिसॉर्ट में होना तय हुआ है। यह वार्ता उस सीजफायर समझौते के एक दिन बाद हो रही है, जो तेहरान और वाशिंगटन के बीच हुआ था।

मंत्रालय के बयान के अनुसार, 'स्थिति अभी भी यही है कि योजना के अनुसार अमेरिका और ईरान, मध्यस्थों पाकिस्तान और कतर तथा अन्य संबंधित देशों के साथ मिलकर कल बर्गेनस्टॉक में मिलेंगे, ताकि समझौते के क्रियान्वयन पर प्रारंभिक वार्ता की जा सके।'

बैठक के कार्यक्रम या अन्य विवरणों के बारे में कोई अतिरिक्त जानकारी मंत्रालय की ओर से नहीं दी गई है। हालांकि ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा था कि राष्ट्रपति ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियन द्वारा हस्ताक्षर के बाद अब स्विट्जरलैंड में एमओयू पर कोई आमने-सामने हस्ताक्षर समारोह नहीं होगा।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष को खत्म करने के लिए एक अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता बुधवार रात फ्रांस के पैलेस ऑफ वर्साय में हुआ, जहां अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी मौजूद थे। इसके बाद ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने भी ईरान की ओर से इलेक्ट्रॉनिक तरीके से हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत ईरान और लेबनान में सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी है। साथ ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने और अमेरिका द्वारा लगाए गए नौसैनिक नाकेबंदी को समाप्त करने की बात भी शामिल है।

संक्षिप्त खबर

आईईए प्रमुख को होर्मुज के भविष्य की फिक्र, बोले- कई देश अपनी ऊर्जा नीतियों की कर रहे समीक्षा

विश्व केसरी

अंकारा। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के प्रमुख फतिह बिरोल ने यूएस-ईरान के बीच हुए अंतरिम शांति समझौते का स्वागत किया है। इसके साथ ही उन्होंने ऊर्जा नीतियों की समीक्षा पर जोर दिया। ईरान के व्यवहार पर संदेह जताते हुए उन्होंने कहा कि हो सकता है उसने जो अब किया वह भविष्य में भी करे, इसलिए विभिन्न देशों को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। तुर्की के इस्तांबुल में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान बिरोल ने कहा, 'ईरान संघर्ष को समाप्त करने के लिए हुए अंतरिम समझौते का स्वागत किया जाना चाहिए और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बिना किसी शर्त के दोबारा खोला जाना चाहिए।' उन्होंने कहा कि कई देश अपनी ऊर्जा नीतियों की समीक्षा कर रहे हैं, क्योंकि यह स्पष्ट है कि यह समुद्री मार्ग भविष्य में फिर से बंद किया जा सकता है विशेषकर क्योंकि संघर्ष के दौरान ईरान ने इसे बंद कर दिया था। इस्तांबुल में एक कार्यक्रम के दौरान बिरोल ने कहा कि आईईए कई देशों के साथ नई रणनीतियों पर चर्चा करेगा, क्योंकि इस संकट ने वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य को बदल दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि ऊर्जा बाजारों में 'भरोसा' बेहद जरूरी है, जहां शांति समझौते के बाद तेल की कीमतों में गिरावट देखी गई है।

अमेरिका-ईरान समझौते पर पीएम शहबाज ने भी किया हस्ताक्षर, खुद कर रहे अपनी तारीफ

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। अमेरिका-ईरान समझौते पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके ईरानी समकक्ष मसूद पेजेश्कियन ने डिजिटल हस्ताक्षर किए। इसके बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी ज्ञापन समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। हालांकि, अमेरिका और ईरान की कुछ महीनों की स्थिति को देखते हुए विशेषज्ञ इस डील के भविष्य पर भी सवाल उठा रहे हैं। वहीं, पाकिस्तान की आतंकवाद फैलाने की नीति को लेकर भी शांति समझौता सवालों के घेरे में है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा गया, 'पाकिस्तान के प्रधानमंत्री मुहम्मद शहबाज शरीफ ने मध्यस्थ के तौर पर इस्लामाबाद ज्ञापन समझौते (इस्लामाबाद एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस्लामाबाद एमओयू पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके ईरानी समकक्ष मसूद पेजेश्कियन ने हस्ताक्षर किए हैं।' इससे पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इसे ऐतिहासिक 'इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन' (एमओयू) बताया और कहा कि होर्मुज स्ट्रेट तुरंत खोल दिया जाएगा। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच ऐतिहासिक 'इस्लामाबाद समझौता' पर गुरुवार को हस्ताक्षर हो गए हैं। इस एमओयू पर दोनों देशों के राष्ट्रपतियों ने हस्ताक्षर किया और मध्यस्थ के तौर पर मैंने भी इसे मंजूरी दी है। इस समझौते पर हस्ताक्षर होना संघर्ष के कूटनीतिक समाधान के लिए दोनों पक्षों की प्रतिबद्धता को दिखाता है।' पीएम शहबाज ने बताया कि अमेरिका और ईरान के बीच जो समझौता हुआ है, उसे तुरंत प्रभाव से लागू किया जाएगा। समझौते के तहते ईरान होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोल देगा। अमेरिका तुरंत नौसेना की नाकाबंदी हटा देगा।

शांति समझौते के बीच अमेरिकी रक्षा मंत्री की चेतावनी 'ईरान तय शर्तों से डिगा तो दोबारा हमला तय'

विश्व केसरी

ब्रसेल्स। अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर हस्ताक्षर की चर्चा पूरी दुनिया में है। इस बीच अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान को अपनी तय शर्तों से न डिगने की चेतावनी दी है। गुरुवार को नाटो रक्षा मंत्रियों की बैठक में उन्होंने अमेरिका का रुख स्पष्ट किया।

अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ वॉर की ओर से साझा की गई क्लिप में हेगसेथ ने कहा, 'अगर ईरान अपने समझौते के तहत तय शर्तों का पालन नहीं करता है, तो अमेरिका फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू कर सकता है और नाकेबंदी भी दोबारा लागू कर सकता है।'

रक्षा मंत्रियों की बैठक के बाद उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया है कि तय समयसीमा के भीतर अगर ईरान अपने वादों को पूरा नहीं करता, तो अमेरिका कार्रवाई के लिए तैयार रहेगा।

उन्होंने यह भी कहा, 'अगर ईरान नियमों का पालन नहीं करता, तो हम फिर से एक सख्त और पूरी तरह लागू होने वाली नाकेबंदी लगाने में भी सक्षम हैं।'

अमेरिकी विदेश मंत्री ने ईरान संघर्ष के दौरान नाटो का अमेरिका से दूरी बनाने के निर्णय को शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने दशकों से यूरोप की रक्षा की है, लेकिन हाल के हालात में सहयोगी देशों का रवैया निराशाजनक रहा।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने यह स्पष्ट किया था कि अमेरिकी लड़ाकू विमान यूरोप के ठिकानों से उड़ान भरकर या अमेरिकी जहाज बंदरगाहों से निकलकर मध्य पूर्व में उन ईरानी ठिकानों पर हमला करेंगे, जो यूरोपीय हितों के लिए भी खतरा हैं।

हेगसेथ ने कहा, 'कई सहयोगी देशों ने या तो इस पर सहमति नहीं दी, या फिर इसे जटिल कानूनी बहसों में उलझा दिया, या सार्वजनिक रूप से अमेरिका की आलोचना की जबकि वे खुद ऐसा करने में सक्षम या तैयार नहीं हैं। यह रवैया शर्मनाक है।'

पाकिस्तान में सिख दंपति की गोली मारकर हत्या

विश्व केसरी

नई दिल्ली/ इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में सेवादार जगन्नाथ और उनकी पत्नी अस्मा वंती को गुरुद्वारे में घुसकर गोली मार दी गई। स्थानीय पुलिस के अनुसार, दंपति की मौके पर ही मौत हो गई। सरहद पार हुए इस जघन्य वारदात पर दुनिया भर के सिखों में आक्रोश है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसके विरोध में आवाजें उठ रही हैं। वहीं, भारत में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने भी इस पर चिंता जताई है तो भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने भी सख्त शब्दों में इसकी निंदा की है।

आरपी सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना दर्द और गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान एक बार फिर पूरी दुनिया के सामने बेनकाब हो गया है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक गुरुद्वारे के भीतर निर्मम हत्या केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि यह पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी असुरक्षा, भय और उत्पीड़न की एक और भयावह याद दिलाती है।' उन्होंने इस वारदात की निंदा करते हुए आगे लिखा, 'मैं इस जघन्य घटना की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं और शोक संतप्त परिवार तथा विश्वभर के सिख समुदाय के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। इस अपराध के दोषियों की तत्काल पहचान कर उन्हें कानून के कठघरे में लाया जाना चाहिए।

बलूचिस्तान में सरकारी कर्मचारियों का हल्ला बोल, मांगों को लेकर डटे

विश्व केसरी

क्वेटा। पाकिस्तान स्थित बलूचिस्तान प्रांत के कर्मचारी संगठनों ने अपनी सरकार के खिलाफ हल्ला बोल दिया है। सड़क पर उतर आए हैं और सरकारी विभागों और स्कूलों को अनिश्चितकाल तक बंद रखने का ऐलान कर दिया है। हुक्मरानों को चेतावनी भी दी गई है कि अगर उनकी बातों पर गौर नहीं किया गया तो 19 जून से आमरण अनशन पर बैठेंगे। स्थानीय मीडिया ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।

बलूचिस्तान एम्प्लाइज ग्रैंड अलायंस नाम के संगठन के अनुसार यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

प्रमुख पाकिस्तानी दैनिक डॉन के मुताबिक, यह फैसला उस समय लिया गया जब कर्मचारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं और कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आंदोलनकारियों ने आरोप लगाया है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान उनके खिलाफ 'कठोर कार्रवाई' की गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, कर्मचारियों ने बलूचिस्तान बजट सत्र के दौरान विधानसभा तक मार्च निकालने की योजना बनाई थी, लेकिन स्थानीय प्रशासन ने भारी पुलिस बल और फ्रंटियर कॉर्प्स तैनात कर दिया। प्रदर्शनकारियों को चमन फाटक के पास रोक दिया गया, जहां अलग-अलग इलाकों से आए प्रदर्शनकारी इकट्ठा हुए थे। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया और 10 से अधिक नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि उन्हें हटाने के लिए अत्यधिक और बेजा बल का इस्तेमाल किया गया।

भारत आएंगे चीनी विदेश मंत्री वांग यी ब्रिक्स एनएसए बैठक में होंगे शामिल

विश्व केसरी

बीजिंग। चीनी विदेश मंत्री वांग यी दो दिवसीय दौरे पर 22 जून को भारत आएंगे। वे ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों (एनएसए) और राष्ट्रीय सुरक्षा पर उच्च प्रतिनिधियों की 16वीं बैठक में हिस्सा लेंगे। यह बैठक 22-23 जून को आयोजित की जाएगी।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने गुरुवार को पुष्टि की कि यह यात्रा भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के निमंत्रण पर हो रही है।

प्रवक्ता के अनुसार, 'चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य और केंद्रीय विदेशी मामलों के आयोग के कार्यालय के निदेशक वांग यी भारत में आयोजित 16वें ब्रिक्स एनएसए एनएसए बैठक में भाग लेंगे। 22-23 जून को इसका आयोजन भारत में हो रहा है।' भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता करेगा, जिसका विषय 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' रखा गया है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2025 में रियो डी जेनेरियो में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दिए गए 'मानव-केंद्रित और मानवता-प्रथम' दृष्टिकोण को दर्शाता है।

इससे पहले 15 मई को भारत में ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक सफलतापूर्वक आयोजित करने पर चीन के राजदूत जू फेइहोंग ने भारत को बधाई दी थी। उनका कहना था कि बैठक की उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों को बखूबी बयान किया गया। इससे भविष्य में ग्लोबल गवर्नेंस में सुधार की राह आसान हुई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि ब्रिक्स देशों ने वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर व्यापक सहमति बनाई है और बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार पर भी चर्चा की है। हालांकि, भारत ने इस बैठक के अंत में संयुक्त बयान के बजाय अध्यक्षीय बयान जारी किया था, क्योंकि पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व की स्थिति पर सदस्य देशों के बीच मतभेद सामने आए थे। इस उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने की थी। फरवरी में चीन के वरिष्ठ अधिकारी मा झाओशू ने भारत का दौरा किया था, जहां दोनों देशों के बीच ब्रिक्स शेरपा बैठक और रणनीतिक वार्ता भी हुई थी। इस दौरान भारत-चीन रणनीतिक वार्ता का आयोजन किया गया था। जिसमें विदेश सचिव विक्रम मिस्री और झाओशू के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर गंभीर मंत्रणा हुई थी।

अवामी लीग कार्यकर्ता के भाई पर हमला पार्टी बोली- 'देश में डर का माहौल'

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेश में राजनीतिक हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। हालिया मामला अवामी लीग से जुड़े कार्यकर्ता के भाई पर हुए जानलेवा हमले से जुड़ा है। गुरुवार को अवामी लीग ने कुश्तिया जिले के कुमरखाली उपजिला में पार्टी के एक कार्यकर्ता के परिवार के सदस्य पर कथित रूप से हुए गंभीर हमले पर गहरी चिंता व्यक्त की।

अवामी लीग के अनुसार, कुमरखाली उपजिला में पार्टी की युवा इकाई जूबो लीग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एस.एम. रफीक के छोटे भाई को उस समय हमला किया गया जब वह नगरपालिका कार्यालय में नागरिक प्रमाणपत्र (सिविक सर्टिफिकेट) लेने गया था। बाद में उसे इलाज के लिए कुश्तिया जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। पार्टी ने कहा, 'यह कोई अलग-थलग घटना नहीं है। 1 मई 2025 को एस.एम. रफीक खुद एक राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित घटना का केंद्र बने थे, जब उन्हें शहीद गोलम किबरिया पुल क्षेत्र से ले जाया गया था। उस घटना पर देशभर में व्यापक मीडिया कवरेज और सार्वजनिक बहस हुई थी। लेकिन आज, एक साल से अधिक समय बाद, उनके ही परिवार का एक और सदस्य हिंसा का शिकार हुआ है।' अवामी लीग ने आरोप लगाया कि ऐसी घटनाएं बांग्लादेश में 'राजनीतिक धमकी, भीड़ हिंसा और डर के माहौल' के बढ़ते चलन को दर्शाती हैं।

दुनिया के 13 देशों पर गंभीर भुखमरी का संकट, यूएन की नई रिपोर्ट ने लाखों लोगों को लेकर जताई चिंता

विश्व केसरी

रोम। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) और संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने दुनिया के कई क्षेत्रों में भोजन की गंभीर कमी को लेकर चेतावनी जारी की है। एफएओ और डब्ल्यूएफपी कहा है कि जून और नवंबर 2026 के बीच 'भुखमरी के हॉटस्पॉट' माने जाने वाले 13 देशों में लाखों लोगों के लिए गंभीर खाद्य असुरक्षा की स्थिति और अधिक खराब होने की आशंका है।

खाद्य संकट के खिलाफ वैश्विक नेटवर्क (जीएनएएफसी) के जरिए साल में दो बार जारी होने वाली हंगर हॉटस्पॉट्स रिपोर्ट के लेटेस्ट एडिशन में, सूडान, साउथ सूडान, यमन और फ़िलिस्तीन को भूख की गंभीरता और उसके बड़े पैमाने के मामले में दुनिया के सबसे गंभीर भुखमरी के हॉटस्पॉट के तौर पर पहचाना गया है। रिपोर्ट में नाइजीरिया को सबसे अधिक चिंता वाले देशों की सूची में शामिल किया गया है। अनुमान है कि बोर्नो राज्य के कुछ इलाकों में लोगों को आने वाले समय में खाद्य असुरक्षा के विनाशकारी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। इस स्थिति में भुखमरी, मौत, अत्यधिक गरीबी और गंभीर कुपोषण जैसी समस्याएं स्पष्ट रूप से देखने को मिल सकती हैं।

इसके अलावा, सोमालिया भी इसी श्रेणी में है। सोमालिया के खाड़ी क्षेत्र के बुरहाकाबा जिले की आबादी अकाल के गंभीर खतरे का सामना कर रही है। इन इलाकों में लड़ाई और हिंसा, खाने की गंभीर कमी की मुख्य वजह बनी हुई हैं, जिससे 13 में से 12 हॉटस्पॉट पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। ये दबाव आर्थिक झटकों, फंडिंग की भारी कमी और अनुमानित एल नीनो घटना से जुड़े बढ़ते खतरों से और बढ़ गए हैं। इसकी वजह से पहले से ही ज्यादा खतरे वाले देशों में असमान बारिश, सूखा और बाढ़ आने की उम्मीद है। वर्ष 2022 से 2025 के बीच संकटग्रस्त क्षेत्रों में खाद्य सहायता, आपातकालीन कृषि सहयोग और पोषण संबंधी राहत के लिए मिलने वाले वित्तपोषण (फंडिंग) में लगभग 59 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है।

मणिपुर में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई 7 गिरफ्तार, 39 बंकर नष्ट, एक उग्रवादी ढेर

विश्व केसरी

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षाबलों ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें तीन विभिन्न उग्रवादी संगठनों से जुड़े हुए हैं। इन आरोपियों के पास से पुलिस ने भारी मात्रा में गोला और बारूद बरामद किया है। इसके अलावा, सुरक्षाबलों ने विभिन्न जिलों में बनाए गए 39 बंकरों को भी ध्वस्त किया। साथ ही, यूकेएनए उग्रवादी भी इस संयुक्त कार्रवाई में मारा गया है।

रक्षा प्रवक्ता के मुताबिक, यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) का एक कैडर मारा गया। इसके अलावा, भारतीय सेना और अमस राइफल्स ने चुराचांदपुर जिला में संयुक्त कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा गोला और बारूद बरामद किया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) और कांगलेइपाक की समाजवादी क्रांतिकारी पार्टी (सोरेपा) के संगठन से तीन उग्रवादियों को इंफाल के बिष्णुपुर जिले से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार हुए सभी उग्रवादी कई प्रकार की हिंसक और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए गए।

अधिकारियों के मुताबिक, कांगपोकपी जिले में सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया है। बरामद हथियारों में 11 सिंगल-बैरल ब्रीच-लोडिंग (एसबीबीएल) 12-बोर बंदूकें, 12-बोर गोला-बारूद के 294 जिंदा राउंड, बारूद के दो पैकेट, 12-बोर कारतूस के 34 खाली खोखे और छह बुलेटप्रूफ जैकेट शामिल हैं।

सुरक्षाबलों के मुताबिक, चार अन्य आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। इसके अलावा, सुरक्षाबलों ने गैर-कानूनी तरीके से बनाए गए 39 बंकरों को भी ध्वस्त कर दिया। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि चुराचांदपुर जिले में भारतीय सेना और असम राइफल्स की संयुक्त कार्रवाई के तहत विद्रोही गतिविधियों को पूरी तरह से ध्वस्त किया गया है। यूकेएनए कैडरों की गतिविधियों के संबंध में विशिष्ट खुफिया जानकारी मिलने के बाद चुराचांदपुर जिले का हेंगलेप उपमंडल में यह कार्रवाई शुरू की गई। चुनौतीपूर्ण भूभाग और प्रतिकूल मौसम की स्थिति के बावजूद सैनिकों ने सटीकता के साथ अभियान को अंजाम दिया।

सुरक्षाकर्मियों के विद्रोहियों के ठिकाने के पास पहुंचने पर गोलीबारी शुरू हो गई। भीषण गोलीबारी में एक यूकेएनए आतंकवादी मारा गया, जबकि शेष आतंकवादी भागने में सफल रहे। प्रवक्ता के मुताबिक, इसके बाद चलाए गए तलाशी अभियानों के परिणामस्वरूप किलेबंद बंकरों को नष्ट कर दिया गया और हथियारों, गोला-बारूद और अन्य युद्ध सामग्री का एक बड़ा भंडार बरामद किया गया।

टीएमसी में संकट गहराया, पूर्व कोषाध्यक्ष ने पार्टी के बैंक खाते पर रोक लगाने की मांग की

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का आंतरिक संकट अब पार्टी की वित्तीय व्यवस्था तक पहुंच गया है। पार्टी के पूर्व कोषाध्यक्ष और पूर्व मंत्री अरूप बिस्वास ने एक निजी बैंक को पत्र लिखकर टीएमसी के बैंक खाते से किसी भी तरह के लेनदेन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

गुरुवार को सामने आए इस पत्र में अरूप बिस्वास ने बैंक से अनुरोध किया कि पार्टी के नेतृत्व और नियंत्रण को लेकर जारी विवाद के समाधान तक खाते से निकासी और अन्य डेबिट लेनदेन पर रोक लगाते हुए यथास्थिति बनाए रखी जाए। यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि विधानसभा चुनाव में हार के बाद 5 जून को टीएमसी ने संगठनात्मक फेरबदल करते हुए पूर्व सांसद सुभाषिष चक्रवर्ती को नया कोषाध्यक्ष नियुक्त किया था। हालांकि, बैंक को भेजे गए अपने पत्र में अरूप बिस्वास ने दावा किया है कि वह अब भी पार्टी के वैध कोषाध्यक्ष हैं। चुनाव आयोग को सौंपे गए ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, टीएमसी के इस बैंक खाते में लगभग 675 करोड़ रुपये जमा हैं। अरूप बिस्वास का पत्र 12 जून को लिखा गया था, जिसे बैंक ने 16 जून को प्राप्त किया। अपने पत्र में बिस्वास ने कहा कि पार्टी के भीतर विभिन्न गुट खुद को टीएमसी का वैध प्रतिनिधि और पदाधिकारी बता रहे हैं, जिससे यह स्पष्ट नहीं है कि बैंक खाते का संचालन करने का अधिकार किसके पास है। उन्होंने बैंक से अपील की कि किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को खाते से निकासी या अन्य लेनदेन की अनुमति न दी जाए और उनके द्वारा पहले से हस्ताक्षरित चेकों के संभावित दुरुपयोग को भी रोका जाए। पत्र में उन्होंने लिखा, 'मैं, अरूप बिस्वास, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) के कोषाध्यक्ष के रूप में आपको सूचित कर रहा हूं कि पार्टी के अधिकार और नियंत्रण को लेकर गंभीर विवाद चल रहा है।

संक्षिप्त खबर

जमीन विवाद में बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या, पत्नी और बेटा भी घायल

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अमेठी से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां जमीन विवाद में एक बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस घटना में बुजुर्ग की पत्नी और बेटा बुरी तरह घायल हो गए हैं।

यह पूरा मामला अमेठी थाना क्षेत्र के सैदपुर दलशाह गांव का है, जहां जमीन विवाद ने खूनी रूप ले लिया। लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हुए हमले में एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में उपचार के लिए एम्स रायबरेली में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना में मृतक की पत्नी और बेटा भी घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है। मृतक की पहचान रामफली पाल के रूप में हुई है। वहीं, मामले को लेकर पुलिस ने बताया कि बुधवार की रात करीब 12 बजे थाना क्षेत्र अमेठी के ग्राम सैदपुर दलशाह में दो पड़ोसियों के बीच घर का छज्जा निकालने को लेकर विवाद हो गया। धीरे-धीरे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और इस घटना में बुजुर्ग राम फली पाल को गंभीर चोटें आईं। उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर नाम नामजद अभियुक्तों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज किया गया है। इस घटना में शामिल दो आरोपियों को हिरासत में लेकर साक्ष्य के आधार पर आगे की विधिवत कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि बुजुर्ग की हत्या का एक इसी प्रकार का दूसरा मामला मंगलवार को झारखंड के गुमला जिले से सामने आया, जहां एक वृद्ध व्यक्ति की डंडे से पीटकर हत्या कर दी गई।

पुलिस ने मानव तस्करी गिरोह का किया भंडाफोड़, पांच नवजात शिशुओं का रेस्क्यू

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को मानव तस्करी से जुड़े एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो बच्चों की तस्करी में संलिप्त था। इस गिरोह में संलिप्त 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें प्रमुख रूप से तस्कर, मध्यस्थ, खरीदार और एक अस्पताल मालिक शामिल थे। इस दौरान पुलिस ने दिल्ली, हरियाणा और मध्य प्रदेश से पुलिस ने छह नवजात शिशुओं को भी रेस्क्यू किया है। जांच में एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया गया है, जो संगठित रूप से बच्चों की तस्करी में संलिप्त था। यह गिरोह मुख्य रूप से दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात में व्यापक स्तर पर सक्रिय था। वहीं, अस्पताल का मालिक कथित रूप से अवैध गर्भपात में सहायता प्रदान करता था। साथ ही, नवजात बच्चों के ट्रांसफर के लिए फर्जी दस्तावेजों दिलाने में भी मदद करता था। सबसे पहले, डिकॉय ऑपरेशन के रूप में 20 हजार रुपये लिए जाते थे। इसके बाद, नवजात बच्चों को खरीदने के लिए 2 लाख 92 हजार 400 रुपये की राशि ली जाती थी। पुलिस की ओर से की गई पड़ताल के बाद, गुजरात से नवजात बच्चों की आपूर्ति करने वाले शख्स को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, पांच जून को जानकारी प्राप्त होने के बाद पुलिस की तरफ से पहाड़गंज एरिया के पास आरके आश्रम मार्ग के पास एक डिकॉय ऑपरेशन शुरू किया गया।

मध्य प्रदेश में नक्सलवाद को आखरी सलाम : सीएम मोहन यादव

विश्व केसरी

इंदौर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्य में नक्सलवाद सबसे बड़ी चुनौती थी और इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में नक्सलवाद को आखिरी सलाम कर दिया गया है।

राज्य में नक्सलवाद पूरी तरह खत्म हो चुका है और इसी की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मध्य प्रदेश नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है। कांग्रेस शासनकाल में जो कभी एक बड़ी चुनौती थी, वह आज समाप्त हो गई है और प्रदेश तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है।

उन्होंने आगे कहा कि मध्य प्रदेश नक्सलवाद से निपटने में सफल हुआ है। कांग्रेस के शासनकाल में तो एक मंत्री को भी अपनी जान गंवानी पड़ी थी। प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्ष के शासनकाल में राज्य की दृष्टि से लाल सलाम नक्सलवाद को अंतिम सलाम सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस समस्या को न केवल नष्ट कर दिया गया है, बल्कि विकास की बयार बालाघाट, मंडला और डिंडोरी में बह रही है।

राज्य की राजधानी भोपाल में चार दशक पहले हुए यूनियन कार्बाइड हादसे की चर्चा करते हुए सीएम मोहन यादव ने कहा कि यूनियन कार्बाइड के कचरे को जलाकर इस दंश से भी मुक्ति मिली है, वही नदी जोड़ो अभियान से लेकर कई बड़े काम हुए हैं। यह हमारे लिए अद्भुत हैं, जो पूरी दुनिया के लिए आश्चर्य है।

राज्य के श्योपुर में स्थित यूनो नेशनल पार्क में चीता पुनर्स्थापन का प्रयोग सफल रहा है। इसकी चर्चा करते हुए सीएम ने कहा कि चीता कहां जीता है, वह हमारे मध्य प्रदेश में जीता है। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है।

राज्य में नया शिक्षा सत्र शुरू हो गया है। इसको लेकर मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हो चुकी है और विद्यार्थी उत्साह के साथ स्कूलों में पहुंचने लगे हैं। प्रदेश के लिए यह गर्व की बात है कि बीते तीन वर्षों में प्राथमिक शिक्षा स्तर पर ड्रॉपआउट दर शून्य हो गई है। साथ ही, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है।

फर्जी वीडियो बनाने वाले बख्शे नहीं जाएंगे : हरपाल सिंह चीमा

विश्व केसरी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के कथित विवादित वीडियो को लेकर राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। पंजाब सरकार में वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा और आम आदमी पार्टी (आप) के प्रवक्ता बलतेज पन्नू ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार का पक्ष रखा और जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने प्रेस वार्ता के दौरान आरोप लगाया कि कुछ 'पंथ विरोधी ताकतें' सुनियोजित तरीके से पंजाब का माहौल बिगाड़ने और धार्मिक भावनाओं को भड़काने की कोशिश कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान की छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए एक संगठित साजिश रची गई है। इस मामले में तकनीकी और फॉरेंसिक जांच कराई गई है, जिसमें स्पष्ट तथ्य सामने आए हैं।

चीमा ने बताया कि सरकार ने वायरल वीडियो की जांच पंजाब से बाहर स्थित दो स्वतंत्र लैबों से कराई। इस जांच में कुल 1191 फ्रेम का बारीकी से विश्लेषण किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, वीडियो में दिख रहा व्यक्ति मुख्यमंत्री भगवंत मान नहीं है, बल्कि उनके जैसे दिखने वाला एक अन्य व्यक्ति है। उन्होंने दावा किया कि आधुनिक तकनीक और एडिटिंग टूल्स का इस्तेमाल कर जनता को भ्रमित करने की कोशिश की गई। फॉरेंसिक रिपोर्ट के हवाले से वित्त मंत्री ने कहा कि चेहरे की संरचना, कद-काठी और शारीरिक बनावट के आधार पर वीडियो में दिख रहे व्यक्ति और मुख्यमंत्री भगवंत मान के बीच स्पष्ट अंतर पाया गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि वीडियो में दिख रहे व्यक्ति की अनुमानित लंबाई लगभग 5 फुट 10 इंच है, जबकि मुख्यमंत्री भगवंत मान की लंबाई 5 फुट 8 इंच है। इसके अलावा साइड और बैक प्रोफाइल, कंधों की बनावट और शरीर की मुद्रा में भी महत्वपूर्ण अंतर पाया गया है। सरकार ने इस पूरे मामले को राजनीतिक साजिश करार देते हुए कहा कि इसके पीछे शामिल सभी लोगों की पहचान की जा रही है और उन्हें कानून के दायरे में लाया जाएगा।

नीट परीक्षा में गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं अभ्यर्थियों आत्मविश्वास से दें परीक्षा : सीएम धामी

विश्व केसरी

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में गुरुवार को कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। बैठक की शुरुआत राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल बीसी खंडूरी और मशहूर शूटर एवं पद्म श्री सम्मानित जसपाल राणा के निधन पर शोक प्रस्ताव के साथ हुई। दोनों दिवंगत व्यक्तित्वों को श्रद्धांजलि देते हुए कैबिनेट मंत्रियों और अधिकारियों ने दो मिनट का मौन रखा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बीसी खंडूरी ने राज्य के विकास, सुशासन और जनसेवा की दिशा में ऐतिहासिक योगदान दिया है। खंडूरी का नेतृत्व उत्तराखंड की प्रशासनिक और विकासात्मक नीतियों को मजबूत करने में अहम रहा। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन करने वाले निशानेबाज जसपाल राणा के योगदान को भी याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी उपलब्धियां युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेंगी। मुख्यमंत्री ने नई कमेटी और सचिवालय परिवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य एक नया कार्य-संस्कृति विकसित करना है, जिससे राज्य को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाया जा सके। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे टीमवर्क और पारदर्शिता के साथ कार्य करें। इसके अलावा, देहरादून में प्रस्तावित नीट टेस्ट को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा और निगरानी के कड़े इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी जाएगी और सभी परीक्षा केंद्रों पर सख्त निगरानी रखी जाएगी। पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 'हमने अभ्यर्थियों के लिए टिकट भी निःशुल्क किए हैं। हमारा प्रयास है कि सभी बच्चे पूरे आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दें। परीक्षा पूरी पारदर्शिता के साथ कराई जाएगी।

फाल्टा थाने पर धावा बोलने के मामले में 7 और गिरफ्तार, जहांगीर खान की पत्नी की तलाश

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फाल्टा थाना पर धावा बोलकर टीएमसी नेता जहांगीर खान को छुड़ाने की कोशिश के मामले में पुलिस ने सात और लोगों को गिरफ्तार किया है। इस घटना का नेतृत्व कथित तौर पर जहांगीर खान की पत्नी रेजिना बीबी कर रही थीं, जो फिलहाल फरार हैं।

डायमंड हार्बर जिला पुलिस द्वारा की गई इन सात नई गिरफ्तारियों के बाद इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की कुल संख्या बढ़कर 15 हो गई है। इससे पहले पिछले दो दिनों में आठ अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, फरार रेजिना बीबी के खिलाफ अब आर्म्स एक्ट, 1959 और एक्सप्लोसिव्स एक्ट, 1884 की अतिरिक्त धाराएं भी जोड़ी गई हैं। पुलिस का आरोप है कि फाल्टा थाने पर हमले और जहांगीर खान को छुड़ाने की पूरी साजिश के पीछे वही मुख्य भूमिका में थीं। बताया गया कि 16 जून को रेजिना बीबी के नेतृत्व में तृणमूल समर्थकों की भीड़ ने फाल्टा थाने में घुसकर जहांगीर खान को छुड़ाने की कोशिश की थी। हालांकि, मौके पर मौजूद राज्य पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवानों ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर कर दिया और उनकी कोशिश नाकाम कर दी। पुलिस जांच और गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ में खुलासा हुआ है कि हमले की योजना एक दिन पहले सोमवार को एक गुप्त स्थान पर बनाई गई थी। पुलिस के मुताबिक इस बैठक की अध्यक्षता रेजिना बीबी ने की थी। एक जिला पुलिस अधिकारी के अनुसार, बैठक में तय किया गया था कि समर्थक फाल्टा थाने से करीब तीन किलोमीटर दूर एक स्थान पर एकत्र होंगे और वहां से संगठित तरीके से अचानक थाने पर धावा बोलकर जहांगीर खान को छुड़ा लिया जाएगा। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में फाल्टा सीट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार रहे जहांगीर खान को इलाके में लंबे समय तक बेहद प्रभावशाली नेता माना जाता रहा है।

दक्षिण-पूर्व दिल्ली में सनसनी : घर के अंदर महिला की हत्या, डॉक्टर हिरासत में

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्व दिल्ली के अमर कॉलोनी पुलिस स्टेशन इलाके के कैलाश हिल्स के एक घर में महिला की हत्या का सनसनीखेज मामला गुरुवार को सामने आया। मृतका के घर से एक बैट और चाकू बरामद किया गया है।

घटना को लेकर शक है कि आरोपी ने महिला पर बैट और चाकू से हमला किया। वहीं, इस हत्याकांड में चौका देने वाली बात यह है कि महिला की हत्या करने के बाद आरोपी मौके से भागा नहीं, वह वहीं मौजूद था। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपी को पकड़ लिया गया है और उससे पूछताछ चल रही है। मृतक महिला की पहचान मीना के रूप में हुई है, जिसकी उम्र लगभग 45 वर्ष के आसपास बताई जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, मीना घर के पास में ही एक डॉक्टर के क्लिनिक में पिछले 10 वर्षों से काम करती थी। क्लिनिक के डॉक्टर का नाम मनीष गुप्ता है, जिसके ऊपर आरोप है कि उसने महिला के सिर पर पहले बैट मारा और उसके बाद धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी। इन आरोपों के बाद डॉक्टर मनीष गुप्ता को पुलिस ने हिरासत में लिया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। वहीं, घटना को लेकर डॉक्टर ने आरोप लगाया कि महिला उसके ऊपर काला जादू कर रही थी, जिसकी वजह से वह परेशान था। हालांकि, पुलिस मामले की जांच और डॉक्टर से पूछताछ करने में जुटी है। वहीं, घर के अंदर महिला की संदिग्ध हत्या होने से स्थानिए लोगों में डर और दहशत का माहौल है। बता दें कि हत्या का एक ऐसा ही सनसनीखेज मामला बुधवार को ग्रेटर नोएडा के दादरी क्षेत्र से सामने आया, जहां पति पर अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगा है। घटना के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

विपक्ष से बिलों के समर्थन की अपील, राष्ट्रीय हित में सहयोग जरूरी : किरेन रिजिजू

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत के उस आरोपों पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने भाजपा पर गंदी राजनीति करने का आरोप लगाया है।

किरेन रिजिजू ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हर सांसद अपने भविष्य के बारे में सोचता है। अपने क्षेत्र के बारे में सोचता है, अपने व्यक्तिगत विकास के बारे में सोचता है। अब ऐसी स्थिति में शिवसेना के सांसदों को क्या करना चाहिए और क्या नहीं, इस पर मैं किसी भी प्रकार की टिप्पणी तो नहीं कर सकता हूं।

उनके मुताबिक, संसद में हम सभी विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग एकत्रित होते हैं और महत्वपूर्ण फैसले लेते हैं। संसद में हम सभी लोग एकजुट होकर देश के विकास के लिए काम करते हैं। देश के हितों के लिए एकजुट होकर फैसले लेते हैं। इस दौरान हम सभी दलों के सांसदों से अपील करते हैं कि वो हमारा साथ दें, क्योंकि हमारा दायित्व बनता है। उन्होंने कहा कि अब संजय राउत किसे गाली दे रहे हैं और किसे नहीं, इस पर अगर रिएक्ट किया जाए तो मुझे लगता है कि यह ठीक नहीं रहेगा। इसके अलावा, उन्होंने परिसीमन बिल पर भी प्रतिक्रिया दी। उनके मुताबिक, मैं इस बात का पहले ही जिक्र कर चुका हूं कि इससे पहले महिला आरक्षण बिल संसद में पारित नहीं हो पाया था। ऐसा कुछ संवैधानिक प्रावधानों की वजह से हुआ था, क्योंकि संसद का दो तिहाई हिस्से का समर्थन हमें नहीं मिला था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही इस बात को स्पष्ट कर चुके हैं कि हिंदुस्तान की महिलाओं को न्याय मिलें। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के मुताबिक, 'मैं हमेशा से ही विपक्षी दलों के यह अपील करते हुए आया हूं कि वो संसद में पेश होने वाले बिलों का समर्थन करें। अब बात महिला आरक्षण की बात कर लीजिए। यह महिला आरक्षण से जुड़ा हुआ बिल है। ऐसी स्थिति में इस पारित करने के लिए दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है।'

यह बिल महिलाओं के विकास से जुड़ा हुआ है, लिहाजा हमारी समय-समय पर सांसदों से अपील रहती है कि वो इस बिल का समर्थन करें। हमारी इस संबंध में विभिन्न राजनीतिक दलों से बैठक भी हुई थी, जिसमें समाजवादी पार्टी भी शामिल है। शायद समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के दबाव में आकर बिल का समर्थन नहीं करने का फैसला किया था। मुझे विश्वास है कि आगामी दिनों में सभी राजनीतिक दलों के लोग इस बिल का समर्थन करेंगे।

भारत से निर्यात होने वाली वस्तुओं में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग बनी तीसरी सबसे बड़ी कटेगरी: अश्विनी वैष्णव

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग (विनिर्माण) अब भारत से निर्यात होने वाली वस्तुओं की श्रेणी (कटेगरी) में तीसरे सबसे बड़े स्थान पर पहुंच गया है।

केंद्रीय मंत्री ने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को देश की अर्थव्यवस्था का प्रमुख स्तंभ बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच की सराहना की।

भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग अब 13 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका है। शुरुआत में इस क्षेत्र का लक्ष्य शीर्ष 10 निर्यात श्रेणियों में स्थान बनाना था, लेकिन इसके बाद यह लगातार 9वें, 7वें, 5वें, 4वें और अब तीसरे स्थान तक पहुंच गया है।

अश्विनी वैष्णव ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ पुणे के रंजनगांव में जैबिल की अत्याधुनिक और उच्च तकनीक वाली विनिर्माण इकाई का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि एआई वैश्विक विकास की एक बड़ी ताकत बन चुकी है और इसके लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का देश के भीतर विकसित होना बेहद जरूरी है।

वैष्णव ने कहा कि आज एआई डेटा सेंटर दुनिया भर में विकास का एक बड़ा इंजन बन चुके हैं।

इसलिए प्रधानमंत्री की 'मेक इन इंडिया' योजना के तहत यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि इन डेटा सेंटरों को चलाने वाले प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक पुर्जों का निर्माण भारत में ही हो।

उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक भारत से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और निर्यात की कल्पना भी मुश्किल मानी जाती थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की स्पष्ट सोच और नीतियों ने भारत को एक विश्वसनीय वैश्विक विनिर्माण साझेदार बना दिया है।

जैबिल अपनी आधुनिक और अत्याधुनिक इकाई के माध्यम से पुणे में डेटा सेंटरों के लिए जरूरी महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का निर्माण करेगी।

आधिकारिक बयान के अनुसार, इस संयंत्र की उत्पादन क्षमता बहुत अधिक है और यह भारत की घरेलू तकनीकी जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ दुनिया के विभिन्न देशों को निर्यात भी करेगा।

इलेक्ट्रॉनिक पुर्जों, तैयार इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों और स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला को जोड़ने वाला यह नया तंत्र देश को महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक लाभ पहुंचाने वाला है।

यह यूनिट अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र है, जो आधुनिक तकनीकी अवसंरचना के निर्माण में विशेषज्ञता रखती है।

इस संयंत्र में एआई सिस्टम, एआई आधारित डेटा सेंटर उपकरण, 5जी तकनीक, उच्च स्तरीय नेटवर्किंग उपकरण, औद्योगिक ऊर्जा प्रणाली इलेक्ट्रॉनिक्स और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे जटिल उत्पादों का निर्माण किया जाएगा।

सरकार के सक्रिय सहयोग से यह परियोजना स्थानीय स्तर पर लगभग 11,000 लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगी।

इसके साथ ही यह गहन स्थानीयकरण कार्यक्रम को बढ़ावा देगी।

जिसके तहत घरेलू आपूर्ति श्रृंखला और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सीधे वैश्विक तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र से जोड़ा जाएगा।

मानसून के आने से भारत की उच्चतम ऊर्जा मांग घटकर 241 गीगावट हुई

नई दिल्ली। मानसून के आने से भारत की उच्चतम ऊर्जा मांग में कमी देखने को मिली है और यह 16 जून को कम होकर 241 गीगावाट हो गई है, जो कि 21 मई को दर्ज किए गए ऑल-टाइम हाई 270.8 गीगावाट और इस महीने 9 जून को दर्ज की गई मांग 259 गीगावाट से कम है। यह जानकारी ग्रिड कंट्रोलर ऑफ इंडिया की ओर से जारी किए गए डेटा में दी गई।

ऊर्जा की मांग में कमी आने की वजह देश के अलग-अलग हिस्सों में मानसून का आगमन है, जिससे एसी के साथ-साथ अन्य कूलिंग उकरणों का उपयोग कम हो गया है।

डेटा के मुताबिक, भारत के ऊर्जा मिश्रण में कोयल से पैदा होने वाली बिजली की हिस्सेदारी 68 प्रतिशत, जबकि सोलर और हाइड्रो की हिस्सेदारी क्रमशः 19 प्रतिशत और 7 प्रतिशत थी।

मांग में कमी आने के कारण बाजारों में ऊर्जा की कीमतों में भी कमी देखने को मिली है।

इंडियन एनर्जी एक्सचेंज के डेटा के मुताबिक, जून के मध्य में औसत स्पॉट पावर की कीमत 3.6 रुपए प्रति किलोवाट-घंटा थी, जो एक साल पहले के मुकाबले 18 प्रतिशत कम है। 16 जून को रियल-टाइम मार्केट में कीमतें 4.5 रुपए प्रति किलोवाट-घंटा थीं, जबकि 21 मई को ये 6.5 रुपए प्रति किलोवाट-घंटा थीं, जब

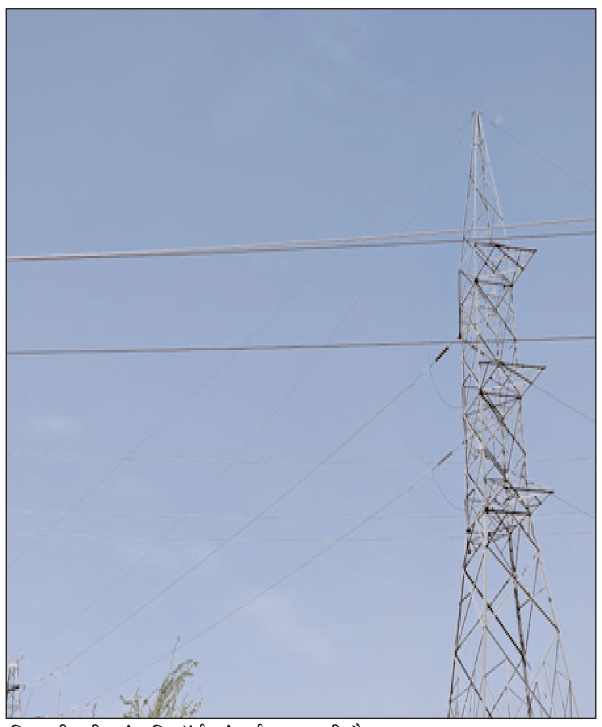

बिजली की मांग रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई थी।

भारत में बिजली की मांग आमतौर पर मई और जून के महीनों में सबसे अधिक होती है, क्योंकि गर्मी के कारण घरों और बिजनेस में कूलिंग उपकरणों का इस्तेमाल बढ़ जाता है।

आमतौर पर मानसून के दौरान तापमान कम हो जाता है, जिससे ऊर्जा की मांग कम हो जाती है।

इसके अतिरिक्त, हाल में आई रिपोर्ट के मुताबिक, डेटा सेंटर्स का इस्तेमाल बढ़ने के कारण पूरी दुनिया में बिजली की खपत बढ़ रही है।

बिजनेस और टेक्नोलॉजी इनसाइट्स कंपनी गार्टनर, इंक. की रिपोर्ट के अनुसार, डेटा सेंटर्स के लिए दुनिया में बिजली की मांग 2026 में 26.4 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है, जिससे खपत 2025 के 447 टेरावाट घंटे से बढ़कर 565 टेरावाट घंटे होने की उम्मीद है।

खपत में अनुमानित बढ़ोतरी की वजह कंप्यूट-केंद्रित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्कलोड है, जिनकी वजह से बिजली की मांग नए उच्चतम स्तर तक पहुंच जाएगी।

एफएसएसएआई ने खाद्य कारोबारियों को जारी किया निर्देश, जंग लगे चाकूओं का बंद हो उपयोग

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने गुरुवार को कहा कि उसने देश भर के खाद्य कारोबारियों को निर्देश दिया है कि वे खाद्य पदार्थों को संभालने और उनकी प्रोसेसिंग के दौरान केवल 'फूड-ग्रेड' और जंग-रोधी चाकू, ब्लेड और काटने वाले अन्य उपकरणों का ही इस्तेमाल करें।

खाद्य नियामक की ओर से जारी निर्देशों में उन रिपोर्टों पर चिंता जताई, जिनमें कहा गया है कि कुछ खाद्य कारोबारी खाना बनाने, प्रोसेस करने, काटने, पैकेजिंग और उससे जुड़े कामों में जंग लगे, खराब, टूटे-फूटे, पेंट किए हुए, डैमेज या किसी भी तरह से इस्तेमाल के लायक न रहने वाले कटिंग टूल्स का इस्तेमाल कर रहे हैं।

एफएसएसएआई के मुताबिक, ऐसे उपकरणों का इस्तेमाल खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है क्योंकि इससे खाद्य उत्पादों में फिजिकल, केमिकल और माइक्रोबायोलॉजिकल कंटैमिनेशन हो सकता है। नियामक ने कहा कि यह

तरीका 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (फूड बिजनेस की लाइसेंसिंग और रजिस्ट्रेशन) रेगुलेशंस, 2011' के शेड्यूल 4 में बताई गई साफ-सफाई की जरूरतों का स्पष्ट उल्लंघन है।

नियामक आगे कहा कि खाद्य सुरक्षा के मौजूदा नियमों के अनुसार, खाने के रखरखाव, तैयारी, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और स्टोरेज में इस्तेमाल होने वाले सभी उपकरण, बर्तन और खाने के संपर्क में आने वाली सतहें फूड-ग्रेड, नॉन-टॉक्सिक और जंग-रोधी मटीरियल से बनी होनी चाहिए। एफएसएसएआई ने खाद्य कारोबारियों को निर्देश दिया है कि वे यह पक्का करें कि सभी चाकू, ब्लेड और काटने वाले उपकरण अच्छी साफ-सफाई वाली हालत में हों और उनमें जंग, खराबी, दरार, टुकड़े टूटना, पेंट, टूट-फूट या कोई ऐसी कमी न हो जिससे खाना दूषित हो सके।निर्देशों में यह भी कहा गया कि जहां भी जरूरी हो, ऐसे उपकरणों की नियमित सफाई, सैनिटाइजेशन और स्टरलाइजेशन किया जाना चाहिए। एफएसएसएआई ने व्यवसायों को यह भी सलाह दी कि वे कंटैमिनेशन (दूषित होने) के जोखिम को रोकने के लिए जंग लगे, क्षतिग्रस्त या इस्तेमाल के लायक न रहे कटिंग टूल्स को तुरंत हटा दें और बदल दें।

नियमों का उल्लंघन करने वालों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई की चेतावनी देते हुए, एफएसएसएआई ने कहा कि एडवाइजरी का पालन न करने पर 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006' के प्रावधानों के तहत जुर्माना लगाया जा सकता है।

पाचन संबंधी समस्याओं से हैं परेशान? रोज करें यह योगासन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। उत्तानपादासन योग का एक बहुत ही सरल लेकिन असरदार आसन माना जाता है, जिसे घर पर आसानी से किया जा सकता है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब लोग लंबे समय तक बैठे रहते हैं, गलत खानपान और तनाव से जूझते हैं, तब यह आसन शरीर और मन दोनों के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है। खास बात यह है कि इसे करने के लिए किसी विशेष उपकरण या जगह की जरूरत नहीं होती, बस एक साफ और समतल स्थान ही काफी है।

आयुष मंत्रालय ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर बताया कि उत्तानपादासन पेट की मांसपेशियों और पेल्विक फ्लोर को मजबूत बनाने में मदद करता है। जब हम इस आसन को करते हैं तो पेट के निचले हिस्से पर हल्का दबाव पड़ता है, जिससे वहां रक्त संचार बेहतर होता है। इसका सीधा असर पाचन तंत्र पर पड़ता है और गैस, कब्ज, अपच और पेट दर्द जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। जिन लोगों को अक्सर खाने के बाद भारीपन महसूस होता है या पेट साफ नहीं रहता, उनके लिए यह आसन बहुत उपयोगी माना गया है।

इस आसन का एक और बड़ा फायदा यह है कि यह मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक असर डालता है। जब इसे करते समय हम धीरे-धीरे और गहरी सांस लेते हैं, तो दिमाग को शांति मिलती है और तनाव कम होता है। यह नर्वस सिस्टम को रिलैक्स करने में मदद करता है, जिससे चिंता और बेचैनी जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। पढ़ाई या ऑफिस के दबाव में रहने वाले लोगों के लिए यह आसन मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक हो सकता है।

उत्तानपादासन करने की विधि भी बहुत आसान है। सबसे पहले जमीन पर पीठ के बल लेट जाएं और दोनों हाथ शरीर के पास रखें। हथेलियां नीचे की ओर होनी चाहिए। अब धीरे-धीरे सांस लेते हुए दोनों पैरों को एक साथ लगभग 30 से 45 डिग्री तक ऊपर उठाएं। इस स्थिति में कुछ सेकंड तक रुकें और फिर धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए पैरों को वापस जमीन पर ले आएं। इसे अपनी क्षमता के अनुसार कुछ बार दोहराया जा सकता है।

पॉज, ब्रीद, रीकनेक्ट : आयुष मंत्रालय ने सिखाई ध्यान की आसान तकनीक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस अब मात्र कुछ ही दिन दूर है। ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय लगातार लोगों को स्वस्थ और शांत जीवन जीने के लिए योगासन को दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दे रहा है। इसी कड़ी में मंत्रालय लगातार नए-नए योगासनों के साथ ही उसके अभ्यास से मिलने वाले लाभ के बारे में भी जानकारी दे रहा है।

मंत्रालय ने आसान और प्रभावी मेडिटेशन तकनीक सिखाई है। मंत्रालय का संदेश बहुत स्पष्ट है 'पॉज, ब्रीद, रीकनेक्ट' यानी रुकें, सांस लें और खुद से दोबारा जुड़ें। योग एक्सपर्ट्स के अनुसार, ध्यान मन को शांत करने, एकाग्रता बढ़ाने और भावनात्मक संतुलन बनाने का सबसे आसान तरीका है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में रोजाना सिर्फ कुछ मिनट की सचेत सांस और ध्यान अभ्यास से व्यक्ति के जीवन में स्पष्टता, शांति और सकारात्मक ऊर्जा आ सकती है।

ऐसे में एक्सपर्ट लोगों से अपील करते हैं कि व्यस्त दिनचर्या में भी ध्यान के लिए समय निकालें। साथ ही ध्यान करने की सरल तकनीक भी बताई-

ध्यान के लिए किसी आरामदायक जगह पर ध्यान मुद्रा में बैठ जाएं और रीढ़ की हड्डी को सीधा रखें। हाथों को जांघों पर ज्ञान मुद्रा (अंगूठा और तर्जनी उंगली को जोड़कर) में रखें। इसके बाद धीरे-धीरे आंखें बंद कर लें और चेहरे को थोड़ा ऊपर की ओर उठाएं। इस दौरान सामान्य रूप से सांस लेते-छोड़ते रहें।

शुरुआत में सिर्फ सांस पर पूरा ध्यान केंद्रित करें। फिर अपना ध्यान भौंहों के बीच वाली जगह (आज्ञा चक्र) पर लगाएं।

इस अवस्था में पांच मिनट या जितनी देर तक सहज रह सकें, बैठे रहें। वहीं, अभ्यास पूरा करने के लिए धीरे-धीरे ध्यान को वापस सांस पर लाएं और फिर आसपास के वातावरण की ओर ले जाएं।

चाय के साथ गलत फूड कॉम्बिनेशन बढ़ा सकते हैं पेट की परेशानी, बढ़ सकती हैं गैस और एसिडिटी की समस्या

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में चाय रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा है। सुबह की शुरुआत से लेकर शाम की थकान तक, एक कप चाय लोगों को आराम देने का काम करती है। लेकिन अक्सर चाय के साथ लोग ऐसी चीजें खा लेते हैं जो शरीर और पाचन तंत्र पर बुरा असर डालती हैं।

मेडिकल साइंस के अनुसार, चाय में मौजूद कैफीन, टैनिन और अन्य सक्रिय तत्व कुछ खाद्य पदार्थों के साथ मिलकर पाचन को प्रभावित करते हैं। यही वजह है कि कुछ कॉम्बिनेशन पेट में गैस, एसिडिटी, पोषक तत्वों के अवशोषण में कमी और दांतों की संवेदनशीलता जैसी समस्याएं पैदा कर सकते हैं।

चाय में मुख्य रूप से कैफीन, टैनिन, पॉलीफेनॉल्स और थोड़ी मात्रा में फ्लोराइड पाया जाता है। कैफीन शरीर को तुरंत ऊर्जा देता है, लेकिन टैनिन कई बार आयरन और कुछ मिनरल्स के अवशोषण को कम कर देता है। यही कारण है कि चाय के साथ कुछ खाद्य पदार्थों का मेल शरीर के लिए सही नहीं माना जाता।सबसे पहले बात करते हैं तीखे और मसालेदार खाने की। लहसुन, प्याज, हरी मिर्च, तीखी चटनी और भारी मसालों में मौजूद तत्व जैसे एलिसिन, कैप्साइसिन और सल्फर कंपाउंड पाचन को तेज कर देते हैं और पेट में एसिड का उत्पादन बढ़ा सकते हैं। जब इन्हें चाय के साथ लिया जाता है, जिसमें कैफीन पहले से ही गैस्ट्रिक एसिड को प्रभावित करता है, तो यह कॉम्बिनेशन पेट में जलन, एसिडिटी और भारीपन बढ़ा सकता है। नींबू और चाय का संयोजन भी हर व्यक्ति के लिए सही नहीं माना जाता। नींबू में साइट्रिक एसिड और विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है, जबकि चाय में टैनिन होता है। जब दोनों एक साथ या तुरंत बाद लिए जाते हैं, तो कुछ लोगों में पेट का पीएच स्तर असंतुलित हो सकता है। इससे एसिडिटी, पेट फूलना या हल्की गैस की समस्या हो सकती है। विशेषज्ञों की मानें तो, चाय और नींबू के सेवन के बीच कम से कम 20-30 मिनट का अंतर रखा जाए।

ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स से परेशान? तो छुटकारा दिलाने में मदद कर सकता है चावल का यह घरेलू उपाय

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज के समय में साफ और चमकदार त्वचा हर कोई चाहता है, लेकिन धूल, मिट्टी, पसीना और बढ़ते प्रदूषण की वजह से चेहरे पर कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। इनमें ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स सबसे आम परेशानी हैं।

ये छोटे-छोटे दाने अक्सर नाक, ठुड्डी और माथे के आसपास दिखाई देते हैं। इनकी वजह से चेहरा साफ दिखने के बजाय बेजान नजर आने लगता है। कई लोग इन्हें हटाने के लिए महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट खरीदते हैं, लेकिन कुछ आसान घरेलू तरीके भी

त्वचा की सफाई में मदद कर सकते हैं। ऐसा ही एक तरीका चावल से तैयार किया गया स्क्रब है, जो चेहरे पर जमा गंदगी को साफ करने में सहायक माना जाता है।

त्वचा के रोमछिद्रों में जब प्राकृतिक तेल (सीबम), धूल-मिट्टी और मृत कोशिकाएं जमा हो जाती हैं, तब ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की समस्या उत्पन्न होती है। जब रोमछिद्र खुले होते हैं और यह जमा गंदगी हवा के संपर्क में आती है, तो ऑक्सीकरण के कारण इसका ऊपरी हिस्सा काला पड़ जाता है, जिसे 'ब्लैकहेड्स' कहते हैं। इसके विपरीत, जब यह गंदगी त्वचा के भीतर ही बंद रह जाती है, तो वह सफेद दाने के रूप में उभरती है, जिसे 'व्हाइटहेड्स' कहा जाता है। इसलिए इनसे बचने के लिए चेहरे की नियमित सफाई बहुत जरूरी होती है।

फीफा वर्ल्ड कपः इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 4-2 से हराया, हैरी केन ने किए दो गोल

विश्व केसरी ■

अर्लिंग्टन। इंग्लैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आगाज जीत के साथ किया है। डलास स्टेडियम में हुए ग्रुप एल के मुकाबले में इंग्लैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए क्रोएशिया को 4-2 से हराया।

इंग्लैंड की ओर से कप्तान हैरी केन ने दो गोल दागे, जबकि जूड बेलिंगहैम और सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर मैदान पर उतरे मार्कस रैशफोर्ड ने एक गोल किया। मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। क्रोएशिया ने शुरुआती मिनटों में इंग्लैंड के डिफेंस पर दबाव बनाया, लेकिन इंग्लैंड ने जल्द ही मुकाबले पर पकड़ बना ली।

12वें मिनट में इंग्लैंड के हाथ पेनल्टी लगी। पेनल्टी पर हैरी केन का पहला प्रयास गोलकीपर डोमिनिक लिवाकोविक ने रोक लिया, लेकिन नियम उल्लंघन के कारण पेनल्टी दोबारा कराई गई। दूसरे प्रयास में केन ने कोई गलती नहीं की और टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि, क्रोएशिया ने मैच में जल्द ही वापसी की। मार्टिन बटुरिना ने शानदार गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद इंग्लैंड ने एक बार फिर बढ़त हासिल की। कॉर्नर किक पर हैरी केन ने बेहतरीन हेडर लगाकर अपना दूसरा गोल किया और इंग्लैंड को 2-1 से आगे कर दिया।पहले हाफ के अंत में क्रोएशिया ने स्कोर को फिर से बराबर कर दिया। स्टॉपेज टाइम में इवान पेरिसिक को कुछ जगह मिली और उन्होंने मूसा को पास दिया, जिन्होंने गेंद को गोल पोस्ट में डालकर ब्रेक तक स्कोर 2-2 कर दिया। दूसरे हाफ में इंग्लैंड अलग ही अंदाज में मैदान पर उतरा। खेल शुरू होने के केवल दो मिनट बाद जूड बेलिंगहैम ने शानदार व्यक्तिगत प्रयास करते हुए शानदार गोल दागा। उन्होंने दाईं ओर से बॉक्स में प्रवेश किया और सटीक शॉट लगाकर इंग्लैंड को मुकाबले में 3-2 की बढ़त दिला दी।

इसके बाद इंग्लैंड ने लगातार आक्रमण जारी रखा। बेलिंगहैम, डेक्लान राइस और निको ओ'रैली ने कई मौके बनाए, लेकिन क्रोएशियाई गोलकीपर लिवाकोविक ने कुछ बेहतरीन बचाव कर अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखा। दूसरी ओर, क्रोएशिया ने भी जवाबी हमले किए और मार्को पासालिक का एक जबरदस्त शॉट इंग्लैंड के गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड ने शानदार तरीके से रोक दिया।

महिला टी20 विश्व कपः एनरी डर्कसन बनीं संकटमोचक, साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को 2 विकेट से हराया

विश्व केसरी ■

बर्मिंघम। महिला टी20 विश्व कप 2026 के 11वें मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को 2 विकेट से हराया। एजबेस्टन के मैदान पर पाकिस्तान से मिले 127 रनों के लक्ष्य को प्रोटियाज टीम ने 16.5 ओवर में 8 विकेट खोकर हासिल किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और कप्तान लौरा वोल्वार्ट महज 8 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। सुने लुस का बल्ला भी खामोश रहा और वह 5 रन ही बना सकीं। मारिजाने कैप भी 8 गेंदों में 10 रन बनाकर आउट हुईं। एक छोर से विकेट गिरने के बावजूद एनरी डर्कसन ने एक तरफ से अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी जारी रखी और उन्होंने सिर्फ 35 गेंदों का सामना करते हुए 52 रनों की दमदार पारी खेली। डर्कसन ने अपनी इस पारी में 7 चौके और 2 छक्के लगाए।

वहीं, नादिन डे क्लर्क भी बेहतरीन लय में दिखाई दीं और उन्होंने 28 गेंदों में 37 रनों की अहम पारी खेली। हालांकि, डर्कसन के आउट होने के बाद साउथ अफ्रीका ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए और एक समय पर पाकिस्तान की टीम पूरी तरह से मैच में हावी हो गई थी, लेकिन आखिर में टीम बाजी मराने में सफल रही। गेंदबाजी में पाकिस्तान की तरफ से कप्तान फातिमा सना का प्रदर्शन दमदार रहा और उन्होंने सिर्फ 16 रन खर्च करते हुए 3 विकेट चटकाए। वहीं, सादिया इकबाल ने दो विकेट अपने नाम किए।

इससे पहले, पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 126 रन ही लगा सकी। टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और मुनीबा अली पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले पवेलियन लौटीं। गुल फिरोजा को भी मारिजाने कैप ने सिर्फ एक रन के स्कोर पर पहले ही ओवर में आउट किया। नतालिया परवेज महज 4 रन ही बना सकीं, तो आयशा जफर (9 रन) का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। रमीन शमीम 6 रन बनाने के बाद रनआउट हुईं। इरम जावेद (11 रन) और आलिया रियाज (10 रन) का बल्ला भी खामोश रहा।

हालांकि, फातिमा सना ने बेहतरीन बल्लेबाजी की और 38 गेंदों में 6 चौके और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 55 रन बनाए।

'टीम के प्रदर्शन में कोई कमी नहीं थी', डीआर कांगो के खिलाफ ड्रॉ के बाद रोनाल्डो ने किया पुर्तगाल का बचाव

विश्व केसरी ■

ह्यूस्टन । फीफा वर्ल्ड कप 2026 में पुर्तगाल फुटबॉल टीम की शुरुआत निराशाजनक हुई है। टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में पुर्तगाल को डीआर कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। हालांकि, पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने टीम का बचाव किया है।

रोनाल्डो ने कहा कि डीआर कांगो के खिलाफ खेले गए मुकाबले में पुर्तगाल टीम के प्रदर्शन में कोई कमी नहीं थी। रोनाल्डो खुद इस मुकाबले में कोई गोल नहीं कर सके। रोनाल्डो के तीनों शॉट गोल पोस्ट से बाहर चले गए। रोनाल्डो ने मैच के बाद पुर्तगाल के 'स्पोर्ट टीवी' से एक छोटी बातचीत में कहा, 'कुछ भी कमी नहीं थी, फुटबॉल ऐसा ही है। हम जीत भी सकते थे। अपने करियर के छठे वर्ल्ड कप के पहले मैच में रोनाल्डो का एक भी शॉट गोल पोस्ट में नहीं पहुंचा। यह दूसरी बार भी है जब उन्होंने वर्ल्ड कप मैच में 90 मिनट तक टारगेट पर कोई शॉट नहीं मारा। रोनाल्डो के करियर का यह 23वां वर्ल्ड कप मैच था।

वह फीफा विश्व कप में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे नंबर पर आ गए हैं। रोनाल्डो पुर्तगाल की तरफ से 10 बड़े इंटरनेशनल टूर्नामेंट (वर्ल्ड कप और यूरो कप) खेल चुके हैं।

एफआईएच प्रो लीगः भारतीय मेंस हॉकी टीम का दमदार प्रदर्शन, वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को 3-1 से हराया

विश्व केसरी ■

रॉटरडैम। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2025-26 में भारतीय पुरुष टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को एकतरफा मुकाबले में 3-1 से हराया।

मनदीप सिंह (7वें मिनट), शिलानंद लाकड़ा (13वें मिनट) और नीलकांत शर्मा (35वें मिनट) के गोलों की बदौलत भारत ने शानदार जीत हासिल की। इस मुकाबले में भारतीय टीम का डिफेंस भी काफी मजबूत नजर आया। मिडफील्डर हार्दिक सिंह को मिडफील्ड से खेल को संभालने के उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। वहीं, मनप्रीत सिंह भारत की ओर से सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बने। उन्होंने दिलीप टिर्की के 412 मैचों के रिकॉर्ड को तोड़ा।

413 इंटरनेशनल मैच खेलने वाले मनप्रीत अब पुरुषों की ऑल-टाइम इंटरनेशनल कैप (सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाले खिलाड़ी) की लिस्ट में बेल्जियम के जॉन-जॉन डोहमेन (481), नीदरलैंड्स के ट्यून डी नूइजर (453), ऑस्ट्रेलिया के एडी ओकेनडेन (451), और ग्रेट ब्रिटेन के बैरी मिडलटन (432) के बाद पांचवें नंबर पर हैं।

भारत ने पजेशन कंट्रोल करके मैच की अच्छी शुरुआत की और जर्मनी पर दबाव बनाए रखा। इसका फायदा 7वें मिनट में मिला जब मंदीप ने गोल के सामने एक तेज टर्न से गोल करके भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले क्वार्टर के खत्म होने से ठीक पहले, लाकड़ा ने 13वें मिनट में जर्मन गोलकीपर अलेक्जेंडर स्टैडलर को छकाते हुए एक शानदार स्ट्राइक से भारत का स्कोर 2-0 कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में, जर्मनी ने वापसी करने के इरादे से अपना खेल बदला और भारतीय हाफ में गहराई तक जाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय डिफेंस मजबूत रहा।

जर्मनी को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर 24वें मिनट में मिला, लेकिन ड्रैगफ्लिक को अमित रोहिदास ने अच्छी तरह से ब्लॉक कर दिया। लगातार अटैकिंग खेल के बाद जर्मनी को 27वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन गोलकीपर मोहित ने आसानी से बचाव करते हुए हाफ टाइम तक भारत की 2-0 की बढ़त बनाए रखी।

भारत दूसरे हाफ में भी गोल करने की कोशिश करता रहा। टीम को सफलता 35वें मिनट में मिली, जब नीलकांत शर्मा ने जर्मन डिफेंडरों को छकाते हुए एक शानदार सोलो रन बनाया और गेंद को गोल में डालकर भारत की बढ़त 3-0 कर दी। इसके बाद दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर जवाबी हमले किए और बराबर मौके बनाए। जर्मनी को आखिरकार तीसरे क्वार्टर में सिर्फ 20 सेकंड बाकी रहते एक गोल करने का मौका मिला, जिसका फायदा उठाते हुए राफेल हार्टकोफ ने 45वें मिनट में गोल करके स्कोर 3-1 कर दिया।

आखिरी क्वार्टर में, जर्मनी ने अपनी रफ्तार बढ़ाई और वापसी करने का प्रयास किया, लेकिन भारतीय डिफेंस ने मौजूदा चैंपियन को कोई मौका नहीं दिया।

इंडिया ए और घरेलू क्रिकेट का अनुभव काम आया, भारतीय टीम के लिए बहुत कुछ करना चाहता हूंः गुरनूर बरार

विश्व केसरी ■

लखनऊ। अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से दाएं हाथ के भारतीय तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की है। गुरनूर ने अपने पहले दोनों वनडे में 3-3 विकेट झटके हैं। उनकी सफलता ने भारतीय तेज गेंदबाजी को एक नया और बेहतर विकल्प दिया है। गुरनूर ने राष्ट्रीय टीम में मिली अपनी सफलता का श्रेय घरेलू क्रिकेट और इंडिया ए के लिए खेलते हुए मिले अनुभवों को दिया है।

लखनऊ वनडे के बाद गुरनूर ने कहा, 'इंडिया ए सेटअप मेरे लिए बड़ी बात है। हम रणजी ट्रॉफी में अच्छा करते हैं, तो हमें इंडिया ए, दलीप ट्रॉफी या ईरानी कप के लिए चुना जाता है। जब मुझे इंडिया ए टीम में जगह मिली, तो मैं बहुत खुश था। मेरे लिए यह वैसा ही था जैसा रणजी में गेंदबाजी करते समय होता था, हार्ड लेंथ पर तेज गेंदबाजी करना और गेंद को स्विंग कराना।'

उन्होंने कहा, 'मैंने इंडिया ए में भी ठीक यही करने की कोशिश की और उन्हीं लाइनों पर गेंदबाजी की। मुझे खुद पर और जो कुछ भी मैं कर रहा हूं, उस पर विश्वास है, चाहे वह हार्ड लेंथ हो या तेज गेंदबाजी।

गुरनूर ने कहा, 'मैंने टीम इंडिया के लिए भी वैसी ही गेंदबाजी करने की कोशिश की है। इन दो मैचों में, मैं अपनी तरफ से बेहतर करना चाहता था। मुझे पता है कि मैं यहां बेहतर गेंदबाजी कर सकता हूं। उम्मीद है, आने वाले मैचों में भी मैं ऐसी ही गेंदबाजी करूंगा। प्रबंधन और गेंदबाजी कोच मेरा पूर्ण सहयोग करते हैं, जिससे मुझे और खुलकर गेंदबाजी करने का मौका मिलता है। उन्होंने मुझे कोई नई टिप्स नहीं दीं, बस मुझसे अपनी ताकत पर फोकस करने को कहा है।

मैं भगवान का शुक्रगुजार हूं कि मुझे यह दिखाने का मौका मिला कि मैं इंडियन टीम के साथ क्या कर सकता हूं। मैं टीम इंडिया के लिए और भी बहुत कुछ करना चाहता हूं। गुरनूर बरार आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस का हिस्सा थे। उन्हें बहुत ज्यादा मौके नहीं मिले।

'वह थ्रो उतना अच्छा नहीं था': नीरज ने अपने 90 मीटर वाले थ्रो के बारे में चौंकाने वाली बात कही

विश्व केसरी ■

दोहा । ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने बताया है कि वह उस रिकॉर्ड-तोड़ने वाले 90.23 मीटर थ्रो का वीडियो शायद ही कभी दोबारा देखते हैं, जिसके चलते उन्होंने पिछले साल दोहा डायमंड लीग में सुर्खियां बटोरी थीं। उनका मानना ??है कि तकनीकी तौर पर वह उनके सबसे अच्छे थ्रो से काफी दूर था। गुरुवार को दोहा में वांडा डायमंड लीग के दौरान मीडिया से बातचीत में भारतीय जैवलिन स्टार ने कहा कि वह क्वालिफिकेशन राउंड के अपने थ्रो को देखना ज्यादा पसंद करते हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि वे उस लय और तकनीक को बेहतर ढंग से दिखाते हैं जिसे हासिल करना चाहते हैं, जबकि फाइनल में वह अक्सर ज्यादा आक्रामक तरीका अपनाते हैं।

हालांकि, चोपड़ा ने पिछले सीजन में दोहा में लंबे समय से प्रतीक्षित 90-मीटर का आंकड़ा पार कर लिया था, लेकिन उनका मानना ??है कि उस खास थ्रो में अभी भी सुधार की गुंजाइश थी। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन ने बताया कि भले ही थ्रो के समय रिलीज जबरदस्त थी, लेकिन उनके निचले शरीर की तकनीक सबसे अच्छी नहीं थी। चोपड़ा को यकीन है कि अगर थ्रो के सभी पहलू सही हों, तो और भी ज्यादा दूरी तय की जा सकती है।

चोपड़ा ने कहा, 'तकनीकी तौर पर, वह थ्रो उतना अच्छा नहीं था; हाथ से तो वह बहुत तेज था, लेकिन अगर मैं निचले शरीर के साथ बेहतर कर पाता, तो शायद 2-3 मीटर और दूर जा सकता था। मैंने वह वीडियो बहुत बार नहीं देखा है। मुझे क्वालिफिकेशन राउंड में अपने थ्रो बहुत पसंद हैं, चाहे वह ओलंपिक में हों या वर्ल्ड चैंपियनशिप में, क्योंकि तब मैं बहुत तनाव मुक्त महसूस करता हूं और बहुत दूर तक थ्रो कर सकता हूं, लेकिन जब भी मैं फाइनल या मुख्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेता हूं, तो मैं हमेशा बहुत ज्यादा जोर लगाता हूं। मैं बहुत आक्रामक हो जाता हूं, और अपनी तकनीक भूल जाता हूं। इसलिए मुझे फाइनल के वीडियो बार-बार देखना पसंद नहीं है।

फीफा वर्ल्ड कपः घाना ने पनामा को 1-0 से हराया, कालेब यिरेंकी बने जीत के नायक

विश्व केसरी ■

टोरंटो। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत घाना ने जीत के साथ की है। ग्रुप एल के मुकाबले में घाना ने कालेब यिरेंकी के अंतिम क्षणों में किए गए गोल की बदौलत पनामा को 1-0 से मात दी।

मैच की शुरुआत में पनामा ने अच्छा खेल दिखाया। आमिर मुरिलो के लो क्रॉस पर सेसिलियो वाटरमैन को गोल का मौका मिला, लेकिन घाना के गोलकीपर बेंजामिन असारे ने डाइव लगाते हुए शानदार बचाव किया। इसके बाद पनामा को एक और मौका मिला, जब असारे का खराब पंच सीधे जियोवानी रामोस के पास गिरा, लेकिन वह भी इसे गोल में तब्दील नहीं सके।

घाना ने भी जवाबी हमले किए और दूसरे हाफ में दोनों टीमों की तरफ से आक्रामक खेल देखने को मिला। क्रिस्टियन मार्टिनेज ने एक ढीली गेंद पर शॉट लगाने की कोशिश की, लेकिन उनका प्रयास साइड नेटिंग में चला गया और टीम बढ़त नहीं ले सकी। घाना के कोच कार्लोस क्वेरोज ने दूसरे हाफ में दो बदलाव किए, जिसका तुरंत असर देखने को मिला।

सब्स्टीट्यूट ब्रेंडन थॉमस-असांटे ने दाईं ओर से तेज रन बनाते हुए जॉर्डन अयू को शानदार पास दिया, लेकिन पनामा के डिफेंस ने समय रहते बचाव कर लिया। दोनों टीमों की तरफ जारी कोशिशों के बावजूद मैच गोलरहित ड्रा की तरफ बढ़ता हुआ दिख रहा था। थॉमस-असांटे ने बाईं ओर से शानदार मूव बनाकर पनामा के डिफेंस को तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह इसमें सफल नहीं हो सके।

हालांकि, मैच के अंतिम क्षणों में कालेब यिरेंकी ने घाना की ओर से निर्णायक गोल दागा, जो उनके करियर का पहला इंटरनेशनल गोल भी रहा। इस गोल की बदौलत घाना ने मैच में 1-0 की बढ़त हासिल की। इसके बाद कई प्रयासों के बावजूद भी दोनों टीमों की तरफ से कोई भी गोल नहीं हो सका और घाना इस मुकाबले को 1-0 से अपने नाम करने में सफल रही।

घाना के कोच कार्लोस क्वेरोज ने इस मुकाबले में खास उपलब्धि भी हासिल की।

वह लगातार पांच वर्ल्ड कप में अलग-अलग टीमों को कोचिंग देने वाले महज दूसरे कोच बने। उन्होंने 2010 में पुर्तगाल, 2014 में ईरान, 2018 में रूस, 2022 में कतर और अब 2026 में घाना को कोचिंग दी है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415